नई दिल्ली

रविवार, 23 फरवरी 2025

फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष, दशमी वर्ष : 28, अंक : 315

पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 26
न्यून. 11

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

11 चैंपियंस ट्रॉफी : भारत और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के बीच महामुकाबला आज

जीआईएस में प्रधानमंत्री के सामने होंगे 5 हजार औद्योगिक प्रतिनिधि

बागेश्वरधाम में कैंसर अस्पताल का 'शिलान्यास' करेंगे फिर भोपाल आएंगे कल जीआईएस का शुभारंभ करेंगे

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मप्र के दौरे पर पीएम मोदी आज आएंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मध्यप्रदेश के दौरे और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को लेकर सभी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। रविवार 23 फरवरी को अपरान्ह 2 बजे मोदी पहले छतरपुर जिले के गढ़ा स्थित बागेश्वरधाम जाकर बागेश्वर धाम जन सेवा समिति द्वारा निर्मित किए जाने वाले मेडिकल साइंस एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (कैंसर अस्पताल) का शिलान्यास करेंगे। इसके बाद मोदी भोपाल आएंगे और रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन वे इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 218 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले जिस कैंसर अस्पताल का शिलान्यास करेंगे, इसके लिए 10.925 हेक्टेयर भूमि चिन्हित की जा चुकी है। कैंसर अस्पताल के 36 माह में बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। इसके पहले चरण में 100 बिस्तरों की सुविधा होगी, जिसमें अत्याधुनिक मशीनों और विशेषज्ञ चिकित्सकों के माध्यम से गरीब कैंसर रोगियों का निःशुल्क उपचार किया जाएगा। पीएम मोदी की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 23 तारीख को ही स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप यानि एसपीजी ने संबंधित इलाके को अपने सुरक्षा घेरे में ▶▶ शेष पेज 7 पर

कल ही बिहार और असम के दौरे पर रहेंगे पीएम मोदी

पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त जारी करेंगे सोमवार को पीएम मोदी भागलपुर में पीएम किसान योजना की 19वीं किस्त जारी करेंगे, जिससे देशभर के 9.7 करोड़ किसानों को 21,500 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता मिलेगी। इसके अलावा, वे बिहार में ▶▶ शेष पेज 7 पर

काश पटेल ने गीता पर हाथ रखकर ली शपथ

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

संयुक्त राष्ट्र अमेरिका की फेडरल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन (एफबीआई) के निदेशक भारतवंशी काश पटेल ने भगवद गीता पर हाथ रखकर शपथ ली। समारोह के दौरान उनके परिवार के सदस्य और उनकी महिला मित्र मौजूद थीं। इसका आयोजन व्हाइट हाउस परिसर में आइजनहावर कार्यकारी कार्यालय भवन (ईईओबी) में किया गया। उनकी महिला मित्र शपथ के दौरान भावुक दिखीं। अमेरिकी अटार्नी जनरल पाम बांडी ने पटेल से गीता पर हाथ रखकर शपथ लेने के लिए दाहिना हाथ उठाने कहा। पटेल ने कहा कि मैं अमेरिकी सपने को जी रहा हूं। जो कोई ▶▶ शेष पेज 7 पर

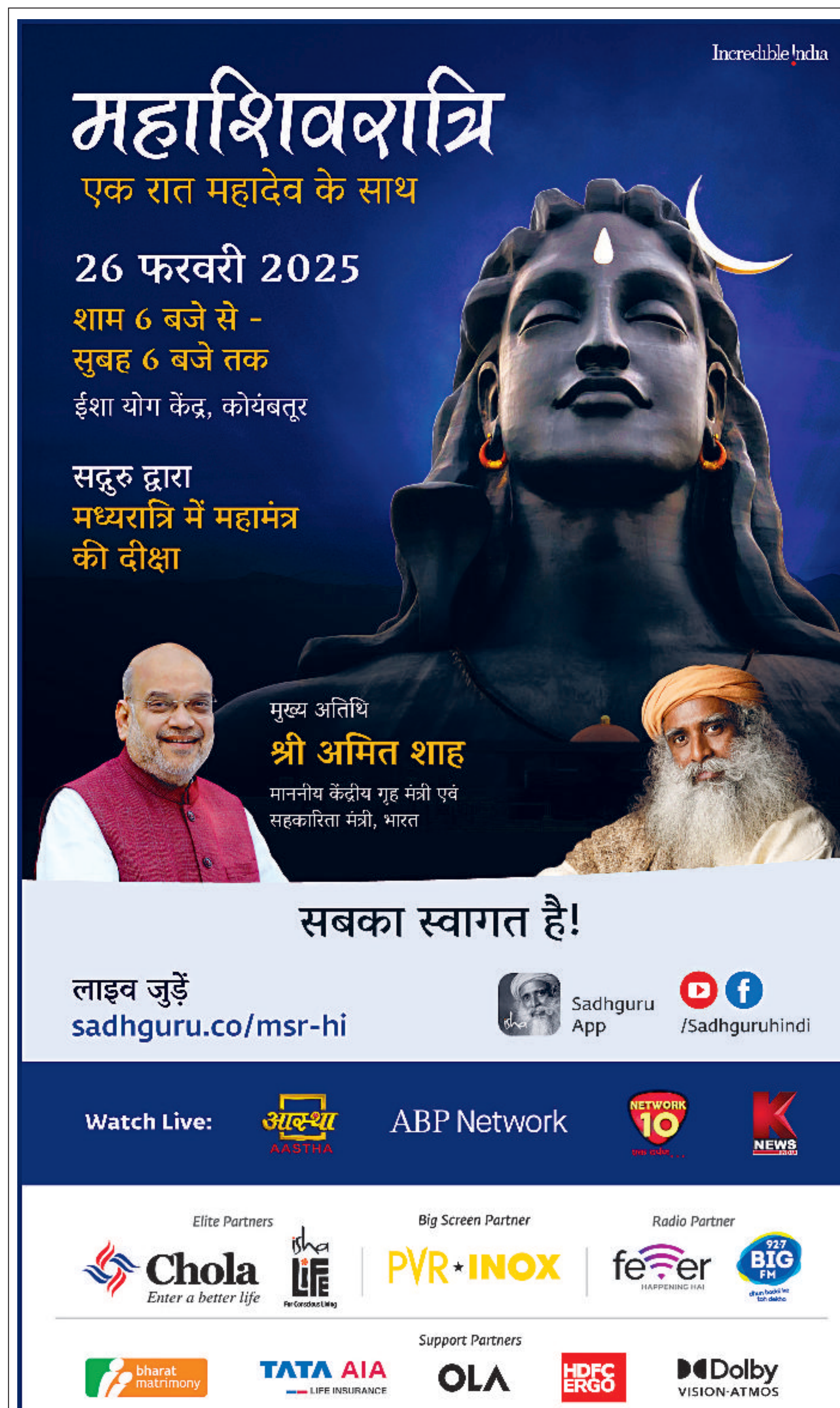

पीएम शेरिंग तोबगे के दौरे पर विदेश मंत्रालय का बयान

आपसी समझ, विश्वास, सद्भाव, दोस्ती व सहयोग की मिसाल हैं भारत-भूटान संबंध

> विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और भूटान की मित्रता और सहयोग के संबंध भरोसे, सद्भावना और आपसी समझ पर आधारित हैं। दोनों देशों के बीच नियमित उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा के तहत भूटान के पीएम का दौरा हुआ, जो हमारी विशेष साझेदारी की पहचान है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत और भूटान के बीच मित्रता और सहयोग के संबंध एक मिसाल हैं, जो विश्वास, सद्भावना और आपसी समझ पर आधारित हैं। दोनों देशों के बीच नियमित उच्च स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा के तहत भूटान के पीएम शेरिंग तोबगे का भारत दौरा हुआ। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणवीर जायसवाल ने शनिवार को यह बात कही। तोबगे ने 'स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप' (एसओयूएल) के पहले नेतृत्व सम्मेलन में भाग लेने के लिए 20 से 21 फरवरी तक भारत की ▶▶ शेष पेज 7 पर

■ पीएम तोबगे ने कई मंत्रियों से की मुलाकात

तोबगे बोले- मोदी ने सदैव मेरा मार्गदर्शन किया

ऐतिहासिक साझेदारी गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध

एसओयूएल लीडरशिप सम्मेलन में भूटान के पीएम महामहिम शेरिंग तोबगे के संबोधन की सराहना करते हुए मोदी ने कहा कि हम भारत और भूटान के बीच अनोखी और ऐतिहासिक साझेदारी को गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीएम मोदी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट में लिखा कि एक बार फिर अपने मित्र पीएम शेरिंग तोबगे से मिलकर खुशी हुई। लीडरशिप सम्मेलन में उनके संबोधन की सराहना करता हूँ। हम भारत और भूटान के बीच अनोखी और ऐतिहासिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उच्च स्तरीय आदान-प्रदान परंपरा के तहत दौरा

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और भूटान की मित्रता और सहयोग के संबंध भरोसे, सद्भावना और आपसी समझ पर आधारित हैं। दोनों देशों के बीच नियमित उच्च-स्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा के तहत भूटान के पीएम का दौरा हुआ, जो हमारी विशेष साझेदारी की पहचान है।

पीएम मोदी को बताया बड़ा भाई और गुरु

स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप' समिट में शुक्रवार को तोबगे ने पीएम मोदी को अपने 'बड़े भाई' और 'गुरु' के रूप में संबोधित किया। उन्होंने कहा, निसंदेह मैं आपमें एक बड़े भाई की छवि देखता हूं, जो हमेशा मेरा मार्गदर्शन करते हैं और मुझे मदद देते हैं। तोबगे ने 'स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप' समिट को मोदी की बुद्धिमत्ता का परिणाम बताया और कहा कि यह उनके नेतृत्व सही नेताओं को आगे बढ़ाने और उन्हें महान भारतीय गणराज्य की सेवा में सक्षम बनाने की प्रतिबद्धता का एक और प्रमाण है।

ऑफर्स ऑन मेकिंग चार्जेस	
प्लेन गोल्ड ज्वेलरी एंड मशीन मेड चेन्स	5.88%
एंटीक गोल्ड ज्वेलरी	9.88%
हैंडमेड चेन्स, रोडियम चेन्स, फैंसी जेवेलरी	11.88%
एंटीक डिज़ाइनर/रजवाड़ा गोल्ड ज्वेलरी	14.88%
डायमंड स्टडेड ज्वेलरी	4.88%*
जड़ाऊ पोल्की ज्वेलरी	4.88%

*कंडिशन्स अप्लाई

सदर बाज़ार | रायपुर | 7 फरवरी ऑनवार्ड्स | 91470 75332

नियमों को हल्के में लेने वाले संस्थानों के खिलाफ एनसीटीई सख्त, भेजेगी कारण बताओ नोटिस

स्कूली शिक्षक बनने के नियमों में बदलाव के मसौदे पर देश में मंत्रणा शुरू

कविता जोशी ▶▶ नई दिल्ली

खास खबर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत स्कूली शिक्षक बनने के नियमों में बदलाव को मिली केंद्र की मंजूरी के बाद राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ने 'एनसीटीई रेग्यूलेशन-2025' का मसौदा राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों और विश्वविद्यालयों के सुझाव लेने के लिए भेज दिया है। लेकिन इन सबके बीच परिषद की तरफ से अगले सप्ताह 27 फरवरी से इस महत्वपूर्ण विषय को लेकर एक व्यापक विचार-विमर्श की प्रक्रिया की शुरुआत की जाएगी। जिसके तहत सबसे पहले 27 से 28 फरवरी तक पूर्वोत्तरी राज्य मेघालय की राजधानी शिलांग में स्थित नॉर्थ-ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी (एनईएचयू) में पहली मंत्रणा बैठक होगी और उसमें सभी संबंधित भागीदारों की मौजूदगी में मसौदे पर गंभीरता के साथ चर्चा की जाएगी। यह जानकारी एनसीटीई के अध्यक्ष प्रोफेसर पंकज अरोड़ा ने हरिभूमि से खास बातचीत में दी है। पेश हैं बातचीत के मुख्य अंश।

■ राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर पंकज अरोड़ा ने हरिभूमि से खास बातचीत में दी यह जानकारी

एनसीटीई रेग्यूलेशन को लेकर देश में कितनी बैठकें होंगी?

परिषद की योजना देश में कुल करीब 4 से 5 बैठकों का आयोजन करने की है। जिसमें हमारे चारों रीजन को शामिल किया जाएगा। 27 फरवरी को मेघालय के एनईएचयू में होने वाली पहली मंत्रणा बैठक का कार्यक्रम दो दिवसीय (27 से 28 फरवरी तक) होगा। जिसमें मेघालय के राज्यपाल सीएच विजयशंकर विशेष तौर पर शिरकत करेंगे। इसके अलावा एक बैठक का आयोजन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी किया जाएगा।

रेग्यूलेशन से स्कूली शिक्षक बनने के पाठ्यक्रमों में क्या बदलाव आएगा?

संशोधित नियमों से स्कूली शिक्षक बनने के बीएड और एमएड जैसे जरूरी पाठ्यक्रमों में बदलाव देखने को मिलेगा। जो पूरी तरह से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के गुणवत्ता आधारित शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य को पूरी तरह से अपने में समाहित किए हुए होगा। एनईपी ने स्कूली शिक्षा को चार भागों में विभाजित किया है। जिसमें सबसे पहले फाउंडेशन, फिर प्रिपरेटरी, मिडिल और अंत में सेकेंडरी स्टेज शामिल है। अब इन चारों के हिसाब से शिक्षक तैयार किए जाएंगे। इसी तरह से स्नातक स्तर से लेकर परास्नातक स्तर के पाठ्यक्रमों में भी बदलाव नजर आएगा। ▶▶ शेष पेज 7 पर

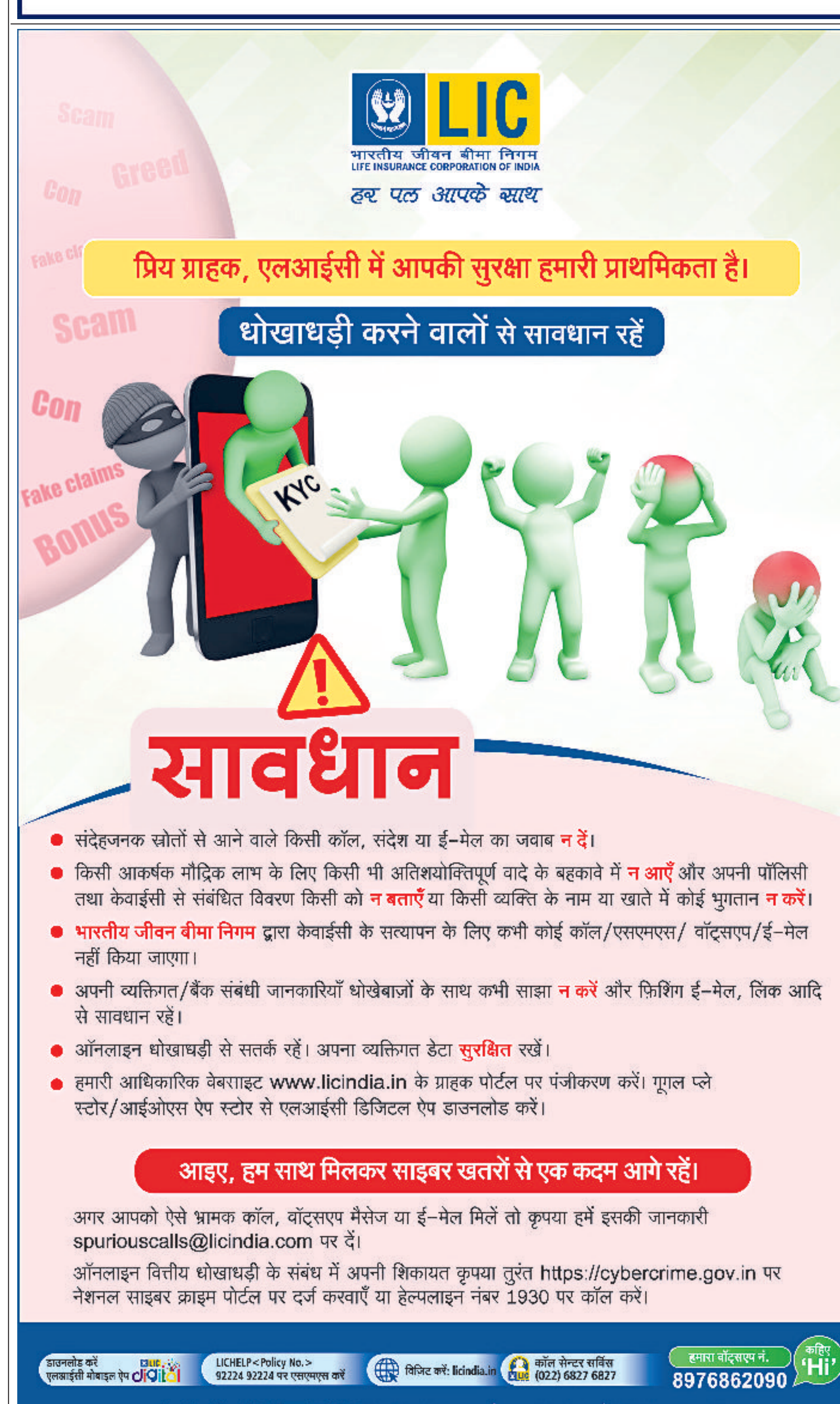

दो हजार 172 अफसरों व जवानों की पासिंग आउट परेड आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस अकादमी झाड़ौदा कलां में दो हजार 172 प्रशिक्षुओं की पासिंग आउट परेड शनिवार को आयोजित की गई। स्पेशल सीपी विवेक गोगिया मुख्य अतिथि के तौर पर समारोह में पहुंचे और परेड की सलामी ली। बैच नं. 24 के तीन दानिप्स प्रोबेशनर अफसर, बैच नं. 55 के 26 पीएसआई (25 पुरुष और 1 महिला), बैच नं. 29 के 34 कांस्टेबल (ड्राइवर), बैच नं. 122 और 123 के 2108 कांस्टेबल (एग्जीक्यूटिव कैडर, 1089 पुरुष और 1019 महिलाएं) और चंडीगढ़ पुलिस बैच नं. 55 के 1 पीएएसआई की ट्रेनिंग पूरी हुई हैं। अब सभी प्रशिक्षु अपनी ट्रेनिंग पूरी कर दिल्ली पुलिस में अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। दिल्ली पुलिस के पीआरओ विभाग की तरफ से जानकारी दी गई कि दानिप्स अफसरों में से एक बीटेक और दो पोस्ट ग्रेजुएट है। 26 पीएसआई में से दो पोस्ट ग्रेजुएट, सात बीटेक और 17 बीए, बीएससी और बीकॉम हैं। कांस्टेबल (ड्राइवर) बैच में सात ग्रेजुएट, तीन पोस्ट ग्रेजुएट और एक बीटेक डिग्री धारक हैं। बैच नं. 122 और 123 के कांस्टेबल में 1162 प्रशिक्षुओं के पास बीए, बीकॉम, बीएससी, बीएड और एलएलबी जैसी डिग्रियां हैं। छह प्रशिक्षु बीटेक डिग्री धारक है। 173 प्रशिक्षु एमए, एमएससी, एमटेक और एमबीए जैसी पोस्ट ग्रेजुएट डिग्रियां रखते हैं। दानिप्स प्रोबेशनर क्षितिज कुमार को 'ऑल राउंड बेस्ट' ट्रॉफी से नवाजा गया। पीएसआई में हिमांशु 'ऑल राउंड बेस्ट' ट्रॉफी के हकदार बनें। कांस्टेबल (ड्राइवर) पंकज कुमार को बैच नं. 29 के लिए 'ऑल राउंड बेस्ट' ट्रॉफी मिली। महिला कांस्टेबल कोमल शर्मा बैच नं. 122 और काजल हुड्डा बैच नं. 123 को 'ऑल राउंड बेस्ट' ट्रॉफी प्राप्त हुई। डीपीए के संयुक्त निदेशक आसिफ मोहम्मद अली, आईपीएस ने सभी अफसरों और जवानों को बधाई दी और उन्हें पेशेवराना अंदाज और ईमानदारी से सेवा करने के प्रति प्रेरित किया। मुख्य अतिथि स्पेशल सीपी, स्पेशल सेल विवेक गोगिया ने सभी जवानों को उनकी ट्रेनिंग पूरी करने पर बधाई देते हुये कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त ज्ञान को अपने अपने कार्य क्षेत्र में अच्छी तरह से लागू करें। उन्होंने कानून प्रवर्तन में नैतिकता, जवाबदेही और आधुनिक तकनीक के उपयोग की महत्ता पर भी बल दिया।

सेंट्रल रेंज, अपराध शाखा की कार्रवाई

सवा आठ करोड़ की ठगी में शामिल भगौड़ा जालसाज किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶नई दिल्ली

अपराध शाखा की सेंट्रल रेंज टीम ने सवा आठ करोड़ की धोखाधड़ी के मामले में भगौड़ा घोषित एक प्राइवेट कंपनी के पूर्व डायरेक्टर को गिरफ्तार किया है। इसके खिलाफ 2016 में ईओडब्ल्यू में केस दर्ज हुआ था। गिरफ्तार शख्स का नाम 39 वर्षीय शाहदरा निवासी आशीष शर्मा है।

डीसीपी विक्रम सिंह के अनुसार पुष्कर एन्क्लेव, पश्चिम विहार निवासी हरविंदर सिंह ढींगरा मई 2015 में गुंजित सिंह, मोहनजीत सिंह, रविंदर रस्तोगी, इरा रस्तोगी, आशीष शर्मा आदि के संपर्क में आए थे। इन सभी व्यक्तियों ने शिकायतकर्ता को वेस्ट पंजाबी बाग की रोड नंबर 63 स्थित 23 नंबर की संपत्ति 12 करोड़ में खरीदने के लिए प्रेरित किया था। 2 जून 2015 के समझौते के दौरान कथित व्यक्तियों द्वारा यह स्थापित किया गया है कि संपत्ति सभी प्रकार की बाधाओं, शुल्कों, ग्रहणाधिकार, बिक्री संपत्ति से मुक्त और सभी प्रकार के बंधक आदि से भी मुक्त है। उनसे सवा आठ करोड़ रुपये आंशिक भुगतान के रूप में लिये गये थे। बाद में पता चला कि उक्त संपत्ति पहले से ही बैंक ऑफ बड़ौदा के साथ-साथ आईडीबीआई बैंक में भी गिरवी रखी है। ढींगरा की शिकायत पर आर्थिक अपराध शाखा ने 13 दिसंबर 2016 को केस पंजीकृत किया गया था। आरोपी आशीष शर्मा जांच में शामिल नहीं हुआ और एफआईआर दर्ज होने के बाद से फरार था। इसलिए न्यायालय द्वारा 6 फरवरी 2019 को उसे भगौड़ा घोषित कर दिया था। क्राइम ब्रांच ने इसे तिलक मार्ग बस स्टॉप के पास से पकड़ा है। आरोपी आशीष शर्मा वर्तमान में नोएडा के सेक्टर-7 स्थित एक प्राइवेट कंपनी में तकनीशियन के पद पर कार्यरत है। जिस समय जालसाजी व ठगी की गई थी तब वह कंपनी का निदेशक हुआ करता था।

कार से महिला को कुचलने वाला पकड़ा

नई दिल्ली। धौला कुआं मेट्रो स्टेशन के पास कार से महिला को टक्कर मारने के बाद फरार होने वाले 39 वर्षीय आरोपी व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी शख्स का नाम गाजियाबाद निवासी राम कुमार दीक्षित बताया गया है। पुलिस ने इसे घटना के 24 घंटे के भीतर पकड़ने का दावा किया है। डीसीपी दक्षिण-पश्चिम सुरेंद्र चौधरी के अनुसार यह दुर्घटना 20 फरवरी को सुबह करीब 2:30 बजे हुई थी। मेट्रो स्टेशन के पास टहल रही महिला को कार से टक्कर मारी गई थी। महिला को घायल हालत में अस्पताल ले जाया गया था, जहां पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। दिल्ली कैंट थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस ने धौला कुआं, दिल्ली कैंट, हरि नगर और तिहाड़ जेल रोड के कई सीसीटीवी फुटेज खंगाले तब कहीं जाकर आरोपी कार की पहचान हो सकी। इसके बाद कार चालक को पकड़ा जा सका।

युवक ने की बहन को परेशान करने पर विक्की टक्कर गिरोह के सदस्य की हत्या

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

दिल्ली के उत्तम नगर इलाके में एक व्यक्ति ने कथित तौर पर अपनी बहन को परेशान करने पर विक्की टक्कर गिरोह के एक सदस्य की हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी सोनू (27) ने धमार उर्फ फिरोज खान के सिर पर कंक्रीट के एक बड़े टुकड़े से हमला कर दिया। घटना की रिपोर्ट 10 फरवरी को शिकायतकर्ता राहुल ने दर्ज कराई थी, जिसने रात 10:45 बजे भूतल से झगड़े की आवाज सुनी थी। अधिकारी ने बताया कि जब राहुल सीढ़ियों के पास पहुंचा तो उसने तीन लड़कों को खान पर हमला करते हुए देखा। पुलिस उपायुक्त (अपराध) सतीश कुमार ने कहा कि जब राहुल ने हस्तक्षेप करने का प्रयास किया, तो हमलावरों में से एक ने उसे धमकाया और दूर रहने की चेतावनी दी। इसके बाद तीनों लड़कों ने खान को सड़क पर खींच लिया, जहां उन्होंने उसे पीटना जारी रखा। बाद में सोनू ने कंक्रीट का एक टुकड़ा लिया और फिरोज खान के सिर पर वार किया, जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। उन्होंने बताया कि हमले के बाद हमलावर मौके से भाग गए। राहुल ने तुरंत पुलिस को फोन किया, जिसके बाद पीड़ित को डीडीयू अस्पताल ले जाया गया। कुमार ने बताया कि खान की इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्होंने कहा कि प्राथमिकी 11 फरवरी को दर्ज की गई। पुलिस ने घटनास्थल और आसपास के इलाकों से सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण किया जिसमें एक संदिग्ध की पहचान सोनू के रूप में हुई। पुलिस ने दिल्ली और गाजियाबाद में कई किलोमीटर के दायरे में लगे 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिए संदिग्ध की पहचान की और गुप्त सूचना के बाद उसे उत्तर प्रदेश के एटा से पकड़ लिया गया। अधिकारी के अनुसार, गिरफ्तार व्यक्ति ने बताया कि मारा गया व्यक्ति उसके पड़ोस में रहने वाला कुख्यात अपराधी था, जो कई चेतावनियों के बावजूद अकसर उसकी बहन को परेशान करता था।

प्रेम नगर के सूर्या मंदिर में पुजारी की आग से मौत

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के प्रेम नगर थाना क्षेत्र में एक मंदिर के पुजारी की आग की चपेट में आकर मौत हो गई। मृतक पुजारी का नाम बनवारी लाल शर्मा (65) निवासी प्रेम नगर बताया गया है। शव पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों के हवाले कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि हीटर के कारण आग लगी थी। पुलिस के अनुसार 22 फरवरी को सूर्य मंदिर, प्रेम नगर में आग लगने की घटना के संबंध में पीसीआर कॉल प्राप्त हुई थी। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड भी मौके पर आई और आग पर काबू पाया गया। अंदर एक व्यक्ति फंसा हुआ मिला। तुरंत उन्हें संजय गांधी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जांच में पता चला कि घटना के वक्त कमरे के अंदर हीटर चल रहा था। जांच के दौरान चार गवाहों के बयान दर्ज किए गए जिनमें मृतक के दो परिवार के सदस्य, फोन करने वाले और एक पड़ोसी शामिल थे। उनमें से किसी ने भी कोई संदेह नहीं जताया। मृतक मंदिर के पंडित थे। धारा 194 बीएनएसएस के तहत आगे की जांच व कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस ने की मादक पदार्थ तस्कर की एक करोड़ 78 लाख रुपये से अधिक की अवैध संपत्ति जब्त

एजेंसी ▶▶नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने बाहरी उत्तरी दिल्ली के भलस्वा डेयरी इलाके में मादक पदार्थों के एक तस्कर से जुड़ी 1.78 करोड़ रुपये की अवैध संपत्ति जब्त की है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी तस्लीमा उर्फ पुट्टी को जून 2024 में 400 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया गया था। अधिकारी ने बताया कि व्यापक जांच के तहत पुलिस को मादक पदार्थों के पैसे के बड़े पैमाने पर लेन-देन का पता चला और तस्लीमा के मादक पदार्थ कारोबार से जुड़ी सात संपत्तियों की पहचान की गई, जिनकी कीमत 1.78 करोड़ रुपये आंकी गई। पुलिस उपायुक्त (बाहरी उत्तर) निधि वलसन ने कहा, ₹इन संपत्तियों को मादक पदार्थों की तस्करी से प्राप्त आय का उपयोग करके खरीदे जाने का संदेह है, जिन्हें एनडीपीएस अधिनियम, 1985 की धारा 68 एफ (1) के तहत जब्त कर लिया गया है। जब्ती के आदेश को अंतिम मंजूरी के लिए वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, लोक नायक भवन, नयी दिल्ली को भेज दिया गया है।

वसंत कुंज में नाले में मिला अपराधी का शव

एजेंसी, नई दिल्ली। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के वसंत कुंज इलाके में 28 वर्षीय व्यक्ति का शव नाले में मिला, जिसका आपराधिक इतिहास था। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान नवनीन के रूप में हुई है, जिसके खिलाफ वसंत विहार पुलिस थाने में कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को एक कॉल प्राप्त हुई जिसमें बताया गया कि एक व्यक्ति जंगल क्षेत्र में मृत पड़ा है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण-पश्चिम) सुरेंद्र चौधरी ने बताया कि एक टीम मौके पर पहुंची और पाया कि शव का ऊपरी हिस्सा कुसुमपुर पहाड़ी के ई-ब्लॉक स्थित नाले में डूबा हुआ था। पुलिस ने बताया कि नवनीन का आपराधिक इतिहास रहा है और वह शराब और नशे का आदी था। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि नवनीन के लापता होने के बाद 16 फरवरी को वसंत विहार थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। उन्होंने कहा कि परिवार के सदस्यों और पड़ोसियों के बयान दर्ज किए गए हैं। अभी तक किसी तरह की गड़बड़ी का सुराग नहीं लगा है। आगे की जांच जारी है।

मुठभेड़ के बाद भाऊ और बवानिया गिरोह के तीन बदमाश दबोचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने रोहिणी इलाके में मुठभेड़ के बाद हिमांशु भाऊ और नीरज बवानिया गिरोह से जुड़े तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनसे अवैध हथियार भी जब्त किये गये हैं। पकड़े गये बदमाशों के नाम अतुल, रोहित और प्रिंस बताये गये हैं।

एडिशनल सीपी संजय भाटिया के अनुसार शुक्रवार को सूचना मिली थी कि तीन बदमाश हत्या के इरादे से बवाना की तरफ जा रहे हैं। तुरंत पुलिस की एक टीम गठित की गई और रोहिणी के दीप विहार स्थित प्रेम आधार अस्पताल के पास जाल बिछाया गया। रात करीब 10:30 बजे पुलिस ने एक मोटरसाइकिल को रोकने का प्रयास किया जिस पर तीन लोग सवार थे। पुलिस को देखते ही बदमाशों ने भागने की कोशिश की, लेकिन वे बाइक से नियंत्रण खो बैठे। उनमें से एक ने पुलिस टीम पर गोली चला दी, जो एक हेड कांस्टेबल की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई करते हुये गोली चलाई, जिससे हमलावर के पैर में चोट लगी, जबकि अन्य दो संदिग्धों को काबू कर लिया गया। इनके पास से एक सेमी ऑटोमेटिक पिस्टल, दो देशी कट्टे, पांच कारतूस और मोटरसाइकिल जब्त की गई है।

हत्या, जबरन वसूली और लूट में रहे शामिल

पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए बदमाशों का लंबा चौड़ा आपराधिक इतिहास है। आरोपी हत्या, जबरन वसूली और हथियार के बल पर लूट की कई वारदातों में शामिल रह चुके हैं। अतुल पर हत्या, जबरन वसूली और आर्म्स एक्ट सहित सात मामले दर्ज पाये गये। जेल में रहते हुए उसने बवाना के एक नेता को जबरन वसूली के लिए फोन भी किए थे। पुलिस के मुताबिक रोहित भारतीय सेना का एक पूर्व सैनिक है, जो बाद में अपराध की दुनिया में उतर गया। वह हत्या, डकैती और चोरी के छह मामलों में शामिल था। पुलिस ने बताया कि प्रिंस अतुल के बहकावे में आकर गिरोह में शामिल हुआ था।

अकबर और हुमायूं रोड के साइनबोर्ड पर कालिख पोती

हरिभूमि न्यूज ▶▶नई दिल्ली

▪ शिवाजी के पोस्टर भी चिपकाए गये

अकबर रोड और हुमायूं रोड पर लगे साइनबोर्ड पर कालिख पोतने का मामला सामने आया है। वहीं साइनबोर्ड पर छत्रपति शिवाजी के पोस्टर चिपका दिए गए।

पुलिस का कहना है कि ऐसा प्रतीत होता है कि हाल में रिलीज हुई विक्की कौशल अभिनीत फिल्म 'छावा' देखने के बाद उत्तेजना व जोश में यह शरारत की गई है। यह मराठा योद्धा राजा छत्रपति संभाजी पर आधारित फिल्म है। शिवाजी के बेटे संभाजी, साम्राज्य के दूसरे राजा थे। कालिख पोतने से संबंधित कई वीडियो अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल भी हो रहे हैं।

पुलिस और नगर निगम अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त बोर्ड को साफ कराया है। अधिकारियों ने जांच शुरू कर दी है और यह कृत्य करने वालों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस तोड़फोड़ को रोकने तथा कानून एवं व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए स्थिति पर नजर रख रही है।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **निपेश, पुत्रः** श्री राम सिंह, **पता :** वेगाबॉण्ड, राम तालाब, अलीपुर, दिल्ली ने मुकदमा **FIR No. 504/2022 U/s 379/411 IPC, थानाः अलीपुर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **निपेश** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **निपेश** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **FIR No. 504/2022 U/s 379/411 IPC, थानाः अलीपुर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **निपेश** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.03.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री रूबी नीरज कुमार
मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी, (उत्तर)
कमरा नं. 115, रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/2146/ON/2025
(Court Matter)

तीन दिवसीय 'पूसा कृषि विज्ञान मेले' का उद्घाटन

विकसित भारत तभी बनेगा, जब कृषि उन्नत होगी: शिवराज सिंह चौहान

हरिभूमि न्यूज ▶▶नई दिल्ली

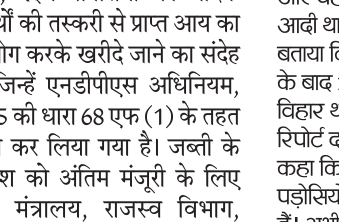

विकसित भारत तभी बनेगा, जब कृषि उन्नत होगी। आज जो नई वेरायटी का प्रदर्शन हुआ है, कोशिश होगी कि जल्दी से जल्दी वो किसान तक पहुंचें। कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और खेती की आत्मा किसान है। नई दिल्ली स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) द्वारा आयोजित तीन दिवसीय 'पूसा कृषि विज्ञान मेला 2025' के उद्घाटन के मौके पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को संबोधित करते हुए यह बातें कही। उन्होंने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प पूरा करने के लिए लगातार कृषि के क्षेत्र में हम कार्य किए जा रहे हैं। मैं मंत्री होने के साथ ही किसान भी हूं। लेकिन मैं ऐसा किसान नहीं हूं कि मंत्री हूं तो साहब बन गया हूं, मैं महीने में दो बार अपने खेत में पहुंचने की कोशिश करता हूं। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक, आईएआरआई के निदेशक डॉ. सी.एच. श्रीनिवास राव, उप महानिदेशक डॉ. डी. के. यादव सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में किसान भाई-बहन, कृषि वैज्ञानिक, कृषि उद्यमी, स्टार्टअप के प्रतिनिधि, खाद्य प्रसंस्करणकर्ता आदि उपस्थित रहे।

कृषि वैज्ञानिक कर रहे हैं दिन-रात परिश्रम

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आज जो फसल किस्में दिखाई हैं, वो अपने आप में बड़ी उपलब्धि है, वैज्ञानिक दिन-रात परिश्रम कर रहे है। अच्छे बीज किसानों तक जल्द से जल्द पहुंचें। विज्ञान और किसान को जोड़ने के लिए हमने लैब टू लैंड प्रयोग शुरू किया है। किसान क्रेडिट कार्ड की सीमा 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये करने से फल-सब्जी के किसानों को भी फायदा मिलेगा। शिवराज सिंह ने कहा कि लगातार एमएसपी पर बढ़ोतरी की गई है, किसानों से मसूर, उड़द, तुअर पूरी खरीदी जाएगी। उन्होंने कहा कि 23 फरवरी को बिहार के दरभंगा में मखाना के किसानों से चर्चा करेंगे।

कृषि मंत्री ने किसानों से मांगे सुझाव

शिवराज सिंह ने किसान भाइयों को आमंत्रित किया कि जो सुझाव हो वो दीजिए, उसे हम वर्कआउट करेंगे। उन्होंने कहा कि विकसित भारत तभी बनेगा, जब कृषि उन्नत होगी। आज जो नई वेरायटी का प्रदर्शन हुआ है, कोशिश होगी कि जल्दी से जल्दी वो किसान तक पहुँचें। उन्होंने कहा कि एक समय था, जब भारत को अमेरिका से पीएल 480 गेहूँ मँगवाकर खाना पड़ता था, जबकि आज भारत कई देशों का पेट भर रहा है। ये हमारे किसानों की मेहनत से हुआ है। ऐसे कई प्रयत्न हमें करने है।

कांग्रेस नेता उदित राज ने मिल रही धमकियों को लेकर पुलिस आयुक्त से की शिकायत

नई दिल्ली। पूर्व सांसद व कांग्रेस नेता उदितराज ने शनिवार को दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा से मिलकर खुद को मिल रही धमकियों के संबंध में शिकायत दी और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की। पूर्व सांसद ने आयुक्त से मुलाकात कर बताया कि मुझे फोन पर जान से मारने की लगातार धमकियां मिल रही हैं। इस संबंध में मैंने 18 फरवरी 2025 को ही शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। बाद में उदित राज ने अपने बयान में बीएसपी सुप्रीमो बहन मायावती और उनकी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बीएसपी पार्टी कार्यकर्ता हैं, जो मुझे फोन कॉल के माध्यम से गालियां दे रहे हैं। मैंने इस मामले में पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा से मिलकर अपनी शिकायत सौंप दी है। उदित राज ने कहा है कि मेरी हत्या पर इनाम तक घोषित किया गया है, इसमें बीएसपी नेताओं का हाथ है। इसलिए मैंने पुलिस आयुक्त से अपनी सुरक्षा के मदद मांगी है। उन्होंने कहा कि मैंने 18 फरवरी 2025 को ही इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। इसलिए आज खुद पुलिस आयुक्त से मिलकर अपनी शिकायत पर कार्रवाई करने की मांग की है। उदित राज ने कहा कि जब भी मैं उत्तर प्रदेश में सक्रिय होता हूं तभी बीएसपी ऐसी ओच्छी हरकत करती है। उदित राज ने बताया कि इस मामले में हमें दिल्ली पुलिस आयुक्त की तरफ से उचित कार्रवाई करने का आश्वासन भी दिया गया है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रणजीत** पुत्र छोटू लाल निवासी पी–4/529, सुल्तानपुरी, दिल्ली ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 27/2015 धारा 379/411 भा.द.स. थाना बेगमपुर, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **रणजीत** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **रणजीत** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 27/2015 धारा 379/411 भा.द.स. थाना बेगमपुर, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **रणजीत** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए 29.04.2025 को हाजिर हो।

आदेशानुसारः सुश्री वसुंधरा छौंकर,
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी, (उत्तर–पश्चिम),
कमरा नं. 101, प्रथम तल,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/2125/RD/2025

एक्शन मोड में दिल्ली सरकार

जनता की परेशानियों को दूर करने के लिए सड़कों पर उतरे मंत्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की नवनिर्वाचित सरकार एक्शन मोड में आ गई है। बीते दो दिनों तक दिल्ली सचिवालय में अपने-अपने विभागों के कामकाज को समझने के बाद शनिवार को दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा, कपिल मिश्रा, डॉ. पंकज सिंह, आशीष सूद ने सड़कों पर उतरे और लोगों को क्या परेशानी हो रही है और उनको किन सुविधाओं की जरूरत है, इसका जायजा लिया। दिल्ली सरकार के पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने शनिवार को दिल्ली में बन रही सड़कों और फ्लाईओवरों का जायजा लिया। मंत्री प्रवेश वर्मा ने भैरो मार्ग से सराय काले खां रिंग रोड के सुदृढ़ीकरण के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के

अधिकारियों को सड़क सुदृढ़ीकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यहां ट्रैफिक जाम की समस्या को देखते हुए क्षेत्र में सुगम यातायात और बुनियादी सुविधाएं लोगों के लिए प्रदान करने की बात कही। प्रवेश वर्मा ने कहा इन कार्यों को पूरा करना उनकी प्राथमिकता है, ताकि हर व्यक्ति को बेहतर जीवन और विकास के अवसर मिल सकें। बोले जनता को जल्द ही अच्छी सड़क सुविधा प्रदान की जाएंगी।

यह हमारा दिल्लीवासियों से वादा है। मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि यहां बारापुला फेज-3 का काम चल रहा है। उन्हें बताया कि इतने समय से काम चल रहा है लेकिन कोई दौरा करने नहीं आया था। पेमेंट की दिक्कत है और वन विभाग से मंजूरी चाहिए। उन्होंने दोनों दिक्कतों को जल्द दूर करने की बात कही। उन्होंने कहा जिसके बाद 12 महीने में पूरा रोड चालू हो जाएगा।

सड़क ऐसी बने जो 10 साल तक चले, बार-बार मरम्मत न करवानी पड़े : वर्मा

पीडब्ल्यूडी मंत्री ने कहा कि अब दिल्ली में ऐसी सड़क बनाए कि 10 साल कम से कम चले ताकि बार-बार मरम्मत नहीं करवानी पड़े। पैसे की कोई कमी नहीं है। सभी राज्यों को केंद्र सरकार की तरफ से पूरा पैसा मिलता है। दिल्ली में भी पूरा मिलेगा। इसके बावजूद अगर हम कोई नया प्रोजेक्ट लेकर आते हैं उसके लिए भी पैसे मिलेंगे। दिल्ली में कई स्थान हैं जहां बारिश में पानी भर जाता है। ऐसा ही एक स्थान है मूलचंद फ्लाईओवर के नीचे, जहां पानी भराव की शिकायत हमेशा मिलती थी। उन्होंने अधिकारियों से कहा है कि दिल्ली में जहां भी पानी भरता है बारिश के मौसम से पहले काम होना चाहिए। पानी निकासी की व्यवस्था होनी चाहिए।

कपिल मिश्रा ने किया खजूरी चौक का दौरा

दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने पूर्वी दिल्ली के खजूरी चौक का दौरा किया। यहां ट्रैफिक जाम की समस्या को लेकर अधिकारियों से बात की। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सभी जगह सड़कें टूटी हुई हैं। पूरा मंत्रिमंडल सड़कों पर है। सीएम का आदेश है कि सभी अधिकारियों को 24 घंटे काम करना पड़ेगा। सड़कें और पानी सीवर की समस्या को सही करना पड़ेगा। केजरीवाल की काम न करने की संस्कृति खत्म हो गई है। मोदी जी के वर्क कल्चर के मुताबिक सभी अधिकारियों को बदलाव करना पड़ेगा।

मुलाकात...

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली। दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उनके आवास पर मुलाकात की। यह पदभार संभालने के बाद उनकी प्रधानमंत्री के साथ पहली औपचारिक मुलाकात थी। सीएम रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की तस्वीर को पोस्ट करते हुए लिखा कि शनिवार को प्रधानमंत्री आवास में प्रधानमंत्री से शिष्टाचार भेंट की। आपके मार्गदर्शन और नेतृत्व में भाजपा की डबल इंजन सरकार लोक कल्याण और सुशासन के पथ पर चलते हुए दिल्लीवासियों के सपनों को एक विकसित दिल्ली में बदलने को प्रतिबद्ध है।

एमसीडी ने 'स्वच्छ विद्यालय, स्वस्थ विद्यार्थी अभियान' किया शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के रोहिणी जोन के शिक्षा विभाग ने स्कूली छात्रों में स्वास्थ्य और स्वच्छता के स्तर को बढ़ाने के लिए 'स्वच्छ विद्यालय, स्वस्थ विद्यार्थी अभियान' शुरू किया है। यह पहल सभी विद्यालय प्रमुखों की उपस्थिति में लॉन्च की गई, जिसका उद्देश्य स्कूलों में स्वच्छता को व्यवस्थित रूप से सुधारना और छात्रों के बीच बेहतर स्वच्छता प्रथाओं को बढ़ावा देना है। निगम प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस अभियान के तहत, एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की गई है, जिसमें तीन-स्तरीय मूल्यांकन प्रक्रिया शामिल है ताकि अभियान का सही तरीके से संचालन सुनिश्चित किया जा सके। इस पहल के तहत हर महीने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले तीन विद्यालयों को पुरस्कृत किया जाएगा, जो स्वच्छता, सफाई और संपूर्ण विद्यालय पर्यावरण को बनाए रखने में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। अभियान के शुभारंभ पर जोन के उपायुक्त दिलखुश मीणा ने कहा कि छात्रों के स्वास्थ्य और उनकी शैक्षणिक सफलता के लिए एक स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण अत्यंत आवश्यक है। यह अभियान न केवल छात्रों में स्वच्छता की आदतें विकसित करेगा, बल्कि एक अधिक अनुकूल शिक्षण वातावरण भी तैयार करेगा।

एलजी ने द्वारका में किया दो दिवसीय पलाश फ्लावर शो का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा आयोजित दो दिवसीय पलाश फ्लावर शो का शुभारंभ किया। इस मौके पर एलजी के अलावा डीडीए उपाध्यक्ष विजय कुमार सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। इस अवसर पर एलजी ने पुष्प महोत्सव का दौरा किया और महोत्सव को व्यापक पैमाने पर आयोजित करने के लिए डीडीए के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि सरकार राष्ट्रीय राजधानी के सौंदर्य को बढ़ाने के लिए मिशन मोड में काम करेगी। एलजी ने कहा कि बांसेरा, असिता और यमुना वाटिका जैसे मनोरंजक सार्वजनिक हरित क्षेत्र बनाने के अलावा पूरी राजधानी में ट्यूलिप के विशाल रोपण ने शहर की सुन्दरता में महत्वपूर्ण वृद्धि की, साथ ही लोगों से भी इसकी भरपूर सराहना और प्रशंसा मिली। इस बारे में डीडीए ने बताया कि शनिवार को द्वारका के गोल्फ कोर्स रोड स्थित सेक्टर 16-डी पार्क डीडीए ग्रीन में आयोजित हुए दो दिवसीय फ्लावर शो में फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लोग भारी संख्या में शो में पहुंचे और सराहना की। डीडीए ने बताया कि अगला तीन दिवसीय पलाश फ्लावर शो यमुनापार मयूर विहार में होगा। डीडीए वर्ष 2023 से हर साल अपने हरित क्षेत्रों में पुष्प महोत्सव का आयोजन करता आ रहा है।

खबर संक्षेप

आतिशी ने पत्र लिखकर दिल्ली की मुख्यमंत्री से मिलने का मांगा समय

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) की नेता आतिशी ने विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा किए गए महिलाओं को 2,500 रुपये मासिक सहायता देने के वादे पर चर्चा के लिए आम आदमी पार्टी (आप) विधायकों की दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ बैठक के लिए समय मांगा है। आतिशी ने शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को लिखे पत्र में कहा कि महिलाओं को वित्तीय सहायता देने की योजना को नई सरकार की पहली कैबिनेट बैठक में मंजूरी क्यों नहीं दी गई, जबकि भाजपा नेताओं ने चुनावी रैलियों में इसका वादा किया था। उन्होंने सीएम रेखा गुप्ता से अनुरोध किया है कि आप विधायक दल को मिलने का दें, ताकि इस मुद्दे पर ठोस कार्यवाही को लेकर हम आपके समक्ष अपनी बात रख सकें।

दिल्ली में दो दिन बारिश, तेज हवाओं की संभावना

नई दिल्ली। जल्द ही एक नया पश्चिमी विक्षोभ 25 फरवरी से उत्तर पश्चिमी भारत में दस्तक देने जा रहा है। जिसका असर दिल्ली सहित एनसीआर क्षेत्रों में बारिश व तेज हवाओं के रूप में दिखाई देने की संभावना बन रही है। नया पश्चिमी विक्षोभ 25-28 फरवरी के बीच पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में होगा। इस संबंध में प्रादेशिक मौसम विभाग दिल्ली (आईएमडी) के मुताबिक, दिल्ली में 23 से लेकर 26 फरवरी के दौरान सुबह के वक्त धुंध छाने की संभावना है।

दिल्ली विधानसभा का सत्र सोमवार से, 70 नवनिर्वाचित विधायक लेंगे शपथ

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नवनिर्वाचित विधायकों को प्रोटेम स्पीकर अरविंदर सिंह लवली शपथ दिलाएंगे, तीन दिवसीय सत्र के पहले दिन होगा विधानसभा अध्यक्ष-उपाध्यक्ष का चुनाव

दिल्ली की आठवीं विधानसभा का पहला तीन दिन का सत्र 24 फरवरी से शुरू होगा। इस सत्र में सभी 70 नवनिर्वाचित विधायक शपथ लेंगे, जबकि पांच साल से लंबित कैग की 14 रिपोर्ट भी पेश की जाएंगी। कथित शराब घोटाले पर भी रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी जाएगी। तीन दिवसीय सत्र में पहले दिन विधानसभा अध्यक्ष-उपाध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा।

24 फरवरी को सुबह 11 बजे नई विधानसभा का पहला सत्र शुरू होगा। इस दौरान नवनिर्वाचित विधायकों को प्रोटेम स्पीकर अरविंदर सिंह लवली शपथ दिलाएंगे। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश पर लवली को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया है। जब तक विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव नहीं हो जाता, वह प्रोटेम स्पीकर के तौर पर जिम्मेदारी संभालेंगे। 24 फरवरी को दोपहर 2 बजे विधानसभा अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा। विधानसभा के दूसरे दिन 25 फरवरी को सत्र में उपराज्यपाल वीके सक्सेना का अभिभाषण होगा। इसके बाद विधानसभा के पटल पर सीएजी रिपोर्ट रखी जाएगी। एलजी के अभिभाषण पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता धन्यवाद प्रस्ताव पेश करेंगी। 27 फरवरी को सदन में उपराज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा की जाएगी। इसके बाद विधानसभा के उपाध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा। बता दें कि जो सदस्य 24 फरवरी को शपथ लेने में असमर्थ हैं, वे बाद में विधानसभा की किसी भी बैठक में सचिव को सुबह 11 बजे तक तक सूचना देकर शपथ ले सकेंगे। इसके अलावा तय तिथि के अनुसार ही विधानसभा की बैठकें चलेंगी, जब तक कि विधानसभा अध्यक्ष अन्य कोई निर्देश न दें।

गौरतलब है कि आठवीं विधानसभा के पहले सत्र में 25 फरवरी को दिल्ली की भाजपा सरकार सीएजी रिपोर्ट पेश कर अपने उस वादे को पूरा करेगी, जो दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने किया था। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान विपक्ष में बैठी भाजपा ने मांग की थी कि सीएजी रिपोर्ट को पेश किया जाए। लेकिन, रिपोर्ट पेश नहीं की गई थी।

विधायकों के शपथ ग्रहण के बाद होगी नेता विपक्ष की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष की घोषणा को लेकर आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने कहा कि अभी नवनिर्वाचित सरकार ने शपथ ली हैं। 24 फरवरी को सभी विधायक विधानसभा में सदन के अंदर शपथ लेंगे। विधायकों के शपथ लेने के तुरंत बाद आम आदमी पार्टी अपने नेता विपक्ष के नाम की घोषणा कर देगी।

सभी विंग को किया जाएगा मजबूत : राय

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में सभी फ्रंटल संगठनों के प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद बताया कि

सभी फ्रंटल संगठनों का पुनर्गठन कर उनको और मजबूत करने का निर्णय लिया गया है। पार्टी ने दिल्ली चुनाव में संगठन के पदाधिकारियों की क्या भूमिका रही है, उसका मूल्यांकन करने के लिए सभी का ऑडिट कराने का फैसला लिया है। यह ऑडिट अगले एक सप्ताह में पूरा कर लिया जाएगा।

चार हजार मेगावाट से भी नीचे लुढ़की बिजली की मांग

नई दिल्ली। मौसम की मेहरबानी के चलते दिल्ली में शनिवार को बिजली की अधिकतम मांग का रिकॉर्ड लुढ़ककर चार हजार मेगावाट से भी नीचे ही रहा। जबकि लंबे समय से बिजली खपत का आंकड़ा 4000-4300 मेगावाट के बीच ही दर्ज हो रहा है। जबकि स्टेट लोड डिस्पैच सेंटर दिल्ली (एसएलडीसी) पर दर्ज आंकड़ों के अनुसार शनिवार 22 फरवरी 2025 अधिकतम बिजली मांग का ग्राफ 3958 मेगावाट दर्ज हुआ। जबकि ठीक एक दिन पहले यानी 21 फरवरी 2025 को बिजली मांग का आंकड़ा 4245 मेगावाट दर्ज हुआ था। आंकड़ों के अनुसार एक दिन में 287 मेगावाट की कमी दर्ज हुई है।

10 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को शिक्षा मंत्री ने प्रदान किए मेडल

दिल्ली को दुनिया का नॉलेज हब बनाने का लें संकल्प : धर्मेंद्र प्रधान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आगामी दिनों में दिल्ली को दुनिया का नॉलेज हब बनाने का संकल्प लें। दिल्ली विश्वविद्यालय के 101 वें दीक्षांत समारोह में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बतौर मुख्य अतिथि विद्यार्थियों, शिक्षकों को संबोधित करते हुए यह आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने दिल्ली विश्वविद्यालय को इसका नेतृत्व लेने का भी आह्वान किया। इस दौरान धर्मेन्द्र प्रधान ने अपने हाथों से टैब पर क्लिक करके 1 लाख 66 हजार 494 विद्यार्थियों को डिजिटल डिग्री प्रदान की। इसके साथ ही शिक्षा मंत्री ने 10 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को अपने हाथों से मेडल प्रदान किए। दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने डिग्री लेने वाले विद्यार्थियों को कहा कि परिश्रम

असंभव लगने वाले कार्यों को भी संभव बना देता है। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने समारोह की अध्यक्षता करते हुए शिक्षा मंत्री का स्वागत किया। उन्होंने विश्वविद्यालय के 102 वर्षों की गौरवशाली यात्रा का विस्तृत विवरण भी प्रस्तुत किया। कुलपति ने डिग्रियों, पुरस्कारों एवं मेडलों के आंकड़े प्रस्तुत किए। उन्होंने दीक्षांत समारोह में भाग लेने वाले विद्यार्थियों से कहा कि पेड़ जितना ऊंचा होता है, उसकी जड़ें भी उतनी गहरी होनी चाहियें, नहीं तो एक ही आँधी में वह गिर जाएगा। इसलिए आपको भी ऊंचे और गहरी जड़ों वाले पेड़ बनना है। इस अवसर पर डीन ऑफ कॉलेजेज़ प्रो. बलराम पाणी, दक्षिणी परिसर के निदेशक प्रो. श्री प्रकाश सिंह, एसओएल की निदेशक प्रो. पायल मागो, रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता और परीक्षा नियंत्रक प्रो. गुरप्रीत सिंह टूटेजा सहित सभी डीन, विभागाध्यक्ष, शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी और हजारों विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

623 को मिली पीएचडी की डिग्री

दिल्ली विश्वविद्यालय के 101 वें दीक्षांत समारोह में 316 पुरुष और 307 महिला विद्यार्थियों को मिलाकर कुल 623 विद्यार्थियों को पीएचडी की डिग्री प्रदान की गई। इनके अलावा डीयू के रेगुलर विद्यार्थियों और एनसीडबल्यूईबी के विद्यार्थियों को मिलाकर कुल 83 हजार 902 विद्यार्थियों को डिग्रियां प्रदान की गई जिनमें से 77 हजार 227 स्नातक, 6646 स्नातकोत्तर और 29 पांच वर्षीय प्रोग्रामों के विद्यार्थी शामिल हैं। दीक्षांत समारोह के दौरान कुल 194 गोल्ड एवं सिल्वर मेडल तथा पुरस्कार भी प्रदान किए गए। यूजी और पीजी के विद्यार्थियों को कुल 159 गोल्ड मेडल एवं एक सिल्वर मेडल प्रदान किए गए। इसी तरह यूजी और पीजी के विद्यार्थियों को कुल 34 पुरस्कार भी प्रदान किए गए। इनके अलावा एसओएल के 82592 विद्यार्थियों को भी डिग्रियां प्रदान की गई जिनमें से 79742 स्नातक और 2850 स्नातकोत्तर के विद्यार्थी हैं।

जनजातीय उद्यमिता, शिल्प, संस्कृति, व्यंजन और वाणिज्य का उत्सव

आदि महोत्सव

16 से 24 फरवरी, 2025 तक सुबह 11:00 बजे से रात 8:00 बजे तक

मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम, नई दिल्ली

मुख्य आकर्षण

- राज्य मंडप: देशव्यापी जनजातीय कारीगरों के हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों की बिक्री सह-प्रदर्शनी
- जनजातीय हाट: जनजातीय प्राकृतिक एवं जैविक उत्पादों का प्रदर्शन
- आदि चित्रा: जनजातीय चित्रकारी की प्रदर्शनी
- पी.वी.टी.जी. उत्पाद: पी.वी.टी.जी. समूह द्वारा उत्पादित विभिन्न वन उत्पाद/वनोपज
- स्वदेशी जनजातीय व्यंजन: देशव्यापी स्वदेशी जनजातीय व्यंजन

क्यूआर कोड स्कैन करें और ट्राइब्स इंडिया गिफ्ट वाउचर पाएँ

प्रवेश नि:शुल्क
गेट नं. 3, 5 एवं 7 से प्रवेश

"आदि महोत्सव विविधता में एकता के हमारे सामर्थ्य को नयी ऊँचाई दे रहा है। आदिवासी समाज को लेकर आज देश, जिस गौरव के साथ आगे बढ़ रहा है, वैसा पहले कभी नहीं हुआ।"
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

आदि महोत्सव में आएं और 'वोकल फॉर लोकल' मुहिम को आगे बढ़ाएं
#AadiMahotsav #Vocal4Local #BuyTribal | हम से जुड़ें @tribesindia

CBC 43104/15/0030/2425

खबर संक्षेप

देसी कट्टे सहित आरोपी पकड़ाया

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर 56 की टीम ने देसी कट्टे सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अपराध शाखा सेक्टर 56 की टीम मुजेसर एरिया में गस्त पर थी। अपराध शाखा टीम को अपने गुप्त सूत्रों से सेक्टर 22 मच्छी मार्किट मोड़ नियर हनुमान मंदिर फरीदाबाद के पास देसी कट्टा होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा टीम ने एक व्यक्ति को काबू किया।

देसी पिस्टल व 2 कारतूस सहित आरोपी को दबोचा

फरीदाबाद। अपराध शाखा बदरपुर बॉर्डर की टीम ने देसी पिस्तौल व 2 कारतूस सहित

आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि अपराध शाखा बदरपुर बॉर्डर टीम 21 फरवरी को पल्ला क्षेत्र में गस्त पर थी। गस्त के दौरान अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा टीम ने श्री राम गार्डन के पास वेदराम कालोनी शनि बाजार से एक व्यक्ति को काबू किया।

मेले में गुम 4 वर्षीय बच्चे को परिजनों से मिलाया

फरीदाबाद। सुरजकुंड मेले में पुलिस द्वारा ड्यूटी के साथ-साथ अन्य सराहनीय कार्य भी किए जा

रहे हैं इसी क्रम में मेले में लावारिस अवस्था में मिले 4 वर्षीय बच्चे को परिजनों की तलाश कर परिजनों के हवाले करने का सराहनीय कार्य किया है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि एनआईटी-3 नंबर से सुरजकुंड मेला में एक परिवार अपने बच्चों के साथ घूमने के लिए आया था। पुलिस टीम अनोज कुमार व अमन को लावारिस अवस्था में मिला। मेला पुलिस टीम ने काफी मशक्कत के बाद नाबालिग के परिजनों की तलाश की।

नगर निगम चुनाव में अपनी हार स्वीकार कर चुकी कांग्रेस: राज्यमंत्री गुर्जर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पूरे हरियाणा प्रदेश में शहरी निकाय चुनाव में लोकसभा और विधानसभा की तरह परचम लहराएगी। फरीदाबाद में तो भारतीय जनता पार्टी की मेयर उम्मीदवार प्रवीण जोशी बत्रा देश में महापौर की जीत का रिकॉर्ड बनाने जा रही हैं। फरीदाबाद नगर निगम की सभी 46 सीटों पर जनता कमल खिलाएगी।

किसी दूसरी पार्टी का फरीदाबाद में खाता भी नहीं खुलेगा। जनता ने फैसला सुना दिया है, रिजल्ट आना बाकी है। भाजपा को फरीदाबाद के हर मतदाता पर पूर्ण भरोसा है। जन आशीर्वाद से हरियाणा में भी जीत का रिकॉर्ड बनाएंगे। यह बात उन्होंने स्थानीय सेक्टर-11 में भाजपा मेयर चुनाव कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कही। केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने तो तो इस चुनाव में भी अपनी बेइज्जती करवाने की ठान ली है।

मंत्री ने कहा- फरीदाबाद भाजपा उम्मीदवार पूरे देश में रिकार्ड बनाएंगे

कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में बहुत बेइज्जती करवाई, विधानसभा चुनाव में शर्मशार होना पड़ा और इस निकाय चुनाव में भी उनकी फजीहत होने जा रही है। कांग्रेस को तो बेइज्जती करवाने का शौक है। कांग्रेस के नेता पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो रहे हैं। सीएम, मंत्री, विधायक और संगठन के नेताओं ने अपने मेयर, चेयरमैन एवं पार्षद प्रत्याशियों के नामांकन दाखिल करवाए और लगातार जनसभाएं, रोड शो आदि कर उनके लिए प्रचार कर रहे हैं।

मेयर और पार्षद के लिए दो अलग-अलग ईवीएम में वोट देना है

गुर्जर ने प्रेसवार्ता के माध्यम से जनता से अपील करते हुए कहा कि इस बार मेयर का चुनाव डायरेक्ट है, मेयर और पार्षद के लिए दो अलग-अलग ईवीएम लगाई जाएंगी और दोनों में वोट डाली जाएगी। एक ईवीएम में मेयर को वोट डालेंगे और दुसरे में पार्षद की वोट डाली जाएगी। इसलिए बहुत ही सावधानी के साथ दोनों ईवीएम में जनता 2 अलग-अलग वोट करें।

यह लोग उपस्थित रहे

प्रेस वार्ता में हरियाणा सरकार में राजस्व एवं शहरी निकाय मंत्री विपुल गोयल, खाद्य मंत्री राजेश नागर, मेयर प्रत्याशी प्रवीण बत्रा जोशी, विधायक धनेश अदलक्खा, विधायक सतीश फागना, पूर्व शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा, राष्ट्रीय परिषद सदस्य संदीप जोशी, जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा, जिला प्रभारी नरेन्द्र वत्स, अनुशासन समिति की प्रदेश अध्यक्ष नीरा तोमर, पूर्व विधायक टेकचन्द शर्मा, नरेन्द्र गुप्ता, दीपक मंगला, चन्दर भाटिया, पूर्व जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, जिला मीडिया प्रभारी विनोद गुप्ता, मीडिया सह प्रभारी राज मदान, पूर्व जिला महामंत्री मूलचंद मित्तल, आर.एन. सिंह आदि उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक संध्या में पंजाबी गायक जसबीर जस्सी ने सूरजकुंड मेला में जमाया रंग

कोका तेरा कुछ-कुछ कहंदा.. नी कोका.. गाने पर खूब थिरके देशी-विदेशी पर्यटक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

38वें अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला में शुक्रवार की शाम को महा स्टेज से कोका तेरा कुछ-कुछ कहंदा... नी कोका दिल ले गई कुड़ी गुजरात दी, लोंग दा लश्कारा, चन्ना वे घर आ जा वे... जैसे मस्ती भरे पंजाबी गीतों से गायक जसबीर जस्सी ने सूरजकुंड मेला परिसर खूब रंग जमाया। कला एवं सांस्कृतिक विभाग और पर्यटन निगम हरियाणा के संयुक्त तत्वावधान में मेला परिसर की महा स्टेज पर आयोजित सांस्कृतिक संध्या में पंजाबी गीतों पर देर रात तक दर्शक झूमते रहे। कलाकारों के उत्साहवर्धन के लिए मेला प्राधिकरण की वाइस चेयरपर्सन एवं पर्यटन निगम की प्रधान सचिव कला रामचंद्रन, एमडी डॉ. सुनील कुमार व जीएम आशुतोष राजन सांस्कृतिक कार्यक्रम में पहुंचे और दुनिया भर से आए पर्यटकों का अभिनंदन किया। सांस्कृतिक मंच से अपनी प्रस्तुति देते हुए सुप्रसिद्घ पंजाबी गायक जसबीर जस्सी ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और पर्यटन

मंत्री डा. अरविंद कुमार शर्मा सहित मेला प्राधिकरण की पूरी टीम का सूरजकुंड मेला में आमंत्रित करने पर आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि विश्व विख्यात सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला शिल्प के साथ-साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए भी पहचान बनता जा रहा है। जस्सी ने बाल्यकाल में संस्कारों पर जोर देते हुए सूफीयाना गायकी से अपनी शुरुआत की। बुल्ले शाह के कलाम तेरे इश्क नचाया कर थैया.थैया, आओ नी सैंयो रल दे ओ नी बधाई, ते मैं वर पाया रांझण माही, अमीर खुसरो के छाप तिलक सब छीनी रे मो से नैना मिलाई के...से धमकेदार शुरूआत करते हुए जस्सी ने पंजाबी गीतों से दर्शकों का ऐसा मनोरंजन किया कि दर्शक अपने आपको झूमने से रोक नहीं पाए। उनके द्वारा गाए चन्नु दा जवानी विच पैर पै गया...ए बल्ले-बल्ले नी टोर पंजाबन दी, एक गेड़ा गिद्दे विच होर नीडिऐ, मैं जट यमला पगला दीवाना आदि गीतों से मेला परिसर झूम उठा। जसबीर जस्सी ने हिंदी और हरियाणवी गीतों से भी दर्शकों का मनोरंजन किया। इस अवसर पर पर्यटन निगम के एजीएम हरविंद्र सिंह, एजीएम राजपाल सिंह सहित अन्य अधिकारीगण और काफी संख्या में दर्शकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद लिया।

सूरजकुंड में शिल्प मेला: दुर्लभ कलाकृतियों से रूबरू हो रहे पर्यटक

हरियाणा की प्राचीन धरोहर से जुड़ी दुर्लभ कलाकृतियों के संरक्षण और प्रदर्शन के लिए 38वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला परिसर में लगाई गई प्रदर्शनी पर्यटकों विशेषकर स्कूली विद्यार्थियों के लिए न केवल ज्ञानवर्धक जानकारी का अनमोल खजाना है, साथ ही मेला में आने वाले दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। मेला में आने वाला प्रत्येक पर्यटक पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग की स्टाल का अवलोकन कर रहा है। ऐतिहासिक धरोहर और खुदाई के दौरान मिली प्राचीन दुर्लभ कलाकृतियों के संरक्षण को लेकर विभाग सजगता के साथ कार्य कर रहा है। विभाग द्वारा पर विशेष रूप से एक दर्जन से ज्यादा प्राचीन मूर्तियों की रेप्लिका प्रदर्शित की गई है। यह प्रदर्शनी हर पर्यटक के लिए ऐतिहासिक जानकारी प्रदान करने का बेहतर प्लेटफार्म बनी हुई है। प्रदर्शनी में विभाग के अधिकारी व कर्मचारी आगंतुकों को प्राचीन मूर्तियों, अवशेषों की बारीकी से जानकारी प्रदान कर रहे हैं। इन प्रदर्शनी में विशेषकर झज्जर और बेरी क्षेत्र में निकली कई प्राचीन मूर्तियों की रेप्लिका जैसे की हरिहर की मूर्ति, उमा माहेश्वर भगवान, गौतम बुद्ध भगवान की प्रतिमा बरबस की पर्यटकों का ध्यान अपनी ओर खींच रही हैं। पुरातत्व विभाग द्वारा स्थापित इस स्टाल में बेरी में निकली नौंवी सदी में निकली उमा माहेश्वर और दसवी व 11 वीं सदी की हरिहर की मूर्ति और झज्जर में निकली भगवान गौतम बुद्ध की मूर्ति शामिल हैं। प्रदर्शनी में मूर्तियों के अलावा सोविनियर के अंतर्गत माउस पैड, एनवलप, मग, पेपर वेट, फ्रिज मेगनेट, की-चैन भी प्रदर्शित किए गए हैं, जोकि पर्यटकों के लिए बिक्री के लिए उपलब्ध हैं। साथ ही पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग द्वारा पोस्टर व किताबों के माध्यम से भी पर्यटकों के लिए ज्ञानवर्धक जानकारी प्रदान की जा रही है।

मेला परिसर में पर्यटकों को खूब लुभा रहे कुर्सीनुमा झूले

38वें सूरजकुंड अंतरराष्ट्रीय शिल्प मेला में शिल्पकारों द्वारा तैयार किए विभिन्न प्रकार के सामान की पर्यटक खूब खरीदारी कर रहे हैं। मेला परिसर शिल्प महाकुंभ के रूप में सजा है और देश-विदेश के शिल्पकारों की स्टॉल्स पर एक से एक बेहतरीन और आकर्षक उत्पाद उपलब्ध हैं। इन्हीं उत्पादों में से कुछ स्टॉल पर कुर्सीनुमा झूले भी लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं। मेला परिसर में पश्चिम बंगाल से आए स्टॉल संचालक सम्राट ने बताया कि कुर्सीनुमा झूले अलग-अलग आकार और डिजाइन में तैयार किए गए हैं। पर्यटक इन झूलों को आंगन, पार्क या बालकनी में लगाकर अपने घर की शोभा बढ़ा सकते हैं। अलग-अलग आकार और डिजाइन के झूलों को लकड़ी और सूत की रस्सी से तैयार किया जाता है। ये झूले काफी आरामदायक होने के साथ-साथ गिरने का डर भी नहीं रहता है। मेले में काफी संख्या में ये झूले खरीदने के लिए पर्यटक आ रहे हैं।

टाउन वेंडिंग कमेटी को लेकर आयुक्त ने की वर्चुअल बैठक

साप्ताहिक बाजारों को शीघ्र व्यवस्थित करने के लिए बनाई कार्य योजना की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने शनिवार को सभी जोनल प्रभारी के साथ टाउन वेंडिंग कमेटी को लेकर वर्चुअल बैठक की। बैठक में नई टाउन वेंडिंग कमेटी के गठन को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की। उन्होंने दो दिन के भीतर जोनल प्रभारियों से नवनिर्वाचित टाउन वेंडिंग सदस्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा । इसके अलावा ऐसे स्थान जहां पर बाजारों को लगाया जा सकता है। चिन्हित करते हुए रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। साप्ताहिक बाजारों को शीघ्र व्यवस्थित करने के लिए कार्य योजना भी बनाई गई। शनिवार तेजी से समस्त कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार यादव तथा अवनींद्र कुमार भी उपस्थित रहे।

नगर आयुक्त ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा शासन के दिए गए निर्देश के क्रम में सभी बाजारों के लिए पीली पट्टी की सीमा रेखा खींची गई जिसके क्रम में बाजार पूर्व की भांति लग रहे हैं। कार्यवाही को आगे बढ़ते हुए सभी जो जोनल प्रभारी व अन्य टीम कार्य कर रही है जिनका फीडबैक लिया गया पथ विक्रेताओं के रजिस्ट्रेशन की तैयारी भी ज़ोन वार हो चुकी है।

जीडीए ने ड्रा से किया ईडब्ल्यूएस व अन्य एलआईजी भवनों का आवंटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के माध्यम से निजी विकासकर्ताओं द्वारा निर्मित ई डब्ल्यू एस एवं भवनों भवनों का आवंटन शनिवार को लॉटरी ड्रा से किया गया। अपर आयुक्त पीके सिंह ने बताया कि इस ड्रा में शुभहोम्स रियलकॉन प्रा लि द्वारा निर्मित ईडब्ल्यूएस श्रेणी के भवनों हेतु कुल प्राप्त 63 आवेदन पत्रों के सापेक्ष 62 पात्र आवेदकों के मध्य 31 भवनों तथा एलआईजी श्रेणी के भवनों हेतु कुल 99

आवेदन पत्रों के सापेक्ष 96 पात्र आवेदकों के मध्य 61 भवनों का आवंटन किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (वित्त/राजस्व) एवं नगर आयुक्त के प्रतिनिधि, विकासकर्ता के प्रतिनिधि, प्रभारी कंप्यूटर, प्राधिकरण के कर्मचारी तथा आवेदक उपस्थित रहे।

पूछताछ में हुआ खुलासा

बंद पेट्रोल पंप की मशीन को चालू कर पेट्रोल व डीजल लूटकर ले जाने वाला बदमाश गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

थाना मसूरी क्षेत्र में बैंड पेट्रोल पंप को चालू कर पेट्रोल में डीजल चौराहा कर ले जाने वाले बदमाशों में से पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी और में पेट्रोल पंप का सेल्समैन रहा है।

आरोपी के कब्जे से डीजल व पेट्रोल का ड्रम बरामद किया है। डीसीपी ग्रामीण एसएन तिवारी ने बताया कि अरुण चौहान (मैनेजर इण्डियन पैट्रोल पंप हवा हवाई मसूरी) ने तहरीर में बताया कि 21 फरवरी की रात्रि में करीब 01.40 बजे तीन व्यक्ति कार से आए और पेट्रोल पंप की मशीन स्टार्ट करके वहाँ से डीजल व पैट्रोल भरकर ले गए व ऑफिस में मौजूद कर्मचारी के साथ मारपीट कर तथा ऑफिस में सीसीटीवी स्क्रीन तोड़-फोड़कर ऑटोमेशन स्क्रीन लेकर चले गए। जिसके खुलासे के लिये टीमों का गठन किया गया। पूछताछ करने पर पकड़े गए सुमित कुमार निवासी सलारपुर सरीफाबाद थाना

बहादुरगढ़ जनपद हापुड़ ने बताया कि मैं बारहवीं तक पढ़ा लिखा हूं तथा पिछले करीब 10 वर्ष से अलग-अलग पेट्रोल पंपों पर सेल्समैन का कार्य करता हूँ। करीब ढाई महीने पहले मैने हवा-हवाई स्थिति इंडियन पेट्रोल पंप पर सेल्समैनी का काम किया था। वहाँ पर मेरे पड़ोस के गांव के रजत निवासी ग्राम पलवाड़ा थाना बहादुरगढ़ जनपद हापुड़ व विकास चौहान पुत्र चमन सिंह निवासी दौलतपुर थाना नरसैना जनपद बुलन्दशहर भी मेरे साथ में इंडियन पेट्रोल पंप हवा-हवाई पर सेल्समैन का कार्य करते थे।

ढाई महीने काम करने के बाद सैलरी टाइम से न मिलने के कारण मैने हवा-हवाई इंडियन पेट्रोल पंप से काम छोड़ दिया था तथा सैलरी समय से ना मिलने के कारण कुछ समय बाद ही विकास व रजत ने भी वहाँ से काम छोड़ दिया था। वर्तमान मैं इंडियन ट्रोल पंप हापुड़ गाजियाबाद रोड पर सेल्समैन का काम करता हूं। हम तीनों को कई बार कहने के बाद भी सैलरी के बचे पैसे इंडियन पेट्रोल पंप हवा-हवाई मसूरी से नहीं मिल पाए थे। इसी कारण हमने इस घटना को अंजाम दिया।

आरोपी महिला के कब्जे से आपत्तिजनक सामग्री बरामद

गाजियाबाद में सैक्स रैकेट का पर्दाफाश, रेस्क्यू की 3 महिलाएं, संचालिका समेत तीन पकड़ाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

मानव कौशांबी पुलिस ने शनिवार को वैशाली सेक्टर 5 के एक मकान में छापा मारकर सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ क्या है। पुलिस ने इस धंधे में शामिल तीन महिलाओं का रेस्क्यू भी किया है। साथ एक ग्राहक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। खास बात यह है कि इस रैकेट का संचालन एक महिला कर रही थी।

आरोपी महिला के कब्जे से आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। सहायक पुलिस आयुक्त इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव व थाना कौशाम्बी पुलिस टीम ने सर्च एवं रेस्क्यू अभियान के दौरान मुखबिर के जरिए सूचना प्राप्त के आधार पर कि ग्राउण्ड फ्लोर से 5 वैशाली स्थित मकान छापा मारा। पता चला कि इस मकान में अनैतिक देह व्यापार का कारोबार किया जा रहा है। जिसमें भोली-भाली गरीब महिलाओं को बहला फुसलाकर देह व्यापार कराया जा रहा है। पुलिस ने अनैतिक देह व्यापार में 3 पीड़ित महिलाओं को

रेस्क्यू किया गया तथा अनैतिक देह व्यापार में सम्मलित रैकेट संचालिका के साथ जाहिद निवासी श्रीराम कॉलोनी राजीवनगर करावलनगर नोर्थ ईस्ट दिल्ली व एक ग्राहक गोमतेश निवासी एक्सटेंशन लक्ष्मीनगर थाना लक्ष्मीनगर दिल्ली - को आपत्तिजनक सामग्री सहित गिरफ्तार किया। पीड़ित महिलाओं से पूछताछ की गई तो यह तथ्य प्रकाश में आए कि अभियुक्त संचालक अनैतिक कमाई करने के लालच से रैस्क्यू महिलाओं से अनैतिक देह व्यापार कराकर ग्राहकों से पैसे लिये जाते है। संचालिका द्वारा महिलाओं को काम दिलाने व पैसों का लालच देकर बहला फुसलाकर प्रतिदिन अनैतिक देह व्यापार कराया जा रहा था। इस कार्य को करने में ग्राहकों से भारी धनराशि लेकर कुछ रुपए महिलाओं को भरण पोषण के लिए दिया जाता था ।

सड़क सुरक्षा के लिए चलाया गया जागरूकता अभियान

सेक्टर-16 में नो पार्किंग जोन में खड़ी गाड़ियों के किए गए चालान

बेहतर यातायात व्यवस्था तथा फरीदाबाद को एक्सीडेंट फ्री बनाने की मुहिम के तहत पुलिस द्वारा वाहन चालकों को यातायात नियमों व सड़क सुरक्षा के बारे में लगातार जागरूक किया जा रहा है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

रोड सेफ्टी इंस्पेक्टर राजेश कुमार की टीम और ट्रैफिक पुलिस ने फरीदाबाद को जाम मुक्त बनाने के लिए लगातार सड़कों पर खड़े वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जा रही है। इसी संदर्भ में इंस्पेक्टर राजेश की टीम ने सेक्टर-16 मार्किट व मैरिंग अस्पताल के पास लगाई गई गाड़ियों को हटवाया साथ ही नो पार्किंग जोन में खड़ी गाड़ियों के ऑनलाईन चालान किए। बेहतर यातायात व्यवस्था तथा फरीदाबाद को एक्सीडेंट फ्री बनाने की मुहिम के तहत पुलिस द्वारा वाहन चालकों को यातायात नियमों व सड़क सुरक्षा के बारे में लगातार जागरूक किया जा रहा है, वाहन चलाते समय यातायात नियमों का पालन करने तथा सड़क सुरक्षा के संबंध में विशेष तौर पर जानकारी दी जाती है। वाहन चालकों को सुरक्षा उपकरणों का उपयोग करने, तय गति सीमा में वाहन चलाने, गलत दिशा में वाहन न चलाने, रॉन्ग पार्किंग न करने सहित अन्य यातायात

नियमों के बारे में जागरूक किया जाता है परंतु कुछ वाहन चालक नियमों की अनदेखी करते हुए यातायात नियमों का पालन नहीं करते इसलिए उनके खिलाफ विशेष अभियान चलाकर चालान किए गए हैं। डीसीपी ट्रैफिक जसलीन कौर ने बताया कि फरीदाबाद पुलिस का लगातार प्रयास रहता है कि शहरवासियों को सड़क दुर्घटनाओं से बचाया जा सके और यात्री सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच सके। इसलिए सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें ताकि उनका सड़क दुर्घटना से बचाव हो सके।

वाहन चालकों से की अपील

रोड सेफ्टी टीम और ट्रैफिक पुलिस द्वारा यातायात व्यवस्था सुधार के लिए नियमों का उल्लघंन करने वाले वाहन चालको के पोस्टल (फोन से फोटो खींचकर) चालान भी किए जाते है। वाहन चालकों से अपील है कि एक्सीडेंट फ्री फरीदाबाद बनाने के लिए यातायात नियमों को पालन कर फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस का सहयोग करें। नियमों का उल्लंघन करने वालो के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई के निर्देश ट्रैफिक नियमों की उल्लंघना करने वाले वाहनो की सूचना देने व तुरंत ट्रैफिक सहायता के लिए फरीदाबाद ट्रैफिक कंट्रोल 0129-2267201 या डायल 112 व 0172-2584700 पर संपर्क कर सकते हैं। कमल नाम के व्यक्ति ने डीसीपी ट्रैफिक को ट्रैफिक जाम की सूचना दी जिस पर डीसीपी ने तुरंत आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए और जाम खुलवाया गया। अब डीसीपी ट्रैफिक के निर्देशानुसार सूचना देने वालों से फीडबैक भी लिया जाएगा। फीडबैक के लिए एक महिला पुलिसकर्मी को नियुक्त किया गया है। फरीदाबाद ट्रैफिक पुलिस कंट्रोल में 1 फरवरी से 20 फरवरी तक करीब 200 कॉल, सूचनाएं प्राप्त हुई जिसमें से करीब 80 कॉल, सूचनाएं वाहनों की अधिकता के कारण जाम लगा पाया गया और 60 सूचनाएं इलीगल पार्किंग के बारे में प्राप्त हुई जिनको खिलाफ कार्रवाई की गई। करीब 15 सूचनाएं व्हीकल खराब होने की वजह से सड़क पर जाम लगा पाया गया और करीब 15 कॉल बारात की वजह से सड़क पर जाम लगाना पाया गया। कुछ सूचनाएं सड़क पर सीवर का पानी भरने से जाम की पाई गई, जिस पर ट्रैफिक पुलिस द्वारा आवश्यक कार्रवाई करके ट्रैफिक चलवाया गया।

127 शिकायतों का किया निस्तारण

साइबर पुलिस ने 11 मुकदमों में 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद साइबर पुलिस टीम द्वारा पुलिस आयुक्त सत्येंद्र कुमार गुप्ता के दिशा-निर्देश व पुलिस उपायुक्त साइबर अपराध उषा के मार्गदर्शन में लगातार साइबर अपराधियों पर प्रहार करके गिरफ्तार किया जा रहा है। इसी कड़ी में कार्यवाही करते हुए फरीदाबाद पुलिस की साइबर थाना की टीमों ने 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 14 से 20 फरवरी तक साइबर अपराध थाना की टीमों ने 11 अभी योगी में 27 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिसमें साइबर थाना एनआईटी के 3, साइबर थाना सेंट्रल के 5 और साइबर थाना बल्लभगढ़ के 3 मामले शामिल है।

मामलो में कार्रवाई करते हुए 19,70,000 रुपए बरामद किए गए हैं 127 शिकायतों का निस्तारण कर 7,50,000 रिफंड कराए गए तथा 1,55,461 रुपए खातों में ब्लॉक कराए गए हैं। गिरफ्तार आरोपी में रेशम सिंह, कुलदीप, प्रशांत, राजेंद्र, आकाश राय, सौरव, हिमांशु सक्सेना, पंकज, हिमांशु, विकास, रोहित कुमार, शेख शाहबाज, प्रियरंजन, आशुतोष कुमार, आफताब, अनूप, साहिल शेख, सैयद राजीव खुर्शीद शामिल हैं।

हरियाणा सरकार
Surajkund Mela Authority
BIMSTEC
Bay of Bengal Initiative for Multi-Sectoral Technical and Economic Cooperation
ODISHA
INDIA'S BEST KEPT SECRET.
MADHYA PRADESH
38वां
सूरजकुण्ड अन्तर्राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेला
7 - 23 फरवरी, 2025 | सूरजकुण्ड, फरीदाबाद, हरियाणा
समापन समारोह
23 फरवरी, 2025 | सायं 5 बजे
मुख्य अतिथि
श्री मनोहर लाल
केन्द्रीय मंत्री, आवास एवं शहरी कार्य तथा बिजली
गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. अरविन्द कुमार शर्मा
विरासत एवं पर्यटन मंत्री, हरियाणा
आप सभी सादर आमंत्रित हैं
Development Commissioner for Handlooms
MINISTRY OF DEVELOPMENT OF NORTH EASTERN REGION
Delhi Metro Rail Corporation Limited
HARYANA TOURISM
Come, holiday with us !
Utsav
India. the land of festivals
Incredible India
अतुल्य ! भारत
Ministry of External Affairs
Government of India
indian handicrafts
continuing tradition
सूचना एवं जन संपर्क विभाग, हरियाणा के Whatsapp चैनल से जुड़ने के लिए क्यू आर कोड स्कैन करें
सूचना, जन सम्पर्क एवं भाषा विभाग, हरियाणा
www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
नई दिल्ली रविवार 23 फरवरी 2025

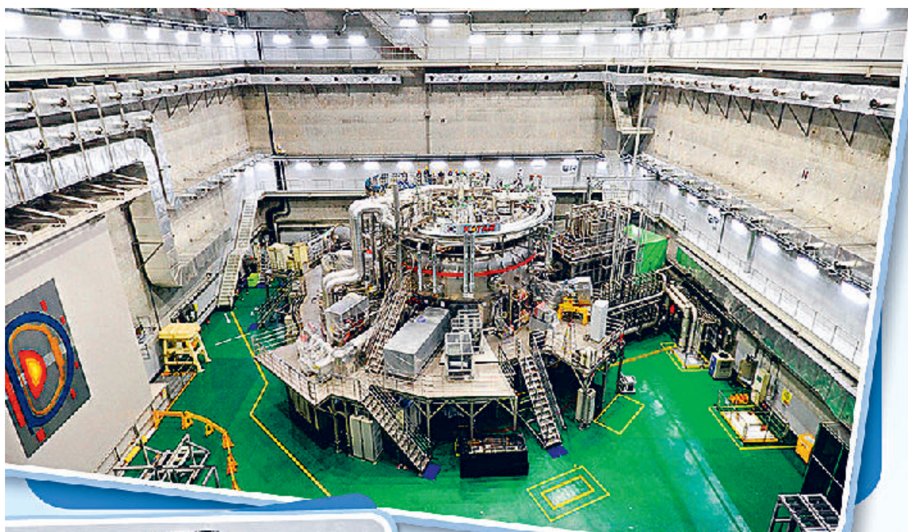

विशेषः राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, 28 फरवरी

हमारे सौर मंडल में एक प्राकृतिक सूरज तो है ही, जिससे असीमित ऊर्जा निरंतर निकलती रहती है। लेकिन अब भारतीय वैज्ञानिकों समेत दुनिया के कई देशों के वैज्ञानिक मिलकर एक कृत्रिम छोटा सूरज यानी मिनी सन का निर्माण कर रहे हैं। कैसा है धरती का यह सबसे बड़ा और महंगा प्रोजेक्ट, कैसे करेगा यह अपना कार्य? इसके बारे में आप जरूर जानना चाहेंगे।

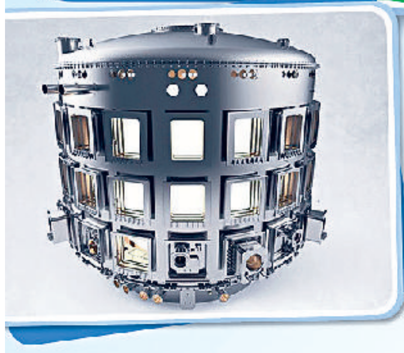

भारतीय वैज्ञानिकों की मदद से बन रहा
धरती पर पहला मिनी सन

कवर स्टोरी

अपराजिता

हाल ही में फ्रांस यात्रा के दौरान भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ इंटरनेशनल थर्मोन्यूक्लियर एक्सपेरिमेंटल रिएक्टर (आईटीईआर) यानी दुनिया के उस प्रोजेक्ट को देखने गए, जिसके तहत धरती में कृत्रिम 'मिनी सूरज' बनाने की कोशिश हो रही है। यह कोशिश दुनिया के कई देशों के वैज्ञानिक मिलकर कर रहे हैं, जिनमें भारतीय भी हैं।

सबसे बड़ा-महंगा प्रोजेक्टः दुनिया के इस सबसे बड़े एक्सपेरिमेंटल प्रोजेक्ट की शुरुआत साल 2006 में फ्रांस के राष्ट्रपति भवन एलिसी पैलेस में हुई, जहां दुनिया के कई देश इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट पर साथ-साथ काम करने को राजी हुए। ये देश थे- अमेरिका, यूरोपीय यूनियन के देश, रूस, चीन, भारत और दक्षिण कोरिया। आज इस प्रोजेक्ट में 30 देश अपना योगदान दे रहे हैं।

हमारा देश न केवल इस प्रोजेक्ट की लागत में हिस्सेदारी कर रहा है, बल्कि हमारे कई वैज्ञानिक इस प्रोजेक्ट की कोर टीम का हिस्सा भी हैं। दरअसल, सूरज में जिस प्रक्रिया से ऊर्जा उत्पन्न होती है, इस प्रोजेक्ट का मकसद उसी प्रक्रिया से बिजली उत्पन्न करना है। एक तरह से वैज्ञानिक धरती में कृत्रिम 'मिनी सूरज' बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यह अब तक का दुनिया का सबसे महंगा और महत्वाकांक्षी एक्सपेरिमेंटल प्रोजेक्ट है, जो अगर सफल हुआ तो असीमित मात्रा में बिजली पैदा करेगा।

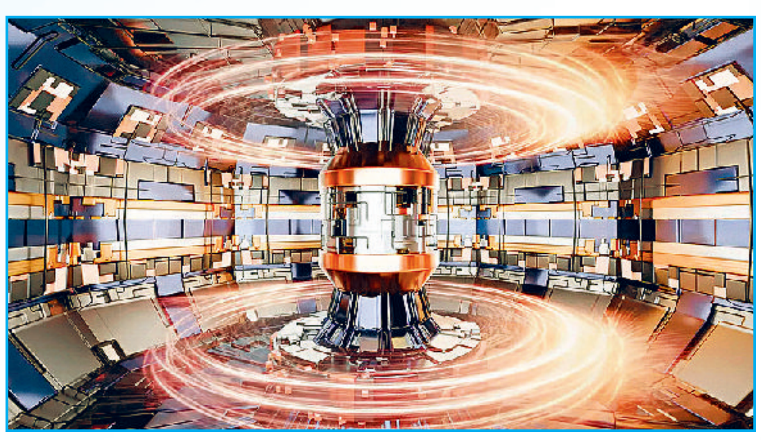

असीमित ऊर्जा का होगा उत्पादनः इस प्रोजेक्ट के तहत दुनिया की सबसे बड़ी 'टोकामक' बनाई जा रही है। टोकामक रशियन शब्द है, जिसका मतलब एक ऐसी मशीन है, जिसका इस्तेमाल परमाणु नाभिकीय संलयन से ऊर्जा पाने के लिए किया जाता है। वास्तव में यह एक एक्सपेरिमेंटल डिवाइस है, इसमें चुंबकीय क्षेत्र का इस्तेमाल करके प्लाज्मा को 'डोनट' के आकार में सीमित कर दिया जाता है। इस आकार को वैज्ञानिकों की भाषा में टोरस कहते हैं। यह वैक्यूम वेसल 'सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट' होता है। टोकामक में गरम प्लाज्मा को एक निश्चित आयतन में बनाए रखने के लिए डिजाइन किया गया होता है। टोकामक में बनी ऊर्जा बर्तन की दीवारों में गर्मी के रूप में अवशोषित होती है। इसे थर्मल इंसुलेशन के लिए बड़े क्रायोस्टेट में रखा जाता है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े वैज्ञानिकों का अनुमान है कि प्रोजेक्ट के सफल होने पर इस पावर प्लांट से 500 मेगावाट न्यूक्लियर एनर्जी का उत्पादन किया जाएगा।

एक्सपर्ट कमेंट

इस मिनी सूरज प्रोजेक्ट का सात सालों तक नेतृत्व करने वाले फ्रांस के बर्नार्ड बिगोट ने एक बार कहा था, 'हम यहां जो करने की कोशिश कर रहे हैं, अगर उसमें सफल रहे यानी मिनी सूरज बना लिया तो फिर इंसान द्वारा बनाया गया यह सूरज कभी नहीं डूबेगा' यानी यह 'फ्यूजन पावर प्लांट' हर समय चलता रहेगा।'

आसान नहीं है यह प्रोजेक्टः इस प्रोजेक्ट का लक्ष्य है, न्यूक्लियर फ्यूजन यानी परमाणु संलयन में महारत हासिल करना। न्यूक्लियर फ्यूजन, सूर्य और बाकी तारों में होने वाली एक प्रक्रिया है, जिससे उनमें गर्मी पैदा होती है। हालांकि पृथ्वी पर न्यूक्लियर फ्यूजन की नकल करके एक मिनी सूरज बना लेना बेहद मुश्किल है। यदि ऐसा हो गया तो हमें असीमित मात्रा में ऊर्जा मिल सकती है। साथ ही यह ऊर्जा जीवाश्म ईंधन की तरह ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन भी नहीं करेगी। दुनिया में जो न्यूक्लियर एनर्जी इस्तेमाल की जाती है, वो परमाणु विखंडन यानी न्यूक्लियर फिजन से हासिल होती है, इस प्रक्रिया में रेडियोएक्टिव कचरा पैदा होता है, जबकि न्यूक्लियर फ्यूजन में किसी तरह का कचरा नहीं निकलता।

मिनी सन का स्ट्रक्चर-फंक्शनिंगः इस प्रोजेक्ट के तहत जो मिनी सूरज बनाया जा रहा है, उसमें असीमित ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए दो हाइड्रोजन परमाणुओं को बहुत अधिक वेग से एक-दूसरे की तरफ धकेला जाता है, इससे ये दोनों जुड़कर हीलियम परमाणु बनाते हैं। साथ ही इस दौरान न्यूट्रॉन भी बनता है, जिससे अत्यधिक मात्रा में ऊर्जा निकलती है। प्रोजेक्ट के विशेषज्ञों का मानना है कि फ्यूजन से एनर्जी पैदा करना अपने आप में कोई मुश्किल काम नहीं है, लेकिन इसे लगातार बनाए रखना मुश्किल है। इसी तकनीक को हासिल करने के लिए वैज्ञानिक और टेक्निकल एक्सपर्ट दशकों से मेहनत कर रहे हैं। आईटीईआर प्रोजेक्ट का आकार इतना बड़ा है, जिसमें 39 बड़ी इमारतें बन सकती हैं। न्यूक्लियर फ्यूजन के लिए इस्तेमाल की जाने वाली डिवाइस टोकामक का वजन 23,000 टन है। यह वजन तीन एफिल टावर के संयुक्त वजन के बराबर है। इस रिएक्टर में दस लाख घटक शामिल हैं, जो कम से कम एक करोड़ छोटे भागों में बंटे हुए हैं। रिएक्टर में लगभग 4,500 कंपनियों से जुड़े सैकड़ों वैज्ञानिक और कर्मचारी दिन-रात काम कर रहे हैं। शुरू में प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत करीब 5 अरब डॉलर थी, समय के साथ यह बढ़कर 22 अरब डॉलर हुई। अब अमेरिका के ऊर्जा विभाग का अनुमान है कि प्रोजेक्ट की कीमत 65 अरब डॉलर तक हो सकती है। इस खर्च को देखते हुए ही इसे दुनिया का सबसे मंहगा वैज्ञानिक प्रोजेक्ट कहा जा रहा है।

शुरू होने में लगेंगे कुछ वर्षः प्रोजेक्ट की शुरुआत में माना जा रहा था कि यह प्रोजेक्ट 2020 तक पूरा हो जाएगा, लेकिन जुलाई 2024 तक रिएक्टर सिर्फ पूरी तरह से असेंबल हो पाया था। अब अनुमान है कि 2039 तक यह प्रोजेक्ट काम करना शुरू कर सकता है। *

भारत की है महत्वपूर्ण भूमिका

भारत इस प्रोजेक्ट का शुरू से ही हिस्सा है। हम इस प्रोजेक्ट में 10 प्रतिशत खर्च की जिम्मेदारी उठा रहे हैं। हमने इस प्रोजेक्ट के लिए 17,500 करोड़ रुपए देने का वादा किया है। साथ ही करीब 25 से 30 भारतीय वैज्ञानिक हमेशा इस प्रोजेक्ट में मौजूद होते हैं। यूरोपीय संघ प्रोजेक्ट की लागत का 45 प्रतिशत खर्च उठा रहा है। हमारा इस मायने में एक और अहम योगदान है कि रिएक्टर को ठंडा करने के लिए जिस 'क्रायोस्टेट फ्रीजर' का इस्तेमाल हो रहा है, उसे हमारी लार्सन एंड टुब्रो कंपनी ने ही बनाया है। यह क्रायोस्टेट फ्रीजर दुनिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा फ्रीजर है। यह टोकामक के अंदर सुपरकंडक्टिंग मैग्नेट और वैक्यूम वेसल के बाहर लगता है और इससे रिएक्टर को -193 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा किया जाएगा। क्रायोस्टेट 54 यूनिट्स से मिलकर बना है, इसे 2020 में फ्रांस भेजा गया था। इस क्रायोस्टेट का वजन 3,800 टन है और इसकी ऊंचाई कुतुब मीनार की आधी है। इस फ्रीजर की वजह से प्रोजेक्ट में भारत की भागीदारी बहुत अहम हो गई है।

एआई ने शुरू किया
मैन-मशीन कॉम्पिटिशन

वैज्ञानिक प्रगति आज उस मुकाम पर पहुंच चुकी है कि इंसान के द्वारा निर्मित मशीन, इंसान को ही चुनौती दे रही है। हालात ये हो गए हैं कि कई स्तरों पर एआई, इंसान को मात देने लगी है। इनके कॉम्पिटिशन का परिणाम क्या होगा, वक्त ही बताएगा।

साइंटिफिक वर्ल्ड

लोकमित्र गौतम

हालांकि दशकों से कहा जा रहा है कि इंसान और मशीन में वर्चस्व की जंग शुरू होने वाली है। लेकिन पिछले एक-डेढ़ दशक में मशीन वाकई इंसान के साथ प्रतिस्पर्धा के कई मोर्चों पर इंसान की क्षमताओं को मात देकर आगे निकल रही है।

कई मामलों में बहुत आगे है मशीनः आज डेटा प्रोसेसिंग के मामले में जीनियस से जीनियस इंसान भी एआई यानी आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस का सामना नहीं कर सकता। डेटा प्रोसेसिंग मामले में इंसान एआई के सामने कहीं नहीं टिकता है। यहां एआई इंसान से सैकड़ों नहीं हजारों गुना तेज और कुशल हो चुका है। लेकिन बात यहीं तक सीमित नहीं है। मशीन अब सिर्फ कैलकुलेट भर नहीं करती, वह सोचने में भी सक्षम है। यही नहीं इस कारण से मशीन जटिल निर्णय लेने में भी माहिर हो रही है। डीप लर्निंग, नैनो प्रोसेसिंग और न्यूरल नेटवर्क्स ने एआई की संभावनाओं को चमत्कारिक बना दिया है।

मशीन से सीख रहा इंसानः इंसान कई मामलों में न केवल एआई से बहुत कुछ सीख रहा है बल्कि उससे प्रेरित भी हुआ है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस की चुनौतियों के चलते इंसान ने अपनी सोचने और समझने की क्षमता को कहीं ज्यादा तीव्र, परिष्कृत और नए आयामों तक पहुंचने के संदर्भ में निखारा है। क्योंकि इसे जंग कहें या न कहें लेकिन इंसान ने इस बात को भली-भांति जान लिया है कि अगर वह नई तकनीक को अपनाने में पीछे रहेगा तो मशीन उसे हर हाल में पछाड़ देगी। इसके बावजूद कि भले लेखन, संगीत, चित्रकला और फिल्म निर्माण के क्षेत्र में एआई क्रिएटिव रोल निभाता दिख रहा हो, लेकिन यह भूमिका उसके सेल्फ डिसीजन का नतीजा नहीं है, यह उसे हासिल निर्देशों का रिजल्ट होता है। लेकिन कौन जाने जीपीटी-4, डीएएलएल-ई, डीएएलएल-ई 2 और डीएएलएल-ई 3 जैसे टूल्स के बाद मशीन ओरिजिनल क्रिएटिविटी के मामले में भी इंसान को मात देने की कोशिश करे।

लाजवाब है रोबोटिक टेक्नीकः हाल के दिनों में मशीन ने जिन और कई क्षेत्रों में इंसान को हैरान या कहें कि हतोत्साहित किया है, वह सेल्फ ड्राइविंग, ऑटोएक्टिव ड्रोन और रोबोटिक असिस्टेंस का तकनीकी क्षेत्र है। आज इंसान से कहीं बेहतर कार ड्राइविंग एआई नियंत्रित रोबोट कर रहा है। ऑटोड्राइवर ड्रोन भी इंसान के अनुमान से कहीं ज्यादा सटीक लक्ष्य पर वार कर रहा है। विभिन्न सहायता क्षेत्रों में जिस तरह की असिस्टेंस आज एआई प्रदान कर रही है, निःसंदेह वह इंसान के बस में नहीं है। कहना चाहिए आटोनोमस सिस्टम को एआई ने सिर्फ क्रांतिकारी ही नहीं बनाया हैरान करने की हद तक उपयोगी और सटीक भी बनाया है।

मैन्युफेक्चरिंग और हेल्थ केयर के मामले में भी मशीन, इंसान से किसी हद तक जंग जीत चुकी है या कहें वह अपर हैंड है। जितनी सफाई से आज कोई रोबोट, सर्जन की सर्जरी के दौरान मदद करता है, कोई भी नर्स उतनी सफाई से मदद नहीं कर पाती। लेकिन हां, एक मामले में एआई नर्स के सामने पिछड़ जाता है कि नर्स बिना किसी कमांड के भी कई निर्णय अपनी बुद्धिमत्ता से ले लेती है, जो एआई के बस में नहीं है।

कुछ घटी-कुछ बढ़ी हैं जॉब्सः एआई के कारण आज ऑटोमेशन के कई सेक्टर में इंसान के लिए जॉब या तो खत्म हो गए हैं या बहुत कम रह गए हैं। लेकिन हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि एआई ने नई इंडस्ट्रीज और रोजगार के क्षेत्र भी बनाए हैं। डेटा साइंस और मशीन लर्निंग इंजीनियरिंग, एआई विकसित इंडस्ट्रीज हैं। रोजगार के क्षेत्र में एथिक्स और लर्निंग को एआई ने नए आयाम दिए हैं।

सच तो यह है कि जिस तरह से एआई ने हाल के सालों में इंसान को चौंकाया, छकाया और कई क्षेत्रों में हराया भी है, उससे आदमी प्रेरित होकर खुद चौकन्ना हो रहा है, जिससे कि वह एआई के साथ कदम से कदम मिलाकर चल सके और पहली बार दुनिया में मैन-मशीन की आशंकित जंग के बजाय एक साझा युग शुरू हो। *

क्रिएटिविटी में इंसानों से पीछे मशीन

हालांकि डेटा एप्लीकेशन का निर्णय लेने के मामले में, उसके संदर्भों को एनालाइज करने में इंसान एआई से आज भी कोसों आगे है। इसी तरह देखें तो क्रिएटिविटी के मामले में भी भले एआई, इंसान को टक्कर दे रही हो, लेकिन उसकी यह टक्कर अभी क्रिएटिविटी को सिमुलेट करने तक ही सीमित है, जबकि इंसान अपनी कल्पनाशीलता से नई सोच और नए रेफरेंस विकसित करने में भी माहिर है।

कविता

हरीश कुमार 'अमित'

खुशबू

बीतती जाती है जिंदगी
लम्हा-लम्हा,
मगर बीते हुए लम्हों के
खूबसूरत हिस्सों की खुशबू
करती रहती है
अक्सर हमारा पीछा
देर तक,
बड़ी दूर तक।
झिलमिलाते रहते हैं
जब-तब
बीत चुके खुशनुमा लम्हों के अक्स
हमारे दिलो-दिमाग में
इसी खुशबू की बदौलत।
आता है जब-जब
हमारी जिंदगी का खराब वक्त,
देती है तब हमें
बहुत सुकून और सहारा
इन्हीं बीत चुके लम्हों की
भीनी-भीनी-सी खुशबू।
होती है साबित
बहुत मददगार
यही खुशबू
ऐसे बुरे वक्त का
मुकाबला करने में।

व्यंग्य / डॉ. मुकेश असीमित

आप चाहते हैं कि आपको आपकी मनचाही कुर्सी मिले, आपका सात जन्मों तक का कुर्सी-संगम बना रहे। कुर्सी को बुरी नजर से बचाव मिले, तो आप यहां दिए जा रहे फार्मूले जरूर अपनाएं।

कुर्सी वंदना

लो जी, अब तनिक कुर्सी प्रेमियों को भी कुछ खुशखबरी सुना दें। कुर्सी का बिछोह सबसे बड़ा गम है। कुर्सीगीरी ऐसे ही नसीब नहीं होती। अपनी कुर्सी कैसे बचाए रखनी है, बस इसी जुगत में सब कुलबुलाते रहते हैं। कुर्सी की ऊंचाई भी छोटी-बड़ी होती रहती है। आपकी कुर्सी दिन-दूनी, रात-चौगुनी अपना कद ऊंचा करे, इसके लिए हम कुछ नायाब फार्मूले लेकर आए हैं।

आप चाहते हैं कि आपको आपकी मनचाही कुर्सी मिले, आपका सात जन्मों तक का कुर्सी-संगम बना रहे। कुर्सी को विरोधियों की बुरी नजर से बचाव मिले, तो आप यहां दिए जा रहे फार्मूले जरूर अपनाएं। शर्तिया सफलता की गारंटी बिल्कुल चांदसी दवाखाने के हकीम की मर्दानगी ताकत वापस दिलाने की गारंटी जैसी।

सबसे पहले, अपने गले में रुद्राक्ष की जगह किसी खाती से 108 मनकों की कुर्सी बीड-नुमा माला बनवाएं। इसे गले में डालकर रखें। सुबह-शाम गले से उतारकर इसका जाप करें। जाप के साथ यह मंत्र उच्चारण आवश्यक है- 'ॐ कुर्स्याय नमः।'

एक बार कुर्सी प्राप्त हो जाने के बाद, जिस प्रकार से आप रंग बदलते हैं, उसी प्रकार से मंत्र जाप भी बदल लें। अब यह मंत्र जाप करना है-'कुर्सी अधिष्ठानम अक्षयं कुरु।'

इस मंत्र का अर्थ है, 'कुर्सी को स्थिर और अक्षय बनाओ।' यह मंत्र कुर्सी को स्थायित्व प्रदान करने की प्रार्थना करता है, जिससे कि वह सदैव आपके नियंत्रण में रहे और आपको उस पर से गिरने, उतरने, धकियाने या गिराने का भय न हो। यह मंत्र कुर्सीधारकों को एक आध्यात्मिक आश्वासन प्रदान करता है कि उनकी कुर्सी उन्हें आत्मविश्वास और शांति प्रदान करेगी।

कुर्सी प्राप्त होने के बाद यदि कुर्सी पूजन महोत्सव रखा जाए, तो आपकी कुर्सी की स्थिरता की शत-प्रतिशत गारंटी है।

मान लीजिए, आपका नया-नया प्रमोशन हुआ है या आपको जुगाड़ लगाकर मंत्री पद प्राप्त हुआ है। नई नवेली कुर्सी आपको प्राप्त हुई है। पता लगा कि कुर्सी-संगम को गिने-चुने चार दिन भी नहीं हुए कि आ गया कोई न कोई विलेन आपके इस संगम को गम में बदलने के लिए।

पहली बात तो यह कि इतनी आसानी से कहां यह कुर्सी मिलती है? भाई, बड़े जतन से, जोड़-तोड़, जुगाड़ और कुछ नए-पुराने वादों की मिश्रित खाद से यह कुर्सी हासिल की गई है। अब, इससे पहले कि कुर्सी के साथ रंगरेलियां मनाना शुरू करें, क्यों न एक बार कुर्सी पूजन को विधिवत निपटा लें? तो चलिए, आज हम लोग कुर्सी का पूजन करेंगे, विधि-विधान से। पंडित जी को बुला लें, शुरू में आप मुझे भी बुला सकते हैं। आजकल तो वैसे भी ब्रिज कोर्स का जमाना है। सोचा है, डॉक्टरी बढ़िया चले न चले, ये कुर्सी-पूजन कर्मकांड से ही कमा लेंगे। तो हम कुर्सी के लिए विशेष मंत्रोच्चार करेंगे, ताकि कुर्सी पर किसी की नजर न उलझे और इसमें नवग्रह-शक्ति का प्रयोग करके इसे और भी अजेय बनाया जा सके।

मंत्र इस प्रकार है- 'ॐ कुरसीयै नमः, ॐ बैठकाय स्थायिनमः सिद्धिं कुरु-कुरु स्वाहा।' इस मंत्र का अर्थ है कि कुर्सी पर बैठने वाले को स्थायित्व प्राप्त हो और कोई भी चुनावी हवा इसे उड़ा न सके। पंडित जी इस कुर्सी के चारों ओर लोभ, मोह, काम, क्रोध के फूल चढ़ाएंगे, जो राजनीति के जरूरी तत्व हैं।

अब पूजा का मुख्य आकर्षण- चढ़ावा।

चढ़ावे में मंत्री जी से अपने पूर्व वादों की माला, जनता के सपनों को चूर कर बनाए गए बुरादे की मिठाई, और विपक्ष की आलोचनाओं की धूप-बाती अर्पित करें। ये सब कुर्सी की सेवा में पेश करने से कुर्सी की ऊर्जा और बढ़ जाती है।

अंत में, सभी आरती उतारें, जिसमें कुर्सी के चारों ओर मीडिया के कैमरे और राजनीतिक समर्थकों की फ्लैश लाइट्स भी शामिल करें। ये सब प्रथम पूज्य देव हैं, जो आपकी कुर्सी को टिकाए रखने में मदद करेंगे। आरती के बाद सभी मिलकर प्रसाद रूप में 'सत्ता का स्वाद' मिश्रित मावे की मिठाई का भोग लगाएं।

कुर्सी पूजन के पश्चात माहौल को और उत्सवमय बनाने के लिए 'कुर्सी उत्सव' का आयोजन कर सकते हैं। इस आयोजन का प्रस्ताव और खर्च किए जाने वाले फंड को हाई लेवल मीटिंग में पहले ही स्वीकृत करवा लें। कुर्सी उत्सव को सालाना वार्षिक उत्सव की तरह ऑफिस प्रोसीडिंग में शामिल करवाया जा सकता है। कुर्सी के स्वागत के लिए एक विशेष 'कुर्सी रथ' का आयोजन किया जाए, जिसे समर्थकों द्वारा फूलों और गुब्बारों से सजाया जाए। इस रथ को उन चार नेताओं से खिंचवाया जाए, जिन्होंने आपकी कुर्सी को हथियाने में खींचातानी की थी। रथ यात्रा के दौरान बैंड-बाजे बजवाएं और 'कुर्सी महारानी की जय' के नारे लगवाएं।

कुर्सी की महिमा को बखान करते हुए, एक विशेष भक्ति-गीत को गवैयों से गवाया जाए, जिसमें गीत के बोल हो सकते हैं-'कुर्सी तेरे साथ में, सब कुछ अपने हाथ में।'

अगर दिल्ली तक आपकी पहुंच है, तो कृपया इस भक्ति गीत को भी लोकतंत्र के अधिकृत गीत की मान्यता दिलवा दें। इस बहाने गीत की रॉयल्टी मुझे मिलती रहेगी, तो मेरा भी रोटी-पानी का जुगाड़ हो जाएगा।

आप चाहें तो एक मजेदार 'कुर्सी दौड़' का आयोजन करवा सकते हैं, वैसे भी यह तो देश का राष्ट्रीय खेल घोषित हो जाना चाहिए था, अब तक। इस खेल में तो सभी नेता पहले से ही माहिर हैं, इसलिए ज्यादा कुछ बताने की जरूरत नहीं होगी।

सभी नेताओं को एबीएस अपनी-अपनी कुर्सियों पर बैठकर दौड़ना होगा। नेता बिना कुर्सी के अपंग हैं, दीन-हीन और बेसहारा हैं। आप उन्हें दौड़ाएंगे तो वे एक कदम भी न चल सकेंगे। यह बहुत मजेदार खेल होगा, देखना कि कैसे सभी नेता अपनी-अपनी कुर्सियों को धकेलते हुए फिनिश लाइन की ओर बढ़ रहे होंगे।

समारोह की अंतिम प्रतिस्पर्धा में, आप 'कुर्सी टग ऑफ वॉर' जैसा खेल रख सकते हैं या रूमाल-झपट्टा की तरह 'कुर्सी-झपट्टा' जैसा कोई खेल- यह आपकी मर्जी। कुर्सी को बीच में रस्से से बांध दीजिए, और फिर दोनों तरफ से दोनों गुटों के नेता रस्सी खींचें। *

लघुकथा / सरस्वती रमेश

अपना-अपना मुनाफा

महिला ने बड़े हुलस के साथ दुकानदार से पूछा, 'यह वाला हार कितने का है?' महिला की आंखों की चमक बता रही थी कि वह इस हार को लेकर ही रहेगी।

दुकानदार ने इस चमक को पढ़ लिया था। वह हार महिला की ओर बढ़ाते हुए बोला, 'तीन सौ रुपए!'

हार को हाथ में लेकर महिला ने उसे ललचाई आंखों से देखा। उलट-पलट कर ध्यान से उस मल्टी कलर हार का मुआयना किया। मन ही मन बोली, 'यह तो वही हार है, जो मैंने कुछ दिन पहले ऑनलाइन साइट पर देखा था। वहां इसकी कीमत 700 रुपए थी और यहां यह सिर्फ 300 में मिल रहा है। यानी आधे से भी कम कीमत पर। मुझे कुल 400 रुपए का फायदा हो रहा है।'

'भैया यह हार पैक कर दीजिए।' कहते हुए उसने तीन सौ रुपए पर्स से निकाल कर दुकानदार के सामने काउंटर पर रख दिए।

दुकानदार ने मन ही सोचा, 'यह हार तो मैं दो सौ का भी दे सकता था, लेकिन इस महिला ने कम करने को कहा ही नहीं। आज तो एक ही हार पर सौ रुपए का अतिरिक्त मुनाफा हो गया।' *

खबर संक्षेप

एनडीए हर समय चुनाव के लिए तैयार: चौधरी

पटना। बिहार के मंत्री विजय कुमार चौधरी ने कहा कि एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में न सिर्फ एकजुट है बल्कि किसी भी समय चुनाव का सामना करने के लिए तैयार है। गठबंधन की पार्टियां हर वक्त चुनाव या विपक्ष की किसी भी चुनौती से निपट सकते हैं। समय से पहले चुनाव की संभावना पर उन्होंने कहा कि इसकी जानकारी नहीं है। उन्होंने चुनाव का सामने करने लिए तैयार रहने की बात विशेष जोर दिया।

हुक्का बार गैंगरेप,जगह बदल रही नंदिनी

गोरखपुर। हुक्का बार की आड़ में देह व्यापार में लिप्त रेशमा खान के पकड़े जाने पर नंदिनी का नाम चर्चा में आया तो वह भागती-भागती फिर रही है। नंदिनी पहले आर्केस्ट्रा और मसाज पार्लर का काम भी कर चुकी है। अब देह व्यापार में नाम आने पर मसाज पार्लर संचालक उसके शरणदाता बने हुए हैं। संचालकों की मदद से पुलिस से बचने के लिए वह बार-बार ठिकाने बदल रही है।

कक्षा में उतरवाई छात्रा की लेगी,ढाई घंटे निर्वस्त्र

बुलंदशहर। यूपी के बुलंदशहर स्थित औरंगाबाद थाना क्षेत्र के गांव लखावटी स्थित केडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा एक की अबोध छात्रा को बगैर ड्रेस कोड के स्कूल जाना भारी पड़ गया। इससे बौखलाकर क्लास टीचर ने पूरी क्लास के सामने छात्रा को निर्वस्त्र कर दिया। छात्रा करीब ढाई घंटे तक क्लास के बच्चो के सामने निर्वस्त्र होकर खड़ी रही।

झारखंड में मॉब लिंचिंग

बकरी चोरी करते पकड़े जाने पर भीड़ ने पीट-पीटकर ली 2 लोगों की जान

एजेंसी ▶▶ जमशेदपुर

झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले में मॉब लिंचिंग का मामला सामने आया है। जहां बकरी चोरी करते हुए पकड़े जाने पर भीड़ ने दो लोगों की पीट-पीटकर हत्या कर दी। वरदात की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि यह घटना शुक्रवार रात चाकुलिया थाना क्षेत्र के जोड़सा गांव में हुई। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) ऋषभ गर्ग ने बताया कि बकरी के मालिक ने दो युवकों को बकरी चोरी करते हुए पकड़ लिया था। इसके बाद उसने शोर मचाते हुए आसपास के लोगों को बुला लिया और भीड़ के साथ मिलकर उनकी पिटाई शुरू कर दी। इन लोगों ने दोनों को दम निकलने तक पीटा।

बकरी मालिक को गिरफ्तार

पुलिस ने बताया कि उनमें से एक तो मौके पर ही गिर गया था। पुलिस के पहुंचने के बाद जब दोनों को इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल ले जाया गया तो डॉक्टर्स ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि वारदात के सिलसिले में हमने बकरी के मालिक को गिरफ्तार कर लिया है, अन्य अपराधियों को भी जल्द ही गिरफ्त में ले लिया जाएगा।

राजकीय इंटर कॉलेज की खाली जमीनों पर बनेंगे मिनी स्टेडियम

प्रदेश के राजकीय इंटर कॉलेजों में खेल सुविधाओं के विकास करने व प्रदेश को दस खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के उद्देश्य से इस कवायद को गति दी जा रही है।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

प्रदेश में जिला मुख्यालय स्तर पर राजकीय इंटर कॉलेजों में खाली पड़ी जमीन पर इंडोर मिनी स्टेडियम बनाए जाएंगे। इसके लिए माध्यमिक शिक्षा विभाग ने सभी मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक से एस्टीमेट तैयार करके उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

इसके लिए प्रोजेक्ट अलंकार के तहत बजट दिया जाएगा। प्रदेश के राजकीय इंटर कॉलेजों में खेल सुविधाओं के विकास करने व प्रदेश को दस खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के उद्देश्य से इस कवायद को गति दी जा रही है। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने कहा है कि जिला मुख्यालय स्तर पर ऐसे राजकीय इंटर कॉलेज (बालक-बालिका), जहां 2500 वर्ग मीटर से अधिक जमीन खाली है। यहां पर खेल सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए एक मिनी स्टेडियम बनाने व चलाने का प्रस्ताव है।

अलंकार प्रोजेक्ट के तहत होगा निर्माण

इंडोर मिनी स्टेडियम का मॉडल भी भेजा गया

माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव ने सभी मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक को खेल विभाग से अनुमोदित इंडोर मिनी स्टेडियम का मॉडल भी भेजा है। उन्होंने इसके अनुसार जिला मुख्यालय के ऐसे इंटर कॉलेजों को चिह्नित करते हुए मंडलवार एस्टीमेट तैयार कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि यह एस्टीमेट पांच करोड़ से अधिक नहीं होना चाहिए। प्रोजेक्ट अलंकार के तहत इन स्टेडियम का निर्माण कराया जाएगा। इसके माध्यम से राजकीय इंटर कॉलेजों की आर्थिक स्थिति भी सुदृढ़ करने का काम किया जा सकेगा।

लखीमपुर में गरजे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, कहा-

नकारात्मक सोच रखने वाले लोग महाकुंभ पर कर रहे टिप्पणी

आलखीमपुर में 4500 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण

छोटी काशी कॉरिडोर का शिलान्यास करने पहुंचे थे सीएम योगी आदित्यनाथ

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोला गोकर्णनाथ कॉरिडोर का शिलान्यास करने के बाद महाकुंभ पर टिप्पणी करने वाले लोगों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि प्रयागराज में 60 लाख लोगों के स्नान की व्यवस्था करना एक बड़ी उपलब्धि है लेकिन कुछ लोगों को यह अच्छा नहीं लग रहा है और विपक्ष को विकास अच्छा नहीं लगता इसलिए वह नकारात्मक टिप्पणी करते हैं

एजेंसी ▶▶ लखीमपुर

गोला गोकर्णनाथ कॉरिडोर का शिलान्यास करने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ पर टिप्पणी करने वाले लोगों पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल प्रयागराज का ही सामर्थ्य है कि एक निश्चित समय पर जहां 60 लाख लोग स्नान कर सकें, यह सब देख कुछ लोगों को अच्छा नहीं लग रहा। सीएम ने कहा कि विपक्ष को विकास अच्छा नहीं लगता, इसलिए वह नकारात्मक टिप्पणी करता है। उन्होंने कहा कि कुंभ के आयोजन ने नकारात्मक लोगों को आइना दिखा दिया। यूपी की सामर्थ्य बताने के लिए कुंभ ही काफी है, पूरी दुनिया लोहा मान रही है।

पीएलए प्लांट समेत 4500 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को शहर के राजेंद्र गिरी स्टेडियम पब्लिक इंटर कॉलेज में छोटी काशी कॉरिडोर को लेकर जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यहां लगभग 4500 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि अब लखीमपुर जिला पिछड़ा नहीं रहा, यहां दुधवा नेशनल पार्क, मेडिकल कॉलेज, पीएलए प्लांट से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री ने जिले को आजादी के समय से जोड़ते हुए मैलानी रेलवे लाइन का जिक्र किया। कहा कि दुधवा नेशनल पार्क था, लेकिन वहां पहुंचने के साधन उपलब्ध नहीं थे, बाढ़ को लेकर भी स्थाई समाधान किए जाने को लेकर योजना बनाई जा रही है। डबल इंजन की सरकार इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के साथ रोजगार के अवसर भी बढ़ाएगी। लखीमपुर के किसानों का जिक्र करते हुए कहा कि यहां की धरती सोना उगलती है। पौराणिक शिव मंदिर कॉरिडोर निर्माण के समय कई दर्जन दुकानें और भवन ध्वस्त किए गए, भवन स्वामियों को भवन और दुकानदारों को कॉरिडोर में दुकानें आवंटित की जाएंगी। उन्होंने विधायक अमन गिरी के पिता दिवंगत विधायक अरविंद गिरि को याद करते हुए कहा कि गोला के दिवंगत विकास पुरुष के रूप में जाने जाने वाले अरविंद गिरि का सपना आज पूरा हुआ। सरकार का काम किसी को उजाड़ना नहीं बसाना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा के पहले पौराणिक शिव मंदिर में दर्शन किए, जिन्हें पंडित रामदेव मिश्रा शास्त्री ने शिव मंदिर के मुख्य पुजारी दिनेश चंद्र मिश्रा की मौजूदगी में पूजन अर्चन कराया।

पीएम के दौरे पर तेजस्वी यादव ने कसा तंज

बिहार में चुनाव आने वाला है विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया

एजेंसी ▶▶ पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित बिहार दौरे से पहले राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने उन पर जमकर निशाना साधा। तेजस्वी ने कहा कि राज्य में चुनाव नजदीक आ रहे हैं और हर दिन कोई न कोई बिहार आएगा। तेजस्वी यादव ने कहा कि 'बिहार में चुनाव होने वाले हैं, हर दिन कोई न कोई बिहार आएगा। इन लोगों को बिहार की प्रगति और विकास से कोई मतलब नहीं है, उन्हें सिर्फ चुनाव से मतलब है। बिहार को अब तक विशेष राज्य का दर्जा क्यों नहीं दिया गया? विशेष पैकेज क्यों नहीं दिया गया? चुनाव तक बड़े-बड़े दावे किए जाएंगे और उसके बाद सब कुछ भूल जाएंगे।'

मोकामा मामले में कसा तंज

इस बीच, तेजस्वी यादव ने पूर्व विधायक अनंत सिंह से जुड़ी मोकामा फायरिंग की घटना को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि सीएम बेखौफ हो गए हैं और राज्य में अपराध एक आदत बन गई है। अब राज्य में भ्रष्टाचार शिष्टाचार बन गया है। मौजूदा सरकार में ऐसी दिल दहलाने वाली बातें आम बात हो गई है। मुख्यमंत्री इस घटना पर चुप हैं। तेजस्वी ने नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को अपना भाई बताया मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार राजनीति में आने की बात को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि निशांत कुमार अगर राजनीति में आएंगे तो वह स्वागत करेंगे। तेजस्वी यादव ने निशांत को अपना भाई भी बताया। तेजस्वी यादव ने कहा कि निशांत मेरे भाई हैं, हम तो चाहेंगे कि वह जल्दी ही घर भी बसा लें। निशांत को यह सोचना होगा कि जो लोग उनके पिताजी नीतीश कुमार जी के साथ हैं, वह पार्टी खत्म कर रहे हैं। शरद जी की बनाई पार्टी को भाजपा और आरएसएस के लोग हाईजैक करना चाहते हैं।

पेज एक का शेष

बागेश्वरधाम में कैंसर ...

ले लिया। 6500 पुलिस वाले तैनात किए गए हैं। भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का उद्घाटन 24 फरवरी की सुबह 10 बजे होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 फरवरी की शाम को ही भोपाल आ जाएंगे। वे छतरपुर में कैंसर हॉस्पिटल का भूमिपूजन करके भोपाल पहुंचेंगे। उनका विमान राजा भोज एयरपोर्ट पर लैंड होगा। इसके बाद वे हेलिकॉप्टर के जरिए लाल परेड ग्राउंड पहुंचेंगे। यहां 3 हेलीपैड बनाए जा रहे हैं। मोदी लाल परेड ग्राउंड से राजभवन पहुंचेंगे। वहां से कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में जाकर भाजपा नेताओं की बैठक करेंगे। फिर राजभवन में ही रात्रि विश्राम करेंगे और अगले दिन समिट स्थल इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय जाएंगे। इसके बाद वे बिहार के भागलपुर में जाएंगे।

प्रधानमंत्री का दौरा कार्यक्रम : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 फरवरी को सुबह 11:20 बजे दिल्ली से एयरफोर्स के आईएएफ बीबीजे विमान से खजुराहो के लिए प्रस्थान करेंगे। दोपहर 12:30 बजे उनका विमान खजुराहो एयरपोर्ट पर लैंड करेगा। इसके बाद प्रधानमंत्री 12:35 बजे एमआई हेलीकॉप्टर से छतरपुर जिले के ग्राम गढ़ा के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां उनका हेलीकॉप्टर 12:55 बजे लैंड करेगा। प्रधानमंत्री मोदी 1 बजे बागेश्वर धाम पहुंचेंगे, जहां वे चिकित्सा एवं विज्ञान शोध संस्थान के शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होंगे। 2 बजे वे गढ़ा हेलीपैड के लिए प्रस्थान करेंगे और 2:05 बजे वहां पहुंचेंगे। 2:10 बजे प्रधानमंत्री मोदी खजुराहो एयरपोर्ट के लिए एमआई हेलीकॉप्टर से प्रस्थान करेंगे। 2:30 बजे उनका विमान खजुराहो एयरपोर्ट पर पहुंचेगा।

समिट में 25000 मेहमानों को ही मिलेगा प्रवेश : समिट में 25 हजार मेहमानों को ही प्रवेश मिलेगा। 24 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब उद्घाटन करेंगे, तब मानव संग्रहालय में 5 हजार उद्योगपति ही रहेंगे। इनमें अंबानी, अडाणी, बिड़ला जैसे देश के शीर्ष उद्योगपति भी शामिल हैं। समिट के लिए कुल 32 हजार रजिस्ट्रेशन हुए थे। आखिरी 3 दिन में ही 10 हजार से ज्यादा रजिस्ट्रेशन होने के कारण विंडो एक दिन पहले ही बंद करनी पड़ी थी। पहले समिट में 20 हजार मेहमानों के आने का अनुमान था लेकिन ज्यादा रजिस्ट्रेशन होने के कारण प्लान बदलना पड़ा।

उद्योगपतियों के लिए अलग अलग रंग के पास : रजिस्ट्रेशन कराने वाले उद्योगपति अलग-अलग रंग के पास के जरिए समिट में जा सकेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सुबह 10 बजे समिट में पहुंच जाएंगे और डेढ़ घंटे अर्थात 11.30 बजे तक रहेंगे। वे जिस डोम में रहेंगे, वहां 3000 उद्योगपति मौजूद रहेंगे। मोदी के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान सेशन हॉल में 2 हजार उद्योगपति और रहेंगे। इस तरह मोदी के समय 5 हजार उद्योगपति मौजूद रहेंगे। उद्योगपतियों को उनकी इंडस्ट्री के अनुसार ही डिपार्टमेंटल समिट या सत्र में प्रवेश दिया जाएगा। जिन्हें एक्सपो में घूमना है, उन्हें वहीं के लिए प्रवेश दिया जाएगा।

भोपाल पहुंचने का समय : प्रधानमंत्री मोदी 2:35 बजे आईएएफ बीबीजे विमान से खजुराहो एयरपोर्ट से भोपाल के लिए उड़ान भरेंगे और 3:35 बजे भोपाल एयरपोर्ट पहुंचेंगे। भोपाल पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री मोदी शाम 6:15 बजे तक कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन हॉल में रहेंगे। इसके बाद वह रात्रि विश्राम के लिए राजभवन जाएंगे।

कल बिहार और असम ...

कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। बिहार में पीएम मोदी 10,000वें किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) के गठन का भी जश्न मनाएंगे। वे मोतीहारी में स्वदेशी नस्लों के लिए उत्कृष्टता केंद्र और बरौनी में दुग्ध उत्पाद संयंत्र का भी शुभारंभ करेंगे।

असम में सांस्कृतिक और औद्योगिक विकास पर जोर : सोमवार शाम को पीएम मोदी असम में 'झूमर बिनंदिनी' कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह असम की चाय जनजाति और अनुसूचित जनजातियों का पारंपरिक नृत्य है, जिसमें 8,000 से अधिक कलाकार भाग लेंगे। यह कार्यक्रम असम में चाय उद्योग और औद्योगीकरण के 200 वर्ष पूरे होने का प्रतीक होगा। मंगलवार को पीएम मोदी गुवाहाटी में 'एडवांटेज असम 2.0 इन्वेस्टमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर समिट' का उद्घाटन करेंगे। इस समिट में निवेश को बढ़ावा देने के लिए सात मंत्री स्तरीय सत्र और 14 विषयगत सत्र होंगे। इसमें असम के औद्योगिक विकास, वैश्विक व्यापार साझेदारियों और एमएसएमई क्षेत्र की संभावनाओं को प्रदर्शित करने के लिए एक विशाल प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें 240 से अधिक प्रदर्शक भाग लेंगे। प्रधानमंत्री का यह दौरा देश में निवेश, किसानों के कल्याण और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

काश पटेल ने गीता...

सोचता है कि अमेरिकी ड्रीम दम तोड़ चुका है, वह यह देखे। आप पहली पीढ़ी के भारतीय बच्चे से बात कर रहे हैं, जो इस महान राष्ट्र की महत्वपूर्ण एजेंसी का नेतृत्व करने वाला है। ऐसा कहीं और नहीं हो सकता है। 'एक्स' पर एक पोस्ट में काश पटेल ने कहा कि मुझे संघीय जांच ब्यूरो के 9वें निदेशक के रूप में पुष्टि किए जाने पर सम्मानित महसूस हो रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अटॉर्नी जनरल बॉन्डी को अटूट विश्वास और समर्थन के लिए धन्यवाद।

आपसी समझ, विश्वास...

आधिकारिक यात्रा की, जिसका उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी ने किया था। मंत्रालय ने कहा कि इस दौरान तोबगे ने पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। भूटान के पीएम से रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, सूचना एवं प्रसारण मंत्री किरेन रिजिजू, विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा और केंद्र सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने मुलाकात की।

स्कूली शिक्षक बनने...

दस साल बाद नियमों में बदलाव की आवश्यकता क्यों पड़ी ?

यह सही है कि हमने दस साल बाद स्कूली शिक्षक बनने के नियमों में बदलाव किया है। इससे पहले वर्ष 2014 में ऐसा किया गया था। लेकिन वर्तमान में जारी संशोधनों के पीछे 2002 से लागू की गई एनईपी की अहम भूमिका है। जिसके तहत हमें स्कूली शिक्षकों के लिए संशोधित और अपग्रेडेड पाठ्यक्रम की जरूरत थी। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) 2026 में स्कूली छात्रों के लिए नई किताबें लेकर आएगी। इसे देखते हुए हमें भी शिक्षकों को तैयार करने के लिए नया पाठ्यक्रम लाना पड़ेगा। इस साल परिषद इसे लेकर एक पोर्टल भी चलाएगी।

एमएड को पार्ट टाइम करने की क्या वजह है ?

वर्ष-2014-15 तक एमएड पार्ट टाइम होता था। उस वक्त यह दिल्ली विश्वविद्यालय और गांधी ग्राम (अहमदाबाद) में कराया जाता था। फिर इसे बंद कर दिया गया था। लेकिन उसके बाद शिक्षकों की भारी मांग की वजह से अब इसे दोबारा शुरू किया जा रहा है। एनसीटीई ने इसमें केंद्रीय-राज्य विश्वविद्यालयों और इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज को शामिल किया है। परिषद पार्ट टाइम एमएड को उन्हीं विश्वविद्यालयों को चलाने की अनुमति देगी। जहां पहले से फुल टाइम एमएड कार्यक्रम चलाया जा रहा होगा।

पीएआर न भेजने वाले संस्थानों की मान्यता रद्द की जाएगी ?

देश में स्कूली शिक्षक तैयार करने वाले कुल करीब 15 हजार 800 संस्थान हैं। परिषद ने पिछले साल सितंबर महीने में इन सभी को परफॉर्मेंस एप्रेजल रिपोर्ट (पीएआर) भेजने का निर्देश दिया था। लेकिन इनमें से 12 हजार 800 ने ही पीएआर सौंपी है। जबकि 2 हजार 900 संस्थान ऐसे हैं, जिन्होंने एनसीटीई के निर्देश के तहत बताई गई 31 दिसंबर 2024 की अंतिम समय सीमा की अवहेलना की और हमें पीएआर नहीं सौंपी है। अब हमारे पास एनसीटीई एक्ट की धारा-17 के तहत इन संस्थानों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का अधिकार है। जिसमें निर्देशों का पालन न करने वाले संस्थानों को बंद किया जा सकता है, अस्थायी रूप से इनकी मान्यता रद्द की जा सकती है, छात्रों के दाखिले पर रोक लगाई सकती है। लेकिन इनमें से कोई भी कदम उठाने से पहले परिषद आगामी 10 से 12 दिन में उक्त सभी संस्थानों को कारण बताओ नोटिस जारी करेगी। जिसमें इन्हें पीएआर न सौंपने की वाजिब वजह बतानी पड़ेगी। मेरा आकलन यह है कि 2,900 संस्थानों में से कुछ ऐसे भी हो सकते हैं, जिनकी वास्तविक रूप से धरातल पर कोई मौजूदगी ही न हो। हम सबकी पड़ताल करेंगे।

10 साल की बच्ची की हत्या कर कमरे में दफनाया

मां-बाप, बुआ को उम्रकैद की सज़ा

एजेंसी ▶▶ बरेली

यूपी के बरेली जिले की एक अदालत ने 10 साल की बच्ची की हत्या के दोषी उसके मां-बाप और बुआ को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अपर जिला शासकीय अधिवक्ता (एडीजीसी) सचिन कुमार जायसवाल ने शनिवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि सुनवाई पूरी करने के बाद अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अदालत संख्या-6) अरविंद कुमार यादव ने तीनों को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। साथ ही 90 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया। ये मामला अगस्त 2020 का है।

अवैध संबंधों को उजागर करने की धमकी देने पर दस साल की किशोरी के माता-पिता और बुआ ने मिलकर उसकी हत्या कर दी और शव को घर में ही दफना दिया। बुआ के बेटे ने आरोपियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई और अपनी मां और मामा-मामी के विरुद्ध अदालत में गवाही दी। आरोपियों के परिवार में अवैध संबंधों का मामला था और बच्ची हमेशा इसका विरोध करती थी और पूरे प्रकरण का खुलासा करने की धमकी देती थी इसलिए बच्ची को रास्ते से हटा दिया गया। मृतका के फुफेरे भाई 17 वर्षीय सूरज ने थाना इज्जत नगर में 20 अगस्त 2020 को हत्या समेत संबंधित धाराओं में दर्ज कराई थी। सूरज ने पुलिस को बताया कि उसकी वह बचपन से ही अपने मामा के घर रहता है। उसने आरोप लगाया था कि उसके मामा रवि बाबू, मामी ऋतु उसकी मां राधा देवी एक कमरे में उसकी ममेरी बहन काजल के शव को गड्ढा खोदकर उसमें दबा रहे थे। उसकी शिकायती पत्र के बाद पुलिस ने बच्ची के शव को कमरे के अंदर के गड्ढे से बरामद कर लिया। शव का पोस्टमार्टम कराया गया। जिसमें काजल के शरीर पर चोटों के निशान व कलाई की हड्डी दो जगह से टूटी हुई पाई गई।

अखिलेश का भाजपा पर तंज

जो अपने काम में असफल होते हैं वो लक्ष्य की बदलते हैं 'समय-सीमा'

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने वर्ष 2029 तक राज्य की अर्थव्यवस्था को एक हजार अरब डॉलर किए जाने के सरकार के दावे पर शनिवार को तंज कसते हुए कहा कि जो अपने काम में असफल होते हैं, वो लक्ष्य की 'समय-सीमा' बदलते हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, जो अपने काम में असफल होते हैं, वो लक्ष्य की 'समय-सीमा' बदलते हैं, देश-प्रदेश का भविष्य नहीं। उन्होंने राज्य में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधा।

सीएम योगी ने विधानसभा में दिया था बयान

उन्होंने कहा, 2021 में भाजपाइयों ने कहा था कि 2024 तक उप्र की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर (एक हजार अरब डॉलर) की हो जाएगी और अब 2025 में कह रहे हैं, 2029 में उप्र की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन डॉलर की हो जाएगी। यादव ने कहा- जनता को न इनके बीते कल के वादे पर विश्वास था, न आने वाले कल के दावे पर भरोसा है। झूठ भाजपा का पर्याय बन गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा के अनुरूप प्रदेश एक हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है।

चलती कार में ड्राइवर ने ली झपकी

भैंसा को कुचल 3 फीट ऊपर चढ़ी गाड़ी, ड्राइवर बना बंधक

एजेंसी ▶▶ मधुबनी

बिहार के मधुबनी में एक अनियंत्रित कार ने भैंसा को कुचल दिया। फुलहर में एनएच 227 सड़क पर घटना घटी।

चलती कार में ड्राइवर के झपकी लेने के कारण कार अनियंत्रित होकर भैंसा को कुचलते हुए 3 फीट ऊपर नाले पर चढ़ गई। जहां अनियंत्रित कार की चपेट में आने से एक महिला भी गंभीर रूप से जख्मी हो गई। फुलहर नचारी चौक पर हुई घटना शनिवार की बताई जा रही है। लोगों ने कार के ड्राइवर को बंधक लिया जिसे पुलिस ने अपनी हिरासत में ले लिया है।

महिला का निजी अस्पताल में चल रहा इलाज

घायल महिला का इलाज सहरघाट के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। जिसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। जख्मी महिला की पहचान फुलहर गांव के वार्ड नंबर 10 निवासी सुरेश साह की पत्नी ललिता देवी (65) के रूप में हुई है। वहीं इस घटना में फुलहर गांव के ही ललन कामत के भैंसा की कार से कुचल जाने के कारण घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना से आक्रोशित लोगों ने कार चालक को पकड़ कर बंधक बना लिया और फुलहर नचारी चौक पर लोग हो-हंगामा करने लगे। इसकी सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष जितेंद्र सहनी दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचकर चालक को ग्रामीणों के चंगुल से छुड़ाया और थाने ले गए। स्थानीय लोगों से मिली जानकारी के मुताबिक कार सहरघाट के एक विवाह भवन में आयोजित बारात कार्यक्रम से लौट रही थी। जिसमें फुलहर गांव के ही कुछ लोग सवार थे, जो अपने कुटुम्ब के बारात कार्यक्रम से वापस घर लौट रहे थे। जहां फुलहर में नचारी चौक पर कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। कार में सवार लोगों को कोई नुकसान नहीं हुआ। दुर्घटना के बाद कार में सवार लोग अपने घर चले गए।

यूएस-एड द्वारा भारत को 21 मिलियन डॉलर प्रदान किए जाने के दावे का मुद्दा आजकल चर्चा में है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद से भारत में राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। सत्ता दल भाजपा और विपक्षी दल कांग्रेस एक-दूसरे पर पलटवार कर रहे हैं। हालांकि, अमेरिकी यूएस-एड अनुदान रिकार्ड के आधिकारिक ओपन डेटा-सोर्स के मुताबिक भारत को प्रदान की गई अनुदान राशि का कोई उल्लेख ही नहीं है। वर्ष 2008 के पश्चात यूएस-एड द्वारा कोई अनुदान राशि भारत को प्रदान ही नहीं की गई। ट्रंप जिस यूएस-एड की बात कर रहे हैं, वह असल में बांग्लादेश को वितरित की गई थी। इस मुद्दे पर भारत द्वारा चुप्पी साधे रखना भी बड़े सवाल खड़े कर रहा है। इससे देश के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। इन सबके बावजूद, भारत को हर मुद्दे पर अमेरिका के साथ सुपर पावर की तरह पेश आना चाहिए। सबूत भी मांगने चाहिए और दावों का खुलासा करने पर भी जोर देना चाहिए। भारतीय विदेश मंत्रालय के अनुसार संबंधित विभाग और अधिकारी अमेरिकी गतिविधियों और वित्तपोषण के संबंध में अमेरिकी दावों की जांच कर रहे हैं। इन्हीं सब मुद्दों का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

यूएस-एड के दावों की जांच जरूरी

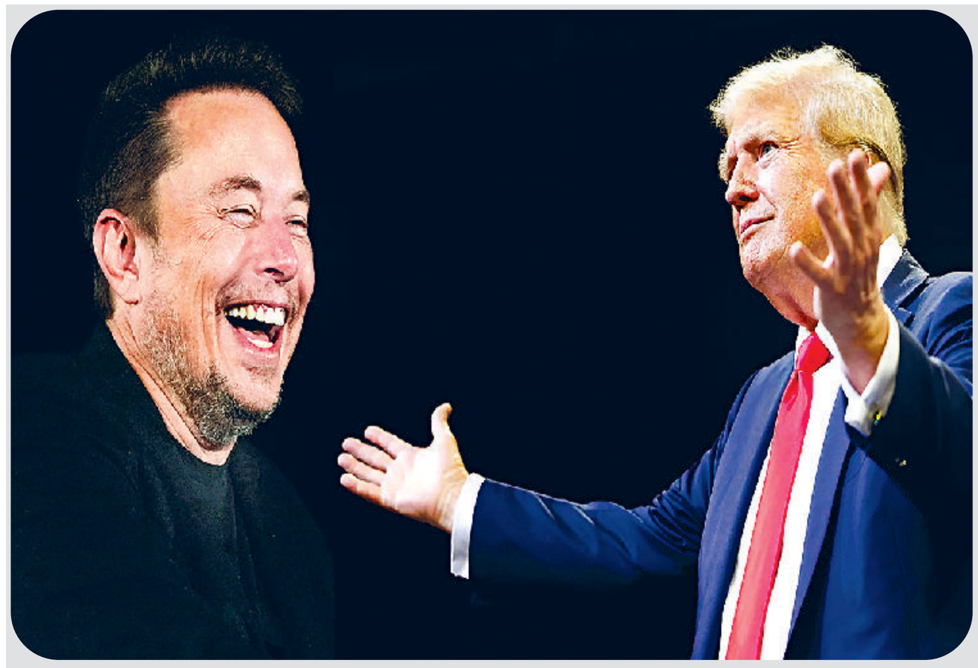

कूटनीति
प्रभात कुमार राय
विदेश मामलों के जानकार

अमेरिकी ट्रंप प्रशासन के दक्षता मंत्रालय के प्रभारी सेक्रेटरी एलन मस्क ने एक बयान में कहा था कि भारत के आम चुनाव को प्रभावित करने के लिए यूएस-एड द्वारा 21 मिलियन डॉलर अर्थात 142 करोड़ रुपये प्रदान किए गए। जिस दौर की यह बात है, तब 70 रुपये का एक डॉलर होता था। आजकल एक डॉलर 85 रुपये है। यूएस-एड द्वारा प्रदान की गई राशि को अब अमेरिकी प्रशासन प्रतिबंधित कर रहा है। एलन मस्क के इस बयान ने भारतीय राजनीति में तूफान सा बरपा कर दिया। एक मीडिया संस्थान की विस्तृत जांच पड़ताल के बाद यह तथ्य अब बाकायदा उद्घाटित हो गया कि यह धन राशि भारत को नहीं बल्कि बांग्लादेश को प्रदान की गई थी।

विगत कुछ दिनों से भारत के राजनीतिक पटल पर जबरदस्त सनसनीखेज झूठ चलता रहा। आखिरकार इस झूठ का भारतीय मीडिया द्वारा बाकायदा पर्दाफाश कर दिया गया है। नितांत झूठ का पर्दाफाश हो जाने के पश्चात अब सियासी सन्नाटा है। इससे एक तथ्य पुनः स्पष्ट हो जाता है कि भारतीय राजनीति में झूठ से परिपूर्ण प्रचार प्रसार का कितना अधिक बोलबाला स्थापित हो गया है। अमेरिकन विदेश मंत्रालय की एक एजेंसी है यूएस-एड जिसका पूरा नाम यूनाइटेड स्टेट एजेंसी फॉर इंटरनेशनल एड एंड डेवलपमेंट है। अमेरिकी ट्रंप प्रशासन के दक्षता मंत्रालय के प्रभारी सेक्रेटरी एलन मस्क ने अपने एक बयान में कहा था कि भारत के आम चुनाव को प्रभावित करने के लिए यूएस-एड द्वारा 21 मिलियन डॉलर अर्थात 142 करोड़ रुपये प्रदान किए गए। जिस दौर की यह बात है, तब 70 रुपये का एक डॉलर होता था। आजकल एक डॉलर 85 रुपये है। यूएस-एड द्वारा प्रदान की गई राशि को अब अमेरिकी प्रशासन प्रतिबंधित कर रहा है। एलन मस्क के इस बयान के बाद भारतीय राजनीति में तूफान सा बरपा गया।

बांग्लादेश को प्रदान की गई थी राशि

एक मीडिया संस्थान द्वारा अंजाम दी गई विस्तृत जांच पड़ताल के बाद यह तथ्य अब बाकायदा उद्घाटित हो गया कि यह धन राशि भारत को नहीं वरन् बांग्लादेश को प्रदान की गई थी। अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने दावा पेश किया था कि वोटर टर्न आउट बढ़ाने के लिए यह धन राशि भारत को प्रदान की गई थी। जुलाई वर्ष 2022 में अमेरिकी यूएस-एड द्वारा 142 करोड़ धन राशि बांग्लादेश के चुनाव में वोटर टर्न आउट बढाने की खातिर अनुदान की गई थी। इस राशि के 13।4 मिलियन डॉलर बांग्लादेश में वर्ष 2024 के आम चुनाव से पहले बाकायदा व्यय किए जा चुके थे। यूएस-एड द्वारा वाशिंगटन की एक संस्था कंसोर्टियम फॉर इलेक्शन एंड पॉलिटिकल प्रोसेस स्ट्रेंथनिंग के माध्यम से 21 मिलियन डॉलर बांग्लादेश की एक स्वयंसेवी संस्था को भेजे गए थे, जबकि ट्रंप प्रशासन के शासकीय दक्षता विभाग के सेक्रेटरी कॉरपोरेट टाइकून एलन मस्क द्वारा बिना किसी पुष्ट आधार के बेबुनियाद बयान दे दिया गया कि 21 मिलियन डॉलर भारत को दिए गए।

भारत ने नहीं किया बयान का खंडन

भारतीय हुकूमत द्वारा एलन मस्क के बयान का वक्त रहते खंडन नहीं किया गया। जबकि फॉरेन एक्सचेंज रेगुलेशन एक्ट (फेरा) के तहत भारत भेजे गए विदेशी धन का संपूर्ण ब्यौरा भारत सरकार के पास विद्यमान रहता है। यहां तक कि एलन मस्क द्वारा दिए गए बयान को अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भी ज्यों का त्यों दोहरा दिया कि भारत को 21 मिलियन डॉलर को प्रदान किए गए थे। फिर क्या था, भारतीय राजनीतिक पटल पर अनेक दिनों तक सियासी कोहराम मचा रहा। भाजपा और कांग्रेस पार्टियां बिना किसी ठोस आधार के केवल ट्रंप प्रशासन द्वारा दिए गए नितांत झूठे बयान के आधार पर परस्पर आरोप प्रत्यारोप के झंझावात में फंस गई। अमेरिकी यूए-एड द्वारा प्रदान किए जाने वाले प्रत्येक अनुदान के साथ ही एक विशिष्ट निष्पादन संलग्न होता है, जिसमें कि उस देश का नाम भी उल्लेखित किया जाता है, जहां कि इस अनुदान को व्यय किया जाना होता है। अमेरिकी यूएस-एड अनुदान रिकार्ड के आधिकारिक ओपन डेटा-सोर्स के मुताबिक भारत को प्रदान की गई यूस-एड की अनुदान राशि का कोई उल्लेख ही नहीं है।

2008 के बाद भारत को नहीं मिली राशि

वर्ष 2008 के पश्चात यूएस-एड द्वारा कोई अनुदान राशि भारत को प्रदान नहीं की गई है। यूस-एड वस्तुतः विभिन्न देशों की सरकारों को विकास कार्यों को आर्थिक सहायता प्रदान करती रही है और स्वयंसेवी संस्थाओं को भी आर्थिक सहायता प्रदान करती है। यूएस-एड द्वारा प्रदान किए जाने वाले धन राशि की समस्त जानकारी डाटा- सोर्स पर बाकायदा उपलब्ध बनी रहती है। उल्लेखनीय है कि यूएस-एड दीर्घ काल से बांग्लादेश के विकास कार्यक्रमों में सक्रिय तौर पर भागीदार बना रहा है। मोहम्मद यूनुस की कयादत में बांग्लादेश की अंतरिम हुकूमत के साथ हाल ही में यूएस-एड द्वारा 200 मिलियन डॉलर के विकास कार्यक्रमों पर दस्तखत किए गए हैं। लोकतांत्रिक जागरुकता उत्पन्न करने के कुटिल नकाब में अमेरिका द्वारा शेख हसीना हुकूमत के तख्ता पटल की साजिश रची गई थी।

जमात-ए-इस्लामी तंजीम के छात्र संगठन के सर्वोच्च लीडर महफूज आलम को यूनुस हुकूमत में मोहम्मद यूनुस के स्पेशल असिस्टेंट का विशिष्ट स्थान प्रदान किया गया है। सरकारी नौकरियों में अवामी लीग से संबंधित लोगों को आरक्षण के विरुद्ध छात्र आंदोलन आरंभ किया गया था। अवामी लीग को प्रदत्त आरक्षण को खत्म कर देने की मांग को शेख हसीना हुकूमत द्वारा तसलीम कर लिया गया था, किंतु इस सबके बावजूद कट्टरपंथी तंजीम जमात-ए- इस्लामी द्वारा प्रेरित और पोषित छात्र आंदोलन बाकायदा पूरी ताकत के साथ जारी रहा। अंततः छात्र आंदोलन की आड़ में जमात-ए-इस्लामी द्वारा शेख हसीना की हुकूमत तख्तापलट कर दिया गया। यूएस-एड द्वारा कथित तौर पर लोकतांत्रिक जागरुकता उत्पन्न करने के लिए प्रदान की गई, यह विशाल धन राशि आखिरकार कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी और उसके लीडर महफूज आलम को सत्ता में आसीन कर गई।

जमात ए इस्लामी को ताकतवर बनाया

नोबेल प्राइज विजेता मोहम्मद यूनुस तो जमात ए इस्लामी के हाथों की कठपुतली बनकर रह गए हैं। महफूज आलम बांग्लादेश की आतंकवादी तंजीम हिजबुल तहरीर का सक्रिय आतंकी रहा है। इस्लामिक कट्टरपंथियों को शक्तिशाली बनाने की जैसी ऐतिहासिक गलती अमेरिका ने पाकिस्तान में अंजाम दी थी और फिर उसका गंभीर परिणाम भी भुगत लिया है। तकरीबन उसी श्रेणी की राजनीतिक गलती अमेरिका ने बांग्लादेश में भी अंजाम दे डाली है। जमात-ए- इस्लामी को ताकतवर बनाकर क्या हासिल कर लेगा अमेरिका नव-साम्राज्यवादी फितरत की अमेरिकी हुकूमत वस्तुतः सीरिया की बशर अल असद हुकूमत का तख्तापलट करने की खातिर अल बगदादी सरीखे जेहादी आतंकवादी की खुले और गुप्त तौर पर सैन्य इमदाद करती रही थी। सीरिया में 85 करोड़ डॉलर का इनाम याफ्ता आतंकवादी सरगना अब अमेरिका चहेता बन बैठा है। दरअसल अमेरिका की कुख्यात खुफिया एजेंसी सीआईए अपनी तख्ता पटल साजिशों को अंजाम देने की खातिर यूस-एड सरीखे विभाग और मुखतलिफ अंतरराष्ट्रीय वित्त पोषित एजेंसियां दुनिया के विभिन्न देशों में सक्रिय स्वयं सेवी संस्थाओं का दुरुपयोग करती ही रहती हैं। शेख हसीना के अब्बा जान बांग्लादेश के निर्माता शेख मुजीब और उनके परिवार की नृशंस हत्या में अमेरिकी सीआईए का हाथ उजागर हुआ था।

अमेरिका नहीं चाहता था बांग्लादेश का निर्माण

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की प्रबल समर्थक रही उस दौर की अमेरिकी सरकार को बांग्लादेश का निर्माण कदाचित स्वीकार्य नहीं था। वस्तुतः भारतीय सेना की सक्रिय दखलंदाजी के फलस्वरूप बांग्लादेश का निर्माण रोकने में अमेरिका नाकाम रहा, किंतु बांग्लादेश के कुछ सैन्य अफसरों के माध्यम से सीआईए शेख मुजीब का कत्ल अंजाम देकर तख्ता पलट कराने में कामयाब रहा। पाकिस्तान की राजसत्ता में अमेरिकी हस्तक्षेप तो सदैव ही सर्वविदित रहा है। चीन के अधिक निकट जाने के कारणवश जुल्फिकार अली भुट्टो की हुकूमत का जनरल जिया-उल-हक द्वारा तख्ता पलट में अमेरिकी सीआईए का हाथ निरूपित किया जाता है, क्योंकि तत्कालीन सोवियत रूसी सेना के विरुद्ध अफगान जिहादियों का सैन्य समर्थन करने के लिए तत्कालीन पाक प्रधानमंत्री भुट्टो कदाचित तैयार नहीं हुए थे। कथित तौर पर आर्थिक और सैन्य सहायता के माध्यम से राजनीतिक और सैन्य दखलंदाजी अंजाम देने का अमेरिकी हुकूमतों का दीर्घकालीन का इतिहास रहा है। अफगानिस्तान में कट्टरपंथी इस्लामिक जिहादी सरगना ओसामा बिन लादेन और उसकी तंजीम अलकायदा की परवरिश और परिपोषण करने के लिए अमेरिका द्वारा अरबों-खरबों खर्च कर दिए गए।

अंततः सोवियत रूस के पराभव के पश्चात अलकायदा और ओसामा बिन लादेन ही अमेरिका के प्रबल दुश्मन बनकर उभरे और उसके जिहादी आतंकवादियों द्वारा सन 2001 के 9-11 को न्यूयॉर्क ट्रेड सेंटर पर नृशंस आक्रमण अंजाम दिया। परिणाम स्वरूप अफगानिस्तान में तकरीबन 20 वर्षों तक अमेरिकन सैन्य दखलंदाजी निरंतर बनी रही, किंतु आखिरकार अमेरिकी सेना को तालिबान के हाथों पराजित होकर और आधुनिकतम हथियारों का बड़ा जखीरा छोड़कर अफगानिस्तान से पलायन कर जाने पर विवश होना पड़ा। लोकतांत्रिक अमेरिका अपने तत्कालीन फायदे की खातिर वैश्विक जिहादियों को तैयार करने वाले सबसे कुख्यात देश पाकिस्तान की विराट पैमाने पर सैन्य और आर्थिक सहायता करता रहा है।

नव साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा मूल कारण

द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात एक महाशक्ति के तौर पर विश्व पटल पर उभरे अमेरिका को कोरिया, वियतनाम और अफगानिस्तान के युद्धों में शर्मनाक पराजयों का तल्ख दीदार करना पड़ा था, क्योंकि अमेरिका ने नव साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षा के कारण प्रायः अनेक देशों में उन राजनीतिक शक्तियों का समर्थन करता रहा, जो प्रायः गैर लोकतांत्रिक और जनविरोधी रही। चिली में जनतांत्रिक तौर से निर्वाचित राष्ट्रपति अलेंदे का कत्ल करा दिया गया। संपूर्ण दक्षिण अमेरिकी देश वस्तुतः अमेरिका के शत्रु बन गए। अमेरिका द्वारा क्यूबा के अत्यंत लोकप्रिय लीडर फिडल कास्त्रो को कत्ल कराने की बेशुमार कोशिशें अंजाम दी गई। सोवियत संघ के अंध विरोध में अमेरिका ने विश्व पटल पर विनाशकारी इस्लामिक जिहादियों को विकट तौर पर ताकतवर बना दिया। रूस के अंध विरोध में रूस-यूक्रेन युद्ध का आगाज कर दिया। लोकतांत्रिक भारत के अंध विरोध में पाकिस्तान के फौजी तानाशाहों का समर्थन और सहायता अंजाम दी।

सॉफ्ट स्टेट की छवि से बाहर निकले भारत

दो टूक
सुनील अमर
स्वतंत्र पत्रकार

भारत और अमेरिका के बीच हाल के दिनों में ऐसी घटनायें हुई हैं जिनसे भारत के प्रति अमेरिका की नयी सरकार का रवैया और खासकर भारत की विश्व स्तरीय छवि तथा संप्रभुता पर सवाल उठने लगे हैं। ये सवाल इसलिए और ज्यादा मारक हो जाते हैं कि भारत सरकार अपने आपको विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बताती है तो प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकन राष्ट्रपति एक दूसरे को 'डियर फ्रेंड' कहकर सम्बोधित करते हैं। ताजा सवाल तथाकथित अमेरिकी सहायता को लेकर है। अमेरिका दुनिया भर में लोकतन्त्र को बढ़ावा देने और ऐसी प्रक्रियाओं की मजबूती के लिए स्वयंसेवी संस्थाओं यानी एनजीओ की मार्फत आर्थिक मदद देता है। अमेरिका में ऐसा करने के लिए वहां की संसद ने सन् 1961 से ही ऐसी व्यवस्था बना रखी है जिसे यूएसएआईडी संक्षेप में यूएसएड कहा जाता है। अमेरिका इनके द्वारा अपने मतलब के देशों में कैसी लोकतांत्रिक व्यवस्था बनाना चाहता है, यह अलग से बहस और खोज का विषय हो सकता है। बीती 19 फरवरी को नवनिर्वाचित अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक भाषण में कहा कि वह भारत में मतदान को बढ़ावा देने के लिए दी जा रही 21 मिलियन डॉलर की अमेरिकी आर्थिक मदद को बन्द कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा - 21 मिलियन डॉलर! वाव!! ये लोग (वाइडन प्रशासन) भारत में किसे जिताना चाहते थे? (उनका इशारा था कि मोदी को हराना चाहते थे)। साथ में उन्होंने व्यंग्यपूर्वक यह भी कहा कि भारत के पास पैसा है क्योंकि वह दुनिया में सबसे ज्यादा टैक्स लगाने वाले देशों में से एक है। बात अमेरिका से निकल कर हिन्दुस्तान तक आयी तो कई तरह के अर्थ समेटे हुए थी।

भाजपा व कांग्रेस बने हमलावर

देश के दो प्रमुख राजनीतिक दल भाजपा और कांग्रेस ने इसे हथियार की तरह एक-दूसरे पर इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। भाजपा इसमें सोरोस को शामिल करते हुए स्व. शीला दीक्षित तक ले गयी तो कांग्रेस भी पुराने रिकार्ड खंगालते हुए इसे शस्मृति ईरानी तक ले गयी। मजे की बात यह रही कि एक दूसरे पर हमला करने को आतुर ये दोनों प्रमुख राजनीतिक दल यह जानना ही नहीं चाहते थे कि सच्चाई क्या है। इन दोनों ने ट्रंप के अधकचरे भाषण को ही सच मान लिया और गुत्थमगुत्था होने लगे! ट्रंप भी एक नेता ही हैं और अपने विरोधी दल को लपेटने का सही या गलत कोई मौका वैसे ही नहीं छोड़ते जैसे कि अपने यहां के नेतागण। सच का पता लगाया एक खोजी पत्रकार ने। महज इन्टरनेट के सहारे पता लगाया कि ट्रंप जिस 21 मिलियन डॉलर की राशि को भारत को दिया जाना बता रहे थे वह असल में बांग्लादेश के लिए मंजूर हुई थी और उसमें से अब तक लगभग साढ़े तेरह मिलियन डॉलर बांग्लादेश को दी भी जा चुकी है, जिसे वहां के छात्र आन्दोलन को खड़ा करने में खर्च किया गया।

भारतीय रवैया निराशाजनक

इसका नतीजा अगस्त 2024 में वहां निर्वाचित सरकार के तख्तापलट के रूप में हुआ। लोकतन्त्र मजबूत करने की अमेरिकी मंशा को आप यहां ठीक से समझ सकते हैं। इस सारे प्रकरण में सबसे

निराशाजनक रवैया भारत सरकार का रहा। बुधवार को सामने आये इस प्रकरण पर शुक्रवार को विदेश मंत्रालय जागा और उसका रवैया भी आधिकारिक कम, राजनीतिक ज्यादा रहा। इसके अगले दिन एक अंग्रेजी अखबार ने 21 मिलियन डॉलर भारत नहीं बांग्लादेश को दिए जाने की खबर प्रमाण सहित छापी लेकिन इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भारत सरकार या विदेश मंत्रालय का कोई भी स्पष्टीकरण नहीं आया है।

जिस पैमाने पर भारत सरकार को इस फंडिंग फ्रॉड पर एतराज करना चाहिए था वैसा अभी तक किया नहीं गया। आरोप सरकार बनाने/गिराने का लगा हो तो ऐसे में राजदूत तक तलब कर लिए जाते हैं। दूसरा मामला है अवैध रूप से अमेरिका गये या रह रहे भारतीयों का। दुनिया के हर देश के नागरिक एक-दूसरे देशों में आते-जाते और रहते हैं। अमेरिका जैसे सम्पन्न देशों की तरफ लोग ज्यादा आकर्षित होते हैं।

अमेरिका और उससे सटे कनाडा में तो भारतवंशियों की भरमार है। बताया जा रहा है कि अमेरिका में अवैध रूप से 18000 से अधिक भारतीय रह रहे हैं। ट्रंप ने अपने चुनावी भाषणों में ही कहा था कि सत्ता में आने पर वे देश से अवैध प्रवासियों को निकाल देंगे। लेकिन जिस तरह से वे अपमानपूर्वक भारतीयों को निकाल रहे हैं उस पर सारी दुनिया को हैरत है और चर्चा हो रही है। महिलाओं तक को हथकड़ी-बेड़ी लगाकर, सिखों की पगड़ी उतारकर, सेना के जहाज में लादकर, भूखे-प्यासे इतनी लम्बी यात्रा कराकर ऐसे भारतीयों को भेजा जा रहा है। ऐसी पहली खेप आने के बाद ही प्रधानमन्त्री मोदी अमेरिका गये थे और माना जा रहा था कि वे इस अपमानजनक रवैये पर ट्रंप से बात करेंगे। प्रायः इस तरह की कूटनीतिक बातें पर्दे के पीछे ही होती हैं। लेकिन लगता है या तो भारत ने अपना एतराज जताया नहीं या फिर अमेरिका माना नहीं क्योंकि उसके बाद से भारतीयों को उसी तरह लाद कर दो खेप और आ चुकी हैं। ट्रंप की मंशा तो साफ है कि जो लोग अवैध रूप से अमेरिका में घुसे हैं वो अपराधी हैं और उनके साथ वैसा ही सलूक किया जाएगा। लेकिन अपने को विश्वगुरु कहने वाला भारत, सवा पांच करोड़ की आबादी वाले दक्षिण अमेरिकी देश कोलम्बिया की तरह विरोध तो कर सकता था जिसने ऐसे ही एक अमेरिकी सैन्य विमान को अपने यहां उतरने की अनुमति देने से इनकार कर दिया और कहा कि वह अपने नागरिकों को स्वयं अपने विमान से सम्मानपूर्वक ले आएगा। भारत एक सम्प्रभु राष्ट्र है और सम्प्रभु होने के सारे संसाधन भारत के पास हैं लेकिन संप्रभुता की रक्षा का माद्दा भी तो होना चाहिये। फंडिंग मामले में देश को विरोध का जो स्टैंड लेना चाहिए वो नहीं लिया गया। सरकार अमेरिका से सख्ती से पूछती तो विरोधी दलों का मुंह अपने आप बन्द हो जाता। देश में एफसीआरए कानून है जो विदेशी फंडिंग को नियंत्रित करता है। कैसे सम्भव है कि 21 मिलियन डॉलर की रकम देश में आती है और सरकार को पता ही नहीं है! इसी कानून का प्रयोग करके मोदी सरकार अब तक करीब 21000 संगठनों का विदेशी सहायता लेने का लाइसेंस रद कर चुकी है।

सच्चाई को जानना जरूरी

चुनाव आयोग ने तो सन् 2023 के कर्नाटक चुनाव के दौरान नेशनल पेमेन्ट कारपोरेशन को आदेश दिया था कि वह ऑनलाइन फंड ट्रांसफर पर निगाह रखे ताकि राजनीतिक दल इस रास्ते से अवैध धन न ले सकें। इतने सारे साधन-संसाधन और फिर भी सच्चाई जाने बगैर ट्रंप के भाषण पर भरोसा करके हवा में मुक्के चलाये जा रहे हैं! और फिर यूएसएड के धन से सिर्फ चुनावी सुधार ही नहीं होते बल्कि मानवीय सहायता, वैश्विक स्वास्थ्य, शिक्षा और जलवायु परिवर्तन जैसे कार्यों पर भी यह धन खर्च किया जाता है। धन कहां खर्च हो रहा है, यह सरकार से बेहतर कौन जान सकता है!

ट्रंप प्रशासन के साथ सचेत रहे भारत

विश्लेषण
शंभू भद्र
वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जब से दूसरी बार सत्ता संभाली है, वैश्विक स्तर पर हलचल तेज हो गई है। भू-राजनीतिक समीकरण बदल रहे हैं, अमेरिकी सरकार एक लिमिटेड कंपनी की तरह आचरण कर रही है, अमेरिका को ग्रेट बनाने के अभियान में ग्लोबल स्तर पर अमेरिकी फंडिंग रोकी जा रही है। मस्क और ट्रंप भारत को लेकर सनसनीखेज दावे कर रहे हैं, गाजा को खाली कराकर नए सिरे से निर्माण की योजना पेश की जा रही है। यूएस यूक्रेन के बिना रूस से वार्ता कर रहा है, यूक्रेन को उसके हाल पर छोड़ा जा रहा है, युद्ध के दौरान यूक्रेन को की गई अमेरिकी आर्थिक मदद करीब 300 अरब यूएस डॉलर की वसूली की बात कही जा रही है। शक्तिशाली नाटो की हवा निकाली जा रही है। यूरोप को ट्रंप प्रशासन समझ नहीं आ रहा है क्योंकि यूरोप के बजाय अमेरिका रूस के प्रति नरम रुख अपना रहा है। चीन के प्रति भी ट्रंप शांत दिख रहे हैं। फिजूल खर्ची कम करने के लिए पहले अमेरिका जलवायु करार व विश्व स्वास्थ्य संगठन से बाहर आया, अमेरिकी सरकारी विभाग में छंटनी की तैयारी हो रही है और अमेरिकी अंतराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) की ओर से दूसरे मुल्कों को की जा रही फंडिंग रोकी गई है। ट्रंपवाद के साये में नया अमेरिका है, जिसमें दो बिजनेसमैन (राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और अमेरिकी सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) के प्रमुख एलन मस्क) की जोड़ी बचत व मुनाफे वाली आर्थिकी का मुहावरा गढ़ रही है।

अमेरिका विश्वसनीय नहीं रहा

वर्ष 1947 में आजादी के बाद से करीब पांच दशक तक अमेरिकी नीति पाकिस्तान परस्त और भारत विरोधी रही है। उदारीकरण के बाद से करीब तीन दशक में अमेरिकी नीति में शिफ्टिंग हुई और वह धीरे धीरे भारत के करीब होता गया। भारत के लिए रूस हमेशा भरोसेमंद रहा है, अमेरिका कभी भी विश्वसनीय नहीं रहा। अपने आपसी संबंधों में अमेरिका ने हमेशा अपने फायदे को आगे रखा है। वर्ष 2008 में असैन्य परमाणु करार के बाद भारत व अमेरिका में भरोसा बढ़ना शुरू हुआ, जो अभी दोस्ती के स्तर तक पहुंचा है। ट्रंपवाद में यह भरोसा दरक सकता है। इस समय अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत को लेकर अधिक मुखर हैं। अवैध प्रवासियों को हथकड़ियों में भारत भेजना, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप की द्विपक्षीय वार्ता से ठीक पहले अमेरिकी सरकार का रेसिप्रोकल टैक्स का ऐलान करना और भारत को अधिक आयात के लिए समझौते का दबाव बनाना दो दशक से मजबूत हुए इंडो-यूएस रिश्ते को दांव पर लगाने जैसा है।

लोकतांत्रिक प्रक्रिया में दखल

अब ट्रंप का दावा करना कि भारत में 'मतदान प्रतिशत' बढ़ाने के लिए पूर्ववर्ती बाइडन प्रशासन के समय यूएसएड के जरिये 2.1 करोड़ डॉलर की फंडिंग की गई थी, भारतीय लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सीधा दखल है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को वाशिंगटन में 'रिपब्लिकन गवर्नर्स एसोसिएशन' की बैठक को संबोधित करते हुए यह दावा किया। ट्रंप ने मियामी में एफआईआई प्राथमिकता शिखर

सम्मेलन में भारत को मिलने वाले वित्त पोषण पर चिंता जताई थी और दावा किया था कि 'किसी और को निर्वाचित कराने' का प्रयास किया जा रहा था। उन्होंने 'मतदान प्रतिशत' बढ़ाने के लिए भारत को 2.1 करोड़ डॉलर प्रदान करने के उद्देश्य पर सवाल उठाया था। उनकी टिप्पणी एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) द्वारा यह खुलासा किए जाने के बाद आई है कि अमेरिकी संस्था 'यूएसएड' ने भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग को 2.1 करोड़ डॉलर का योगदान दिया है। भारत ने ट्रंप के इस दावे को गंभीरता से लिया है।

भारत ने कहा कि देश में कुछ गतिविधियों के लिए 'यूएसएड' द्वारा वित्त पोषण किए जाने के बारे में खुलासे 'बेहद परेशान करने वाले' हैं और इससे देश के आंतरिक मामलों में विदेशी हस्तक्षेप को लेकर चिंता पैदा हुई है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि संबंधित विभाग और अधिकारी कुछ अमेरिकी गतिविधियों और वित्तपोषण के संबंध में अमेरिकी प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी की जांच कर रहे हैं। वोटर टर्नआउट के लिए 2.1 करोड़ डॉलर की अमेरिकी फंडिंग अगर नरेन्द्र मोदी व भाजपा की राह रोकने के लिए हुई है तो यह और भी चिंता की बात है। चूंकि डोनाल्ड ट्रंप ने अभी तक इसका कोई सबूत नहीं दिया है, उल्टे उन्होंने बांग्लादेश को भी दी जा रही 29 अरब डॉलर की यूएस मदद पर भी सवाल उठाया है। एक मीडिया रिपोर्ट में वोटर टर्नआउट के लिए 2.1 करोड़ डॉलर की अमेरिकी फंडिंग बांग्लादेश में होने की बात सामने आई है। इसलिए इस पूरे मामले की जांच जरूरी है। भारतीय लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला करने वाले लोगों को बेनकाब किया जाना चाहिए। यह मदद किसने ली, किस मकसद से ली, कैसी ली, सभी तथ्यों का पर्दाफाश जरूरी है। फंडिंग विवाद की जड़ तक पहुंचना आवश्यक है। अमेरिका ने 16 फरवरी को अंतरराष्ट्रीय गैर सरकारी संगठन 'कंसोर्टियम फॉर इलेक्शंस एंड पॉलिटिकल प्रोसेस स्ट्रेंथनिंग' (सीईपीपीएस) को अनुदान के रूप में कई देशों को दी जा रही 48.6 करोड़ (लगभग 4300 करोड़ रुपये) अमेरीकी डॉलर की वित्तीय सहायता पर रोक लगाई है। तो क्या अमेरिका मतदान प्रतिशत बढ़ाने के नाम पर भारत में मोदी को सत्ता से बेदखल करने की साजिश रच रहा था? ट्रंप प्रशासन को भी इस बारे में जांच करनी चाहिए। यूएसएड से मिली मदद का इस्तेमाल जिस संस्था के जरिए हुआ, उससे जॉर्ज सोरोस का भी कनेक्शन है।

अमेरिकी फंडिंग की जांच कराएं

अमेरिकी उद्योगपति जॉर्ज सोरोस कई बार भारत में नरेन्द्र मोदी की सरकार को हटाने के लिए मुहिम चलाने का ऐलान कर चुके हैं। यूएसएड से जो पैसा लिया गया, उसमें दावा किया गया कि भारत में दलित और पिछड़े वर्ग के मतदाता वोटिंग में कम हिस्सा लेते हैं, इसलिए इन तबकों तक पहुंचने में, उन्हें वोटिंग के लिए प्रोत्साहित करने में इस पैसे का इस्तेमाल होगा। संयोग देखिए कि राहुल गांधी ने भारत में जातिगत जनगणना को लेकर आवाज बुलंद की और अपनी अमेरिकी यात्रा के दौरान भारत में लोकतंत्र खतरे में है की बात कही। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को फायदा भी हुआ। अमेरिकी फंडिंग की इसलिए गहराई से जांच होनी चाहिए। कांग्रेस ने यूएसएड की भारत में फंडिंग पर श्वेतपत्र लाने की मांग सरकार से की है। भारतीय लोकतंत्र में बाधा डालने वाले बहुत विदेशी उपद्रवी हैं। भारत को बांग्लादेश में भी अमेरिकी भूमिका की जांच करनी चाहिए। अमेरिका इसमें मदद करे। हर मुद्दे पर अमेरिका के साथ भारत को ठसक के साथ पेश आना चाहिए, सबूत मांगना चाहिए और दावों का खुलासा करना चाहिए। भारत दस वर्ष में सॉफ्ट स्टेट की छवि से बाहर निकला है, अब अमेरिका के साथ ट्रेड, टैक्स व कूटनीतिक डील में भारत को सॉफ्ट स्टेट जैसा व्यवहार नहीं करना चाहिए। भारत को एक सुपर पावर जैसा व्यवहार करना चाहिए।

महाकुंभ में सारे अनुमान ध्वस्त

डुबकी

डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या 60 करोड़ के पार पहुंची, फिर भी नहीं थम रहा श्रद्धालुओं का रेला

शनिवार को भी संगम पर आस्था हिलोर मारती दिखी। हर मार्ग पर श्रद्धालुओं का रेला चलता दिखा। आस्था के जनज्वार का अनुमान इससे ही लगाया जा सकता है कि दिन में 12 बजे तक ही 71 लाख से अधिक लोग संगम स्नान कर चुके थे।

सर्वसिद्धिप्रदः कुंभः महाकुंभ 2025

एजेंसी ▶▶ महाकुंभ नगर

महाकुंभ के समापन में अब महज चार दिन शेष हैं। इसके अलावा साप्ताहिक अवकाश है। ऐसे में शनिवार को अधिक भीड़ की उम्मीद पहले से थी और इसकी झलक भी शुक्रवार शाम को दिख गई। श्रद्धालुओं के आने का क्रम शुक्रवार रात से ही शुरू हो गया था। शनिवार की सुबह तो हर प्रमुख मार्ग पर लोग ही दिख रहे थे। शनिवार को दिन में 12 बजे तक 71.18 लाख लोग स्नान कर चुके थे। इस तरह से शनिवार को दिन में 12 बजे तक ही 60.02 करोड़ से अधिक लोग संगम में डुबकी लगा चुके थे। इसके बाद भी भीड़ लगातार बढ़ रही है।

41 में से 23 दिन एक करोड़ से अधिक ने किया स्नान

13 जनवरी को महाकुंभ की शुरुआत हुई थी।शनिवार तक 41 दिन हो गए। 41 दिन में से 23 दिन में एक करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई।

अभी 4 दिन शेष महाशिवरात्रि से पहले टूटेंगे सारे रिकॉर्ड महाकुंभ का 4 दिन बाद समापन होगा। माना जा रहा है कि प्रयागराज में करोड़ों लोगों का एक ऐसा जनसैलाब आने वाला है कि कई पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त हो जाएंगे। ऐसा इसलिए क्योंकि अब महाशिवरात्रि आने को है।

अयोध्या में भी लगा 'महाकुंभ'

दोगुना भक्त कर रहे रामलला के दर्शन, देर रात तक खुले रहे मंदिर

अयोध्या। मंदिर में विराजमान रामलला अब पहले से दोगुणा भक्तों को दर्शन दे रहे हैं। भक्तों की संख्या अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाने के कारण मंदिर को पखवारे भर से अधिक समय से मध्यरात्रि 12 बजे के बाद भी खोलना पड़ रहा है। श्रद्धालु बढ़ने पर ट्रस्ट ने दर्शन अवधि तो बढ़ाई , बावजूद इसके 17 घंटे भी कम पड़ जा रहे हैं।

जनता सहकारी बैंक लिमिटेड का अमृत महोत्सव

सहकारिता ने लाई क्रांति, सभी सहकारी बैंक अब हो रहे सक्षम

एजेंसी ▶▶ पुणे

पुणे में जनता सहकारी बैंक लिमिटेड के अमृत महोत्सव के समापन समारोह में अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने केंद्रीय सहकारिता मंत्रालय की शुरुआत की है। इस मंत्रालय के जरिए देश में कई चीजों में क्रांति आई है। मंत्रालय सहकार से समृद्धि के आदर्श वाक्य पर काम करता है।

जनता सहकारी बैंक भी उसी तर्ज पर काम करता है। उन्होंने कहा कि देश में 1465 शहरी सहकारी बैंक हैं और 400 से अधिक अकेले महाराष्ट्र में हैं। हम एक विशेष संगठन को सक्रिय कर रहे हैं। जो सभी सहकारी बैंकों की हर संभव तरीके से मदद करेगा। इसके लिए 300 करोड़ रुपए का बजट भी मंजूर किया गया है।

सहकारी क्षेत्र के योगदान से हासिल करेंगे लक्ष्य

अमित शाह ने सहकारिता को लेकर केंद्र की योजनाओं की जानकारी दी। अमित शाह ने कहा कि पीएम मोदी ने भारत के लिए दो लक्ष्य तय किए हैं। पहला 2047 तक विकसित भारत और 5 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था। ये दोनों लक्ष्य सहकारी क्षेत्र के योगदान से हासिल किए जा सकते हैं।

सरकार की उपलब्धियों को गिनाया, राहुल को 'सुनाया'

शाह प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों को प्रमाणपत्र वितरित करने के लिए एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं की उपलब्धियों को गिनाया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जब केंद्र सरकार जनधन खाते खोल रही थी, तब विपक्षी नेता इसका मजाक उड़ा रहे थे। जब हम सभी देशवासियों के जनधन खाते खोल रहे थे, तब राहुल कह रहे थे कि जनधन खाते खोल तो रहे हैं, लेकिन उसमें पैसे कहां से आएंगे? आज हमने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 10 लाख लोगों को एक ही क्लिक में पैसा दे दिया है।

द्वारका में अवैध धार्मिक ढांचे के निर्माण पर बवाल

अतिक्रमण हटाने पहुंचा अमला तो विवाद बढ़ गया, आखिरकार लगाना पड़ा कर्फ्यू

काठे गली से नागजी चौक की सड़क पर विरोध

एजेंसी ▶▶ नासिक

महाराष्ट्र के नासिक जिले में शनिवार को द्वारका के काठे गली इलाके में उस वक्त कर्फ्यू लगा दिया गया। जब कथित तौर पर अवैध धार्मिक ढांचे के निर्माण को विवाद बढ़ गया। काठे गली से नागजी चौक की ओर जाने वाली सड़क पर एक अवैध धार्मिक स्थल के निर्माण को लेकर विरोध शुरू हुआ। धार्मिक स्थल पर अतिक्रमण हटाने के लेकर हिंदुत्व संगठन आक्रामक हो गए। इसे लेकर संगठनों ने विरोध-प्रदर्शन की चेतावनी दी थी।

साधु-संतों की गिरफ्तारी से तनाव

पुलिस ने कुछ साधु-संतों को गिरफ्तार करना भी शुरू कर दिया है। आवाजाही को प्रतिबंधित करने के लिए बैरिकेड्स लगाए गए हैं। महंत सुधीरदास पुजारी और कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया है और महंत अनिकेत शास्त्री को घर में नजरबंद कर दिया गया है। इस मामले में पुलिस उपायुक्त ने मुंबई नाका और भद्रकारी पुलिस सीमा के अंतर्गत आस-पास के इलाकों की सड़कें बंद कर दी गई हैं।

सहमति से हटाई 168 साल पुरानी मस्जिद

पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में हटाया

मेरठ। दिल्ली रोड पर जगदीश मंडप के पास शुक्रवार देर रात लगभग डेढ़ बजे 168 साल पुरानी मस्जिद को हटा दिया गया। नमो भारत रैपिड निर्माण कार्य के चलते आपसी सहमति से मस्जिद हटाने का काम शुरू किया गया। इस दौरान पुलिस बल मौजूद रहा।

कांग्रेस विधायकों ने विधानसभा में ही बिताई रात

विधानसभा में 'आपकी दादी' कहे जाने के विवाद ने राजनीतिक बवाल खड़ा किया

एजेंसी ▶▶ जयपुर

राजस्थान विधानसभा में भाजपा मंत्री अविनाश गहलोत द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को 'आपकी दादी' कहे जाने के विवाद ने राजनीतिक बवाल खड़ा कर दिया। इस टिप्पणी का विरोध करने पर कांग्रेस पार्टी के 6 विधायकों को निलंबित कर दिया गया, जिसके बाद विधायकों ने पूरी रात विधानसभा में बिताई। मंत्री से माफी की मांग की। में राजस्थान कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, विपक्ष के उपनेता रामकेश मीना, अमीन कागजी, जाकिर हुसैन गेसावत, हकीम अली खान और संजय कुमार जाटव शामिल हैं। कांग्रेस विधायक विवादित टिप्पणी पर अविनाश गहलोत से माफी मांगने की मांग की है।

मुख्यमंत्री भजनलाल को जान से मार दूंगा

राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा को जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी भरा कॉल दौसा सेंट्रल जेल से आया है।

पुलिस कंट्रोल रूप में फोन करने वाले ने कहा कि वह शनिवार रात को 12 बजे पहले राजस्थान सीएम को जान से मार देगा।'राजस्थान मुख्यमंत्री को जाने से मारने की धमकी मिलने के बाद उनकी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। साथ ही जयपुर पुलिस ने पूरे मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी और दौसा जेल से धमकीभरा फोन कॉल करने की वाले की पहचान भी कर ली है।

सोना या शेयर... कहां पैसा लगाना ज्यादा फायदेमंद

- दोनों के 20 साल के रिटर्न से समझें पूरी रणनीति
- सोने की कीमतों में 2023-2025 में बढ़ोतरी जारी
- भू-राजनीतिक तनाव से कीमतें प्रभावित हुई
- सोने व सेंसेक्स ने पिछले 20 वर्षों में समान रिटर्न दिया

सोना रोज नए रिकॉर्ड बना रहा है। 2023 और 2024 में सोने की कीमतों में 13% और 27% की बढ़ोतरी देखी गई। 2025 में भी यह तेजी जारी है। अब तक इससे लगभग 10% का रिटर्न मिल चुका है। इस सोने की दौड़ के पीछे कई कारण हैं। इनमें बढ़ती महंगाई, भू-राजनीतिक अनिश्चितता और शेयर बाजार में गिरावट शामिल हैं। ऐतिहासिक रूप से सोने को इन जोखिमों से बचाव का सबसे अच्छा तरीका माना जाता रहा है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

वर्ष 2023 से सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी देखी गई है, जो 2025 में भी जारी है। ये बढ़ोतरी भू-राजनीतिक तनावों, मुद्रास्फीति और शेयर बाजार की गिरावट के कारण हुई है। पिछले 20 वर्षों में सोना और सेंसेक्स ने समान रिटर्न दिया है, जिससे दोनों निवेशों की अहमियत स्पष्ट होती है। सोना रोज नए रिकॉर्ड बना रहा है। 2023 और 2024 में सोने की कीमतों में 13% और 27% की बढ़ोतरी देखी गई। 2025 में भी यह तेजी जारी है। अब तक इससे लगभग 10% का रिटर्न मिल चुका है। इस सोने की दौड़ के पीछे कई कारण हैं। इनमें बढ़ती महंगाई, भू-राजनीतिक अनिश्चितता और शेयर बाजार में गिरावट शामिल हैं। ऐतिहासिक रूप से सोने को इन जोखिमों से बचाव का सबसे अच्छा तरीका माना जाता रहा है।

इस बात को भूल जाते हैं लोग

अंतराष्ट्रीय सोने की कीमत अमेरिकी डॉलर में होती है। डॉलर में किसी भी मजबूती का मतलब भारतीय रुपये में कमजोरी है। ऐतिहासिक रूप से रुपये ने डॉलर के मुकाबले मूल्य खोया है। इसलिए जब रुपया कमजोर होता है तो सोने का मूल्य बढ़ता है। यह सोने के भारतीय रुपये-मूल्यवर्ग के रिटर्न को बढ़ाता है। भारतीय निवेशकों के लिए सोने में अतिरिक्त रिटर्न (सालाना 2% और 3% के बीच) रुपये के अवमूल्यन से आया है।

इसलिए डायवर्सिफिकेशन जरूरी : सोना और स्टॉक अलग-अलग प्रकार के निवेश हैं, उन्होंने दो दशकों में समान रिटर्न प्रदान किया है। एक दूसरे से बेहतर हैं या नहीं यह बाजार की स्थितियों, जोखिम की भूख और निवेश लक्ष्यों पर निर्भर करता है। इक्विटी और बॉन्ड के साथ सोने में अच्छा निवेश कॉन्सेंट्रेशन रिस्क को कम करते हुए पोर्टफोलियो को स्थिरता प्रदान करता है। कुल मिलाकर आपके एसेट एलोकेशन के हिस्से के रूप में दोनों का सही अनुपात में होना जरूरी है।

सोने में तेजी की वजह क्या

2020 के बाद भू-राजनीतिक तनाव ने सोने की कीमतों को हवा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दरों में कटौती के अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल-हमास संघर्ष और चीन-ताइवान के बीच बढ़ते तनाव के चलते सोने की कीमतें बढ़ी हैं। इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में वापसी से वैश्विक अनिश्चितता बढ़ गई है। ट्रंप की टैरिफ नीतियां व्यापार युद्ध शुरू कर सकती हैं। इसका वैश्विक मुद्राओं पर महत्वपूर्ण असर पड़ेगा। सोने का भाव देश में 89 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया है। कुछ समय पहले बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स भी 25 सितंबर, 2024 को पहली बार 85,000 के स्तर को पार कर गया था। सेंसेक्स 27 सितंबर, 2024 को 85,978 के सर्वकालिक ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। यह 85,571 पर बंद हुआ था, जो अब तक का सबसे ऊंचा लेवल है। आइए देखते हैं कि पिछले 20 वर्षों में रिटर्न के मामले में दोनों में किसने बाजी मारी है।

किसने मारी बाजी

2005 में सेंसेक्स 8,000 पर था। वहीं, सोना लगभग 7,000 रुपये प्रति 10 ग्राम था। 2025 में सोना और सेंसेक्स (29 सितंबर, 2024) दोनों 85,000 रुपये को पार कर गए। दोनों के बीच यह स्तर छूने में चार महीने का अंतर रहा। हालांकि, एक लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट व्यू ऐसे अंतरों को दूर करता है। चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) फॉर्मूला का इस्तेमाल करते हुए दोनों एसेट्स ने पिछले 20 सालों में 12% से 13% का वार्षिक रिटर्न दिया है। क्या यह एक अद्भुत संयोग नहीं है? लेकिन एक बात है, जिसे लोग अक्सर भूल जाते हैं।

एसबीआई जन निवेश की 250 रुपये वाली एसआईपी कितनी बेहतर होगी

- इस योजना में कितना मिलेगा रिटर्न, किस स्कीम में जाएंगे आपके पैसे
- निवेश करने से पहले इस स्कीम के पिछले आंकड़े जांचे

तैयारी
बिजनेस डेस्क

एसबीआई म्यूचुअल फंड ने हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के साथ मिलकर जन निवेश एसआईपी लॉन्च की है, जिसके जरिये सिर्फ 250 रुपये की मंथली एसआईपी से निवेश की शुरूआत की जा सकती है। इसे म्यूचुअल फंड में निवेश को आम लोगों के बीच और पॉपुलर बनाने वाला कदम बताया जा रहा है। जो लोग इस जन निवेश एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड में पैसे लगाना चाहते हैं, उनके मन में पहला सवाल होगा कि इसमें निवेश करने पर कितना रिटर्न मिलने की उम्मीद की जा सकती है। इस सवाल का जवाब जानने के लिए सबसे पहले तो यह मालूम होना चाहिए कि जननिवेश एसआईपी के जरिये जमा की जाने वाली हर रकम एसबीआई म्यूचुअल फंड की किस स्कीम में लगाई जाएगी। इसके बाद उस स्कीम के पिछले रिटर्न के आंकड़े यह अंदाजा लगाने में मदद करेंगे कि निवेश करने पर कितना रिटर्न मिलने की संभावना हो सकती है।

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में जाएगी रकम

सबसे पहले बता दें कि जन निवेश एसआईपी से मिलने वाली सारी रकम एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में निवेश की जाएगी, जो एसबीआई म्यूचुअल फंड की एक हाइब्रिड स्कीम है। जैसा कि नाम से जाहिर है, यह एक बैलेंस्ड एडवांटेज फंड है, जिसे हाइब्रिड म्यूचुअल फंड की कैटेगरी में रखा जाता है। डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड भी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का ही दूसरा नाम है।

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की क्या है खूबी

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड या डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसके जरिये निवेशकों के पैसों को बाजार की परिस्थितियों के हिसाब से इक्विटी और डेट में डायनैमिक ढंग से इनवेस्ट किया जाता है। सेबी के नियमों के तहत बैलेंस्ड एडवांटेज फंड के पोर्टफोलियो में इक्विटी और डेट दोनों की हिस्सेदारी 0 से 100 फीसदी तक कुछ भी हो सकती है। किस वक्त किस एसेट क्लास में कितने पैसे लगाने हैं, यह फैसला पूरी तरह फंड मैनेजर की समझदारी से किया जाता है. अगर मैनेजर को लगता है कि इक्विटी में रिटर्न गिरने वाला है, तो वह फंड को इक्विटी से डेट की तरफ ट्रांसफर कर सकता है और अगर शेयर बाजार में बेहतर रिटर्न की गुंजाइश नजर आती है, तो वह इक्विटी में फंड एलोकेशन बढ़ा सकता है। यानी इस हाइब्रिड फंड में पैसे लगाने पर निवेशकों को इक्विटी और डेट दोनों में निवेश का फायदा मिलने की उम्मीद रहती है। यही वजह है कि इसे संतुलित रिटर्न देने वाली स्कीम माना जाता है।

एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का लंपसम रिटर्न

- 1 साल का रिटर्न : 9.9%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 12.69%
- लॉन्च से अब तक का औसत सालाना रिटर्न : 11.63%

ऐसा है फंड

एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का बेंचमार्क निफ्टी-50 हाइब्रिड कंपोजिट डेबट 50:50 इंडेक्स है, जिसका 1 साल का रिटर्न 9.23%, 3 साल का 9.48% और लॉन्च से अब तक रिटर्न 8.67% रहा है. रिटर्न के ये आंकड़े एसबीआई म्यूचुअल फंड की वेबसाइट से लिए गए हैं। 31 जनवरी 2025 को स्कीम का एक्सपेंस रेशियो रेगुलर प्लान के लिए 1.57% और डायरेक्ट प्लान के लिए 0.69% था. एसबीआई म्यूचुअल फंड की इस स्कीम का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 18 फरवरी 2025 तक अपडेटेड आंकड़ों के मुताबिक 32,953.27 करोड़ रुपये था।

एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का एसआईपी रिटर्न

- 1 साल का एसबीआई रिटर्न (एन्युलाइज्ड) : 0.99% (रेगुलर प्लान), 1.92% (डायरेक्ट प्लान)
- 3 साल का एसबीआई रिटर्न (एन्युलाइज्ड): 12.55% (रेगुलर प्लान), 13.6% (डायरेक्ट प्लान)

ऐसे कर सकते हैं निवेश

जननिवेश स्कीम को लॉन्च किए जाने से पहले एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में मिनिमम एसआईपी अमाउंट 500 रुपये था, लेकिन अब नई पहल के तहत इसमें मिनिमम 250 रुपये की एसआईपी से भी निवेश की शुरुआत की जा सकती है। नई पहल के तहत एसबीआई म्यूचुअल फंड की इस स्कीम में एसबीआई योनो ऐप के अलावा पेटीएम, जिरोधा और ग्रो जैसे डिजिटल फिनटेक प्लेटफॉर्म के जरिये भी निवेश किया जा सकता है। इससे इनवेस्टर अपने मोबाइल से ही एसबीआई की शुरुआत कर पाएंगे।

पिछला रिटर्न भविष्य की गारंटी नहीं

एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड के पिछले रिटर्न के आंकड़े देखकर आप इस स्कीम के अब तक के प्रदर्शन का अंदाजा लगा सकते हैं. लेकिन म्यूचुअल फंड्स में पिछले प्रदर्शन के भविष्य में भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। फिर भी पिछले प्रदर्शन के आधार पर फंड मैनेजमेंट के बारे में कुछ अनुमान तो लगाया ही जा सकता है। इक्विटी में बड़े एक्सपोजर की गुंजाइश वाले एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड को रिस्कोमीटर पर हाई रिस्क वाला माना गया है।

एसआईपी से जुड़े सात सवाल जवाब में छिपी फायदे की बात

- एसआईपी के जरिये किए गए निवेश से पूरा फायदा मिलेगा
- आप निवेश की इस रणनीति पर सही ढंग से अमल कर पाएंगे
- रिटेल इनवेस्टर बड़े पैमाने पर एसआईपी के जरिये करते हैं निवेश, इसमें नुकसान का कम रहता है जोखिम
- थोड़े-थोड़े करके पैसे डालने पर टाइमिंग से जुड़ा रिस्क कम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी), म्यूचुअल फंड में निवेश करने का एक पॉपुलर तरीका है। रिटेल इनवेस्टर बड़े पैमाने पर एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाते हैं, लेकिन क्या ज्यादातर निवेशक एसआईपी के जरिये निवेश की रणनीति को ठीक से समझते हैं? पिछले दिनों शेयर बाजार में गिरावट के दौरान अधिकांश फंड्स के एसआईपी रिटर्न भी घटे। उस पर निवेशकों के बीच जिस तरह से घबराहट देखने को मिली और लोग एसआईपी को कटघरे में खड़ा करने लगे, उसे देखकर तो यही लगता है कि इस बारे में और अधिक समझदारी बनाने की जरूरत है। अगर रिटेल निवेशकों को एसआईपी के जरिये निवेश का पूरा फायदा उठाना है, तो उनके लिए निवेश के इस तरीके को सही संदर्भ में समझना और उससे जुड़ी गलतफहमियों को दूर करना जरूरी है।

एसआईपी क्या एक अलग इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट है

बहुत सारे इनवेस्टर एसआईपी को एक अलग इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट समझ लेते हैं. जबकि सच ये है कि एसआईपी कोई अलग इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट नहीं है। दरअसल, सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान किसी भी म्यूचुअल फंड में डिसिप्लिन के साथ रेगुलर इनवेस्टमेंट करने का एक तरीका है। ऐसा तरीका, जो निवेश करने की प्रक्रिया को आम निवेशकों के लिए आसान और सुविधाजनक बना देता है। साथ ही इसके जरिये रेगुलर इनवेस्टमेंट का डिसिप्लीन यानी अनुशासन भी मेंटेन किया जा सकता है। एसआईपी का मतलब है, आपके चुने हुए इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट यानी म्यूचुअल फंड स्कीम में, पहले से तय अंतर पर (मसलन, हर महीने या 3 महीने में) एक निश्चित रकम निवेश करना यानी इसमें एक फिक्स्ड रकम, पहले से तय फ्रीक्वेंसी के हिसाब से आपके चुने हुए म्यूचुअल फंड में निवेश कर दी जाती है। यानी असल में आपका फंड या चुनी हुई स्कीम ही इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट है, जबकि एसआईपी तो सिर्फ उसमें पैसे लगाने का एक सुविधाजनक और बेहतर तरीका है।

एसआईपी क्या एक अलग एसेट क्लास

नहीं। एसआईपी कोई अलग एसेट क्लास नहीं है, लेकिन एसआईपी के जरिये आप अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश करने वाले फंड्स में पैसे जरूर लगा सकते हैं। मिसाल के तौर पर अगर आप गोल्ड फंड में एसआईपी करते हैं, तो आपके पैसे उस फंड के जरिये गोल्ड में निवेश होते हैं। यानी एसआईपी कोई अलग एसेट क्लास नहीं, बल्कि इनवेस्टमेंट का तरीका है। कुछ-कुछ वैसे ही, जैसे पोस्ट ऑफिस या बैंक में आप रिकरिंग डिपॉजिट के जरिये पैसे जमा करते हैं।

एसआईपी से तय होता है कम या ज्यादा रिटर्न

एसआईपी के जरिये किए जाने वाले निवेश पर आपको कितना रिटर्न मिलेगा, यह उस फंड के परफॉर्मेंस से तय होता है, जिसमें आप पैसे डाल रहे हैं। एसआईपी को निवेश का बेहतर तरीका इसलिए माना जाता है, क्योंकि इसमें निवेश की टाइमिंग का टेंशन नहीं रहता है। यानी एक साथ पूरे पैसे लगाने की तुलना में एसआईपी के जरिये थोड़े-थोड़े करके पैसे डालने पर इनवेस्टमेंट की टाइमिंग से जुड़ा रिस्क कम हो जाता है। इसका फायदा लंबे अरसे में मिलता है. लेकिन ऐसा नहीं कहा जा सकता कि एसआईपी के जरिये निवेश करने पर मिलने वाला रिटर्न लंपसम यानी एकमुश्त निवेश के रिटर्न से हमेशा ज्यादा या कम ही होगा। इसकी वजह ये है कि लंपसम इनवेस्टमेंट का रिटर्न किसी हद तक निवेश की टाइमिंग पर भी निर्भर रहता है। एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड में पैसे लगाने पर रिटर्न की कोई गारंटी भी नहीं होती। इसका रिटर्न पूरी तरह उस म्यूचुअल फंड स्कीम के प्रदर्शन पर निर्भर है, जिसे आपने सेलेक्ट किया है।

एसआईपी क्या सिर्फ छोटे निवेशकों के लिए

एसआईपी की बड़ी खूबी है कि आप इसके माध्यम से हर महीने सिर्फ 500 रुपये या उससे भी छोटी रकम से भी निवेश की शुरुआत कर सकते हैं, लेकिन ऐसा नहीं कि एसआईपी सिर्फ छोटे निवेशकों के लिए है। सच तो यह है कि एसआईपी में इनवेस्टमेंट की कोई अपर लिमिट यानी ऊपरी सीमा नहीं होती। इसलिए बड़ी पूंजी लगाने वाले हाई नेटवर्थ निवेशक भी एसआईपी के जरिये निवेश करते हैं। उनकी एसआईपी में दिलचस्पी इसलिए रहती है, क्योंकि इसके जरिये पैसे लगाने पर बाजार के उतार-चढ़ाव से फायदा होता है। मार्केट चढ़ने पर एसआईपी की रकम में कम यूनिट्स मिलती हैं, लेकिन जब बाजार गिरता है, तो एसआईपी के उसी फिक्स अमाउंट में ज्यादा यूनिट्स मिल जाती हैं। इस तरह लंबे अरसे के दौरान निवेश की एवरेज प्रति यूनिट कॉस्ट कम हो जाती है। इसी को रुपी-कॉस्ट एवरेजिंग कहा जाता है, जो एसआईपी की सबसे बड़ी खूबी है।

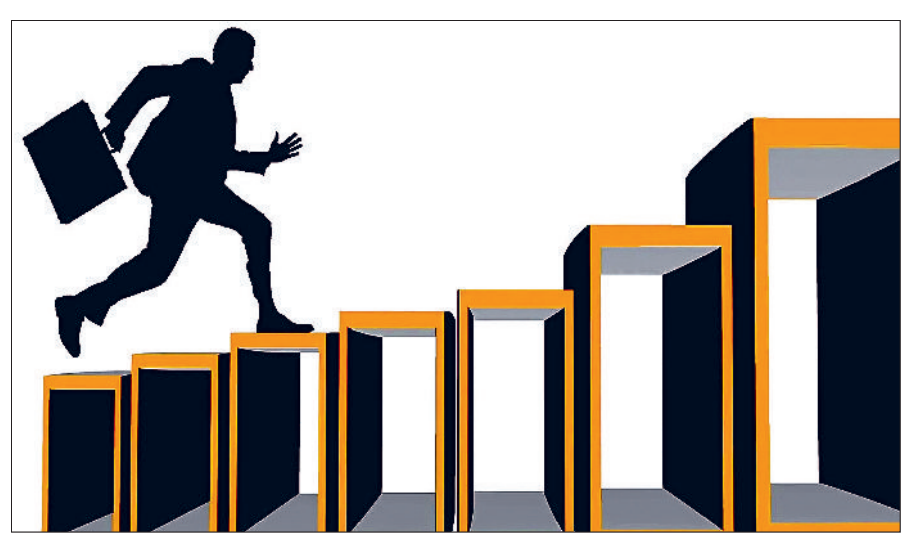

एसआईपी क्या सिर्फ इक्विटी फंड्स के लिए

ऐसा सोचना सही नहीं है कि एसआईपी के जरिये सिर्फ इक्विटी फंड्स में ही निवेश किया जा सकता है। एसआईपी का इस्तेमाल आप डेट फंड्स या हाइब्रिड फंड्स से लेकर गोल्ड फंड तक, किसी भी म्यूचुअल फंड स्कीम में पैसे लगाने के लिए कर सकते हैं। डेट फंड्स में एसआईपी के जरिये इनवेस्ट करना, कुछ-कुछ वैसा ही है, जैसे बैंक या पोस्ट ऑफिस के रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) में पैसे लगाना। डेट फंड्स में आमतौर पर इक्विटी फंड्स के मुकाबले ज्यादा स्टेबल रिटर्न मिलते हैं। इसलिए डेट फंड में एसआईपी करना उन निवेशकों के लिए बेहतर रहता है, जो ज्यादा रिस्क नहीं लेना चाहते या जो शॉर्ट टर्म के लिए निवेश करना चाहते हैं।

एसआईपी के साथ क्या हमेशा लॉक इन पीरियड जुड़ा होता

टैक्स सेविंग इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम्स (ईएलएसएस) में किए गए निवेश पर 3 साल का लॉक-इन पीरियड लागू होता है, जबकि रिटायरमेंट फंड्स और चिल्ड्रेंस फंड्स में 5 साल का लॉक-इन होता है। यह लॉक-इन इन स्कीम्स में एसआईपी के जरिये निवेश करने पर भी लागू रहता है, लेकिन बाकी ज्यादातर ओपन-एंडेड म्यूचुअल फंड्स में आप अपने निवेश को कभी भी निकाल सकते हैं, अगर आप एसआईपी शुरू करने के बाद किसी वजह से उसे बीच में रोकना यानी पॉज करना चाहते हैं, तो आप यह काम भी बड़ी आसानी से कर सकते हैं। इसके लिए आपको कोई एक्सट्रा फीस भी नहीं देनी पड़ती है। आप अपनी जरूरत के हिसाब से कुछ यूनिट्स भी बेच सकते हैं। ऐसा करते समय एग्जिट लोड और मुनाफे पर लागू टैक्स की जानकारी जरूर कर लेनी चाहिए। एग्जिट लोड यूनिट्स के होल्डिंग पीरियड के हिसाब से अलग-अलग लगता है।

एसआईपी का 1 साल का रिटर्न देखकर राय बनाना कितना सही

एसआईपी के जरिये किए गए निवेश पर सिर्फ 6 महीने या 1 साल का रिटर्न देखकर राय बनाना सही नहीं है। इक्विटी फंड्स की एसआईपी के मामले में यह बात समझना और भी जरूरी है। दरअसल, इक्विटी फंड्स में एसआईपी करने वालों को हमेशा यही सलाह दी जाती है कि उन्हें 5 साल या उससे भी ज्यादा समय के लिए एसआईपी करने पर फोकस करना चाहिए, क्योंकि इनवेस्टमेंट पर एवरेजिंग और कंपाउंडिंग का पूरा फायदा लेने के लिए ऐसा करना बेहतर रहता है। हालांकि अपने निवेश के उद्देश्य और इनवेस्टमेंट होराइजन के हिसाब से आप कम समय के लिए भी एसआईपी कर सकते हैं.लेकिन उसके लिए सही स्कीम या फंड का सेलेक्शन जरूरी है। उदाहरण के लिए अल्ट्रा शॉर्ट ड्यूरेशन या शॉर्ट ड्यूरेशन फंड जैसे डेट फंड को शॉर्ट टर्म एसआईपी के लिए बेहतर माना जाता है। लेकिन अगर आप स्मॉल कैप या मिड कैप जैसे किसी इक्विटी फंड में एसआईपी शुरू करने के बाद अगले 6 महीने या एक साल में शानदार रिटर्न की उम्मीद करने लगते हैं, तो जरूरी नहीं कि ऐसा हो।

निवेश करने के तुरंत बाद मेरे निवेश में गिरावट क्यों हो जाती है शुरू

सुझाव
संदीप वालुंज

निवेश करने के लिए सही समय की भविष्यवाणी करना लगभग असंभव है, इसके बजाय, निवेशित और सुसंगत रहने पर ध्यान केंद्रित करना सबसे बेहतर रहता है।

कई बार यह देखने में आता है कि आप निवेश करें यानी बाजार में पैसा लगाएं और एकदम गिरावट शुरू हो जाए। यह निराशाजनक महसूस करता है जब म्यूचुअल फंड या स्टॉक आपके निवेश के तुरंत बाद गिरने लगते हैं। हालांकि यह दुर्भाग्य की तरह लग सकता है, कई परिहार्य कारक इसमें योगदान करते हैं। निवेशक व्यवहार का दलबार मात्रात्मक विश्लेषण (क्यूएआईबी) लगातार दिखाता है कि व्यक्तिगत निवेशक व्यापक बाजार से कम प्रदर्शन करते हैं। यह काफी हद तक है क्योंकि वे निवेश करने से पहले स्पष्ट संकेतों या सकारात्मक गति की प्रतीक्षा करते हैं, अक्सर गलती करने या लाभ से चूकने के डर से प्रेरित होते हैं। जब तक वे ₹निश्चित₹ महसूस करते हैं, तब तक बाजार पहले से ही वृद्धि में कीमत लगा चुका होता है, जिससे आगे तत्काल ऊपर की ओर बहुत कम गुंजाइश बचती है। इस प्रवृत्ति और निवेश के परिणामों पर इसके प्रभाव को व्यवहारिक वित्त अनुसंधान द्वारा उजागर किया गया है।

झुंड मानसिकता

निवेशक अक्सर दूसरों का अनुसरण करते हैं जब वे बढ़ती कीमतों को देखते हैं, यह सोचकर कि यह सुरक्षा का संकेत है। इससे बाजार की चोटियों के समय बड़े पैमाने पर निवेश हो सकता है जब आशावाद उच्चतम होता है, जिससे बाद में करेक्शन की संभावना बढ़ जाती है।

रीसेंसी बायस

लोग हाल के प्रदर्शन को अनुचित वजन देते हैं। जब कोई स्टॉक या फंड अच्छा प्रदर्शन कर रहा होता है, तो यह ₹सुरक्षित₹ निवेश की तरह लगता है; और लोग जोखिम रेटिंग को अनदेखा करते हैं। जोखिम से बचने वाले कई निवेशक स्मॉलकैप में तब निवेश करते देखे जाते हैं, जब वे काफी ऊपर चढ़ जाते हैं।

नुकसान का डर (जोखिम से बचना)

निवेशक निवेश करने में संकोच करते हैं जब बाजार अनिश्चित या अस्थिर होते हैं, स्थिरता के संकेतों की प्रतीक्षा करते हैं। दुर्भाग्य से, जब तक वे कदम उठाने का सोचते हैं, तब तक विकास की संभावना का एक बड़ा हिस्सा पहले ही घटित हो चुका होता है।

मार्केट टाइमिंग बायस

बाजार स्वाभाविक रूप से अस्थिर हैं, और अल्पकालिक उतार-चढ़ाव सामान्य हैं। यदि आप बाजार के शिखर के दौरान या मूल्यांकन अधिक होने पर निवेश करते हैं, तो एक करेक्शन का पालन किया जा सकता है, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि आपका निवेश गिरावट का कारण बना।

मीन रिवर्सन

मोमेंटम अक्सर शॉर्ट टर्म में स्टॉक या फंड को चलाता है, लेकिन इसका मतलब है कि रिवर्सन (औसत प्रदर्शन पर लौटना) अक्सर मध्यम अवधि में किक करता है. गति का पीछा करने वाले निवेशक इस स्थिर रूप से सामान्य घटना को 'निवेश के तुरंत बाद अंडरपरफॉर्मेंस' कह सकते हैं

दूसरों द्वारा लाभ लेना

जब स्टॉक बहुत तेजी से बढ़ते हैं, तो निवेशकों द्वारा लाभ लेने से गिरावट आ सकती है. उदाहरण के लिए, संस्थागत निवेशक अक्सर पोर्टफोलियो को पुनर्संतुलित करते हैं, ओवरवैल्यूड एसेट बेचते हैं और अंडरवैल्यूड खरीदते हैं. और चूंकि उनके पोर्टफोलियो बड़े हैं, इसलिए यह अक्सर गिरावट की ओर जाता है।

इस घटना से कैसे बचें

- **फंडामेंटल के आधार पर इन्वेस्ट करें** : हाल के प्रदर्शन या रुझानों के बजाय किसी परिसंपत्ति के आंतरिक मूल्य पर ध्यान दें। वैल्यूएशन, अर्निंग ग्रोथ या सेक्टर आउटलुक जैसे मेट्रिक्स का इस्तेमाल करके म्यूचुअल फंड या स्टॉक्स का मूल्यांकन करें।
- **सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) का उपयोग करें** : एकमुश्त निवेश करने के बजाय, एसआईपी आपको समय-समय पर निवेश करने की सुविधा देता है, जिससे बाजार की अस्थिरता का प्रभाव कम होता है।

अनुसंधान और विविधता

केवल पिछले प्रदर्शन पर भरोसा करने से बचें। इसके अलावा, एक क्षेत्र में खराब समय के प्रभाव को कम करने के लिए अपने निवेश को परिसंपत्ति वर्गों, क्षेत्रों और भौगोलिक क्षेत्रों में निवेश करे

निवेश योजना पर टिके रहें

निवेश को अपने लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के साथ संरेखित करें। अल्पकालिक परिवर्तनों के लिए भावनात्मक रूप से प्रतिक्रिया करने से बचें।

'टाइमिंग द मार्केट' के प्रलोभन से बचें

निवेश करने के लिए सही समय की भविष्यवाणी करना लगभग असंभव है। इसके बजाय, निवेशित और सुसंगत रहने पर ध्यान केंद्रित करें। समय के साथ, अनुशासित और सूचित निवेश आपको इन अल्पकालिक ₹डिप्स₹ से बाहर निकलने और अपने वित्तीय उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करेगा। जैक बोगल के शब्दों को दोहराते हुए, मैं निवेशकों से यह कहते हुए अपनी बात समाप्त करूंगा: 'अस्थिरता आपका मित्र है, आवेग आपका शत्रु है'।

(लेखक मोतीलाल ओसवाल फायनांशियल सर्विसेस लिमिटेड के ग्रुप चीफ मार्केटिंग ऑफिसर हैं।)

मैच का प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर दोपहर 2.30 बजे

भारत एक जीत से सेमीफाइनल में बनाएगी जगह

चैंपियंस ट्रॉफी : भारत और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के बीच महामुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| दुबई

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के महामुकाबले में भारत और पाकिस्तान रविवार को यहां आमने सामने होंगे। इस मैच में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम की निगाह सेमीफाइनल में जगह पक्की करने पर टिकी होगी जबकि मोहम्मद रिजवान के नेतृत्व वाली टीम टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने से बचने की कोशिश करेगी।

भारत ने जहां अपने पहले मैच में बांग्लादेश को छह विकेट से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की वहीं पाकिस्तान को न्यूजीलैंड से 60 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा था। उपमहाद्वीप की इन दोनों टीम के बीच चैंपियंस ट्रॉफी में आखिरी मुकाबला 2017 में फाइनल में हुआ था जिसमें पाकिस्तान की टीम ने जीत हासिल की थी। भारत और पाकिस्तान के बीच यह मुकाबला पूर्व की तरह बहुचर्चित नहीं है जिससे उम्मीद की जा रही है कि दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ग्रुप ए के इस मैच में दोनों टीम थोड़ा सहज होकर मैदान पर उतरेंगी।

'ऑफ साइड' पहेली पर कोहली ने दिया ध्यान

भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले चैंपियंस ट्रॉफी के मैच से पहले स्पिन गेंदबाजों के सामने जमकर अभ्यास किया। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 36 वर्षीय कोहली तेज गेंदबाजों की ऑफ स्टंप से बाहर जाती गेंदों पर आउट हुए। वह चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ 22 रन बनाकर आउट हो गए थे। वनडे में कोहली को लगातार छह बार स्पिन गेंदबाजों ने आउट किया है। कोहली ने अभ्यास के दौरान अधिकतर स्पिन गेंदबाजों का सामना किया। इनमें लेग स्पिनर, ऑफ़ स्पिनर और बाएं हाथ के स्पिनर शामिल थे।

शमी बरपा रहे कहर

भारतीय गेंदबाजी अच्छी नजर आती है। फिट होकर वापसी करने वाले तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने पिछले मैच में पांच विकेट हासिल किए थे। उन्हें हर्षित राणा का भी अच्छा सहयोग मिला था। शमी की शानदार गेंदबाजी से फिलहाल यह तय हो गया है कि भारत को अभी जसप्रीत बुमराह की कमी नहीं खलेगी जो चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। ऑल राउंडर हार्दिक पंड्या आईसीसी की प्रतियोगिताओं में पाकिस्तान के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते रहे हैं। चैंपियंस ट्रॉफी के 2017 के फाइनल में भी उन्होंने भारत की आखिर तक उम्मीद बनाए रखी थी।

फायदे में भारत

भारतीय टीम प्रत्येक पहलू में फायदे की स्थिति में नजर आ रही है। उसकी टीम ने यहां की परिस्थितियों से अच्छी तरह सामंजस्य बिठा लिया है जबकि पाकिस्तान की टीम कराची में न्यूजीलैंड के हाथों करारी हार के बाद यहां पहुंची है। भारत और पाकिस्तान की टीम जब आमने-सामने होती हैं तो खिलाड़ियों पर काफी दबाव होता है। भारतीय टीम हालांकि इस तरह की परिस्थितियों से निपटने में बेहतर नजर आती है।

फार्म में भारतीय बल्लेबाज

कप्तान रोहित शर्मा की फॉर्म भारत के लिए चिंता का विषय बनी हुई थी लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने जिस तरह से बल्लेबाजी की उससे लगता है कि इस सलामी बल्लेबाज ने अपनी लय हासिल कर ली है। उन्होंने 41 रन की तूफानी पारी खेल कर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की शानदार फॉर्म भारत के लिए बहुत अच्छा संकेत है। उन्होंने पिछले मैच में शतक बनाया था जिससे भारत ने 229 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया था।

लोगो में मेजबान पाकिस्तान का नाम हटाए जाने से पीसीबी खफा

एजेंसी ▶▶| कराची

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और बांग्लादेश के बीच गुरुवार को दुबई में खेले गए मैच के सीधे प्रसारण के दौरान दिखाए गए टूर्नामेंट के लोगो में देश का नाम न होने पर खेल की संचालन संस्था अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के सामने अपनी नाराजगी व्यक्त की है।

पीसीबी सूत्रों के अनुसार आईसीसी ने गलती स्वीकार कर ली है और आश्वासन दिया है कि वह दुबई में सभी मैचों में पाकिस्तान के नाम के साथ तीन पंक्ति वाले लोगो का उपयोग करेगा। भारत ने सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान का दौरा करने से इनकार कर दिया था और वह हाइब्रिड फार्मूले के तहत अपने मैच दुबई में खेल रहा है। भारत और बांग्लादेश के बीच खेले गए मैच के प्रसारण में ऊपर बाएं तरफ जो लोगो लगा था उसमें केवल चैंपियंस ट्रॉफी 2025 लिखा था। उसमें मेजबान पाकिस्तान का नाम नहीं था।

कोई मुफ्त पास नहीं देगा पीसीबी

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पहली बार मौजूदा चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान दीर्घाओं, वीआईपी क्षेत्र या हास्पिटेलिटी बॉक्स के लिए कोई मुफ्त पास नहीं देने का फैसला किया है। आम तौर पर पाकिस्तान में जब भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट होता है तो पीसीबी मीडिया, सरकारी महकमों, वीआईपी या प्रायोजकों के लिए मुफ्त पास के तौर पर टिकट रखता है। इस बार पीसीबी अध्यक्ष के निजी मेहमानों और प्रायोजकों के लिए कुछ टिकट को छोड़कर कोई कोटा या मुफ्त पास नहीं रखे गए हैं।

खबर संक्षेप

रुबलेव और ड्रेपर में होगा खिताबी मुकाबला

दोहा। आंद्रे रुबलेव ने तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को 7-5, 4-6, 7-6 (5) से हराकर कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। कतर ओपन में दूसरी बार चैंपियन बनने के लिए रुबलेव के सामने जैक ड्रेपर की चुनौती होगी। ड्रेपर ने एक अन्य सेमीफाइनल में जिरी लेहेका को 3-6, 7-6 (2), 6-3 से हराया। ड्रेपर ने रुबलेव के खिलाफ अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उन सभी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। रुबलेव तीसरी बार कतर ओपन के फाइनल में पहुंचे हैं। वह 2018 में फाइनल में हार गए थे लेकिन 2020 में उन्होंने यहां खिताब जीता था।

एशिया कप तीरंदाजी टूर्नामेंट में भारत पदक तालिका में शीर्ष पर

बैंकॉक। भारत ने एशिया कप विश्व रैंकिंग तीरंदाजी टूर्नामेंट के पहले चरण में पांच स्वर्ण समेत आठ पदक जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया। रिकर्व पुरूष वर्ग में भारत के विष्णु चौधरी और राहुल पहले दूसरे स्थान पर रहे। बसंती महतो (महिला रिकर्व), कुशल दलाल (पुरूष कंपाउंड), पुरूष रिकर्व टीम (विष्णु, गोल्डी मिश्रा और राहुल), पुरूष कंपाउंड टीम (कुशल, मानव जाधव और गणेश) ने स्वर्ण पदक जीते।

ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को हराया

डकेट के शतक पर भारी पड़ी इंगलिस की पारी

एजेंसी ▶▶| लाहौर

जोश इंगलिस का पहला वनडे शतक बेन डकेट की 165 रन की यादगार पारी पर भारी पड़ा और विश्व चैम्पियन आस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए चैम्पियंस ट्रॉफी ग्रुप बी के अपने पहले मैच में शनिवार को इंग्लैंड को पांच विकेट से हरा दिया। डकेट ने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ पारी खेलते हुए 143 गेंदों का सामना करके 17 चौके और तीन छक्के जड़े जिसकी मदद से इंग्लैंड ने आठ विकेट पर 351 रन बनाये जो चैम्पियंस ट्रॉफी का सर्वोच्च स्कोर है। इससे पहले न्यूजीलैंड ने 2004 में अमेरिका के खिलाफ चार विकेट पर 347 रन बनाये थे। गद्दाफी स्टेडियम की सपाट पिच और तेज आउटफील्ड पर रन आसानी से रन रहे थे। आस्ट्रेलिया ने जीत का लक्ष्य 47 . 3 ओवर में हासिल कर लिया। इंगलिस ने 86 गेंद में छह छक्कों और आठ चौकों की मदद से 120 रन बनाये। उन्होंने एलेक्स कारी के साथ पांचवें विकेट के लिये 146 रन की साझेदारी की जो निर्णायक साबित हुई। कारी ने उनका बखूबी साथ निभाते हुए 63 गेंद में 69 रन बनाये जिसमें आठ चौके शामिल थे। वह 42वें ओवर में आउट हुए जब आस्ट्रेलिया को 50 गेंद में 70 रन चाहिये थे लेकिन ग्लेन मैक्सवेल (15 गेंद में 32 रन) ने इंगलिस का बखूबी साथ निभाया। इंगलिस ने मार्क वुड को डीप मिडविकेट पर छक्का जड़कर टीम को जीत तक पहुंचाया। इससे पहले उन्होंने 28वें वनडे में पहला शतक आर्चर के ओवर में पूरा किया। आर्चर ने चौथे ओवर में हेड (छह) को पवेलियन भेजा जबकि कार्यवाहक कप्तान स्मिथ (पांच) ने आर्चर की गेंद पर स्लिप में डकेट को कैच थमाया। आस्ट्रेलिया के दो विकेट 27 रन पर गिर गए थे। मार्नस (45 गेंद में 47 रन) और मैथ्यू (66 गेंद में 63 रन) ने 91 गेंद में 95 रन की साझेदारी करके टीम को मैच में लौटाया। लेकिन तभी इंग्लैंड ने 18 गेंद के भीतर दोनों को पवेलियन भेजकर आस्ट्रेलिया को फिर झटके दिये।

ऑस्ट्रेलिया-इंग्लैंड मैच में बजा भारत का राष्ट्रगान

आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में शनिवार को ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में मुकाबला खेला गया। इस मुकाबले में ऐसा वाकया देखने को मिला, जिससे फैन्स दंग रह गए। दरअसल मुकाबला शुरू होने से पहले ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड दोनों देशों का राष्ट्रगान बजना था। लेकिन इस दौरान ऑस्ट्रेलिया का राष्ट्रगान बजने की बजाय भारत का राष्ट्रगान बजने लगा।

सबसे बड़ा स्कोर

स्कोर	टीम	खिलाफ	वर्ष
356/5	ऑस्ट्रेलिया	इंग्लैंड	2025
351/8	इंग्लैंड	ऑस्ट्रेलिया	2025
347/4	न्यूजीलैंड	अमेरिका	2004
338/4	पाकिस्तान	भारत	2017
331/7	भारत	द.अफ्रीका	2013
323/8	इंग्लैंड	द.अफ्रीका	2009

हाइएस्ट वनडे स्कोर

स्कोर	खिलाड़ी	बनाम	वर्ष
188*	गैरी कर्स्टन	यूएई	1996
181	विव रिचर्ड्स	श्रीलंका	1987
180*	फखर जमां	न्यूजीलैंड	2023
165	बेन डकेट	ऑस्ट्रेलिया	2025

हेनरी, गौड़ ने यूपी वारियर्स को सत्र की पहली जीत दिलाई, दिल्ली को हराया

बेंगलुरू। चिनेले हेनरी (62) ने टूर्नामेंट के सबसे तेज अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी की जबकि क्रांति गौड़ और ग्रेस हैरिस ने चार चार विकेट लिये जिसके दम पर यूपी वारियर्स ने महिला प्रीमियर लीग के इस सत्र में पहली जीत दर्ज करते हुए शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स को 33 रन से हराया। वेस्टइंडीज की हेनरी ने 23 गेंद में आठ छक्कों और दो चौकों की मदद से 62 रन बनाये जिससे यूपी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 177 रन बनाये। जवाब में दिल्ली की टीम 19 . 3 ओवर में 144 रन ही बना सके। 21 वर्ष की गौड़ ने दिल्ली के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों शेफाली वर्मा (24), मेग लैनिंग (पांच), जेमिमा रौड्रिग्स (56) और बाद में जेस जोनासेन (पांच) को आउट किया। उन्होंने चार ओवर में 25 रन देकर चार विकेट चटकाये। इससे पहले एक समय पर यूपी के छह विकेट 14 ओवर में 91 रन पर गिर चुके थे।

गुलवीर सिंह 5000 मीटर में विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई

नई दिल्ली। भारत के एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता गुलवीर सिंह ने अमेरिका के बोस्टन में एक इनडोर प्रतियोगिता में 5000 मीटर दौड़ में एशियाई इंडोर का रिकॉर्ड को तोड़ते हुए इस साल के आखिर में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई किया। गुलवीर ने शुक्रवार को बोस्टन में टेरियर डीएमआर चैलेंज इनडोर प्रतियोगिता में 12 मिनट और 59.77 सेकंड का समय लेकर चौथा स्थान हासिल किया। इस तरह से वह 13 मिनट से कम समय में 5000 मीटर दौड़ने वाले पहले भारतीय बन गए।

बोस्टन यूनिवर्सिटी ट्रैक पर अपने शानदार प्रदर्शन से उन्होंने थाईलैंड के किरन ट्यून्टिवेट के 2022 में बनाए गए 13 मिनट 8.41 सेकंड के पिछले एशियाई इनडोर 5000 मीटर रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 13 से 21 सितंबर के बीच टोक्यो में आयोजित की जाएगी। पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में इसके लिए क्वालीफाई करने का मानक 13 मिनट 01 सेकंड है। गुलवीर ने अपने रिकॉर्ड-तोड़ प्रदर्शन के बाद कहा, 'यहां (बोस्टन में) मेरा लक्ष्य 5,000 मीटर में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में सुधार करना था। मुझे खुशी है कि मैं रिकॉर्ड बनाने में सफल रहा। मैं विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करके भी उत्साहित हूं।'

टॉप्स खिलाड़ियों के भत्ते में बढ़ोतरी अब हर छह महीने में होगी समीक्षा

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना के लिए चुने गए खिलाड़ियों को इस ओलंपिक चक्र में अभ्यास और विदेश में स्पर्धाओं के दौरान मिलने वाले भत्ते में बढ़ोतरी की जाएगी। उन्हें हर छह महीने में समीक्षा की प्रक्रिया के तहत शारीरिक और मनोवैज्ञानिक टेस्ट देने होंगे। टॉप्स का कोर समूह 179 से घटाकर 94 कर दिया गया है और डेवलपमेंटल सूची में 112 खिलाड़ी हैं। एक ओलंपिक चक्र पूरा होने के बाद यह आम रूटीन होता है लेकिन तैराकी, स्क्वाश, गोल्फ और टेनिस जैसे खेलों का कोर सूची में नाम नहीं है। कोर समूह में 52 पैरा एथलीट और 42 सामान्य एथलीट हैं। पेरिस पैरालम्पिक में भारत ने सात स्वर्ण समेत 29 पदक जीतकर ऐतिहासिक प्रदर्शन किया था। सूची में शामिल खिलाड़ियों को विदेश में अभ्यास या स्पर्धा के दौरान 25 अमेरिकी डॉलर प्रतिदिन और 50000 रुपए (कोर समूह) और 25000 रुपए (डेवलपमेंटल समूह) महीना दिया जाएगा। भारतीय खेल प्राधिकरण के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) के एक सदस्य ने बताया, 'कोर समूह अगले ओलंपिक यानी 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक का अल्पकालिन लक्ष्य लेकर बनाया गया है जबकि डेवलपमेंटल समूह 2032 ओलंपिक और शायद 2036 को ध्यान में रखकर बनाया गया है।'

दीपिका ने दागा 26वां गोल भारत ने जर्मनी को हराया

भुवनेश्वर। स्टार ड्रैग फ्लिकर दीपिका के गोल की मदद से भारत ने एफआईएच महिला प्रो लीग हॉकी मैच में शनिवार को जर्मनी को रिटर्न चरण में 1-0 से हराया। दीपिका ने 12वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा। जर्मनी ने शुक्रवार को भारत को 4-0 से हराया था। भारत को अब 24 फरवरी को नीदरलैंड से खेलना है। पिछले मैच में शर्मनाक हार के बाद भारतीय टीम ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए शानदार शुरुआत की। कप्तान सलीमा टेटे ने बाएं फ्लैंक से सुनेलिटा टोप्पो के पास पर अच्छा प्रयास किया लेकिन गोल में नहीं बदल सकी। आक्रामक खेल का फायदा भारत को जल्दी ही मिला और 12वें मिनट में नेहा ने पहला पेनल्टी कॉर्नर बनाया जिसे दीपिका ने गोल में बदला। यह दीपिका का 26वां अंतरराष्ट्रीय गोल था। भारत को 31वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन दीपिका का शॉट दाहिने पोस्ट से टकरा गया।

भारतीय पुरूष टीम ने एफआईएच प्रो लीग में आयरलैंड को 4-0 से हराया

भुवनेश्वर। भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने आयरलैंड पर अपना दबदबा कायम रखते हुए एफआईएच प्रो लीग में शनिवार को रिटर्न चरण के मैच में 4-0 से जीत दर्ज की। भारत की प्रो लीग में आयरलैंड पर यह लगातार दूसरी जीत है। पहले चरण में शुक्रवार को भारत ने 3-1 से जीत दर्ज की थी। भारत के लिये नीलम संजीप सेस (14वां मिनट), मनदीप सिंह (24वां), अभिषेक (28वां) और शमशेर सिंह (34वां) ने गोल किये। आयरलैंड ने अच्छी शुरूआत करते हुए नौवे मिनट में पेनल्टी कॉर्नर बनाया लेकिन गोल नहीं हो सका। नीलम ने 14वें मिनट में अमित रोहिदास के पास पर फील्ड गोल किया। उन्होंने दाहिने कॉर्नर से हवा में आती हुई गेंद लपकी और दो डिफेंडरों को छकाते हुए शॉट लगाया जो पोस्ट से टकरा गया लेकिन उन्होंने सही पोजिशन से रिबाउंड पर उसे गोल के भीतर डाला। भारत को 17वें मिनट में लगातार दो पेनल्टी कॉर्नर मिले लेकिन दोनों बार आयरलैंड के गोलकीपर जैमी कार ने नीलम को कामयाबी नहीं मिलने दी। भारतीय टीम कप्तान और ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह के बिना खेल रही थी जिन्हें आराम दिया गया था।

NOTICE

IN THE COURT OF HON'BLE K.V. MORE, MEMBER, M.A.C.T- 2 (New Building G+9) 04th floor, Room No. 405, DISTRICT COURT, NAGPUR.

C. P. No. 56/24 Fixed For : 28/03/2025

Process No. 8068

Petitioner : Sulochana

--Versus--

Respondent : New India

To,
M/s Kapoor Diesels Garage Pvt. Ltd.
R/o 29/5, Nangli Poona,
G.T. Karnal Road, New Delhi.

Whereas the above named petitioners in above petition have filed there Claim Petition U/Sec. 166 of Motor Vehicle Act

You are hereby noticed to appear in this Court of **Hon'ble K. V. More, Member, M.A.C.T.- 2, Nagpur** in person or by a pleader duly instructed on **dated 28/03/2025 at 11:00 A.M.** to show cause in the said above noted Claim Petition failing wherein the said Application will be heard and determined ex-pare in your absence.

Given under my hand and the seal of the Court this **03rd day of December, 2024.**

Seal Registar (Judl.) M.A.C.T., Nagpur

Vision4media 9767867322

चिकित्सा

बिना बताए शराब, अफीम, सिगरेट छुड़ाएं

दमा, खांसी, नजला, मोटापा होना, कमजोरी, पेट के रोगों व मोटापे का देसी ईलाज।

हमराज़ क्लीनिक

11am-5pm Ph: 9811301362
1936, फव्वारा, चाँदनी चौक, दिल्ली - 110006

F-23/101, अवन्तिका चौक, सैक्टर - 3, रोहिणी, दिल्ली - 85
Ph: 9811301362, 9999301362
10am - 9pm

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

दक्षिण अमेरिका में अप्रैल में होगा निशानेबाजी टूर्नामेंट

विश्व कप में भारतीय दल की अगुवाई करेंगी मनु

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दो ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर दक्षिण अमेरिका में अप्रैल में होने वाले सत्र के पहले आईएसएसएफ विश्व कप में 35 सदस्यीय भारतीय टीम की अगुवाई करेंगी जिसमें पेरिस ओलंपिक खेलने वाले लगभग सभी निशानेबाज शामिल हैं। टीम में एयर पिस्टल दिग्गज सौरभ चौधरी की वापसी हुई है जो तीन साल बाद राष्ट्रीय टीम में नजर आएंगे।

कंधे की चोट और खराब फॉर्म के कारण तोक्यो ओलंपिक 2021 के बाद से टीम से बाहर सौरभ ने हाल ही में दस मीटर एयर पिस्टल क्वालीफिकेशन में राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी सत्र दक्षिण अमेरिका में दो चरण के विश्व कप के साथ शुरू होगा। पहला टूर्नामेंट अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में एक से 11 अप्रैल और दूसरा पेरू के लीमा में 13 से 22 अप्रैल के बीच खेला जाएगा। हाल ही में ध्यानचंद खेलरत्न पुरस्कार पाने वाली मनु ने पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल में व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्पर्धा का कांस्य पदक जीता था। वह विश्व कप में महिलाओं की एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल में भाग लेंगी। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ ने यहां 14 मार्च से टीम के लिए अभ्यास शिविर का आयोजन किया है।

भारतीय टीम

(व्यक्तिगत वर्ग) एयर राइफल :
पुरुष : रुद्रांक्ष पाटिल, अर्जुन बबूता, ह्रदय हजारिका
महिला : आर्य राजेश बोरसे, आर नर्मदा नितिन, सोनम उत्तम मस्कर
50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस :
पुरुष : ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर, चैन सिंह, नीरज कुमार
महिला : आशी चौकसी, श्रियांका साडंगी, सिफत कौर सामरा
एयर पिस्टल :
पुरुष : सौरभ चौधरी, रविंदर सिंह, वरुण तोमर
महिला : सुरुचि, मनु भाकर, संयम
25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल :
पुरुष : अनीश भानवाला, विजयवीर सिद्धू, गुरप्रीत सिंह
25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल : महिला : मनु भाकर, सिमरनप्रीत कौर बरार, ऐशा सिंह
ट्रैप : पुरुष : लक्ष्य, पृथ्वीराज टी, जोरावर सिंह संधू
महिला : नीरू, प्रगति दुबे, भव्या त्रिपाठी
स्कीट : पुरुष : भवतेग सिंह गिल, अनंतजीत सिंह नरूका, गुरजोत सिंह
महिला : रेइजा ढिल्लों, गनीमत सेखों, दर्शना राठौड़
मिश्रित टीम :
एयर राइफल मिश्रित टीम : रुद्रांक्ष पाटिल, आर्य राजेश बोरसे और अर्जुन बबूता, आर नर्मदा नितिन
एयर पिस्टल मिश्रित टीम : सौरभ चौधरी, सुरुचि और रविंदर सिंह, मनु भाकर
ट्रैप मिश्रित टीम : लक्ष्य , नीरू और पृथ्वीराज टी , प्रगति दुबे।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राकेश, पुत्रः** कांता प्रसाद, **निवासी:** मकान नं0-जी/35, सुंदर नगरी, नंद नगरी, दिल्ली ने **FIR No. 581/2014, U/s 363 IPC, पुलिस स्टेशन नंद नगरी, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राकेश** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 581/2014, U/s 363 IPC, पुलिस स्टेशन नंद नगरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **राकेश** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **26.03.2025** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री दीपाक्षी राणा

DP/2230/NE/2025 न्यायिक मजिस्ट्रेट, प्रथम श्रेणी-03, कमरा नं0-19,
(Court Matter) प्रथम तल, जिला शाहदरा, करकरडूमा कोर्ट, दिल्ली

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

24 फरवरी से 9 मार्च 2025 तक जापान के पूर्वी फूजी युद्धाभ्यास प्रशिक्षण क्षेत्र में होगा युद्धाभ्यास

धर्म गार्डियन युद्धाभ्यास के लिए जापान रवाना हुई भारतीय सेना की टुकड़ी, यह छठा संस्करण

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण चीन सागर में चीन की बढ़ती आक्रामकता के बीच अगले सप्ताह सोमवार से भारत और जापान की सेनाओं के बीच धर्म गार्डियन संयुक्त युद्धाभ्यास-2025 की शुरुआत होगी।

जिसके लिए शनिवार को 120 सैन्य कर्मियों वाली भारतीय सेना की एक टुकड़ी अपने जरूरी साजो-सामान के साथ जापान के लिए रवाना हो गई। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि इस वर्ष युद्धाभ्यास का छठा संस्करण होगा और इसका आयोजन जापान के पूर्वी फूजी युद्धाभ्यास प्रशिक्षण क्षेत्र में किया जाएगा। युद्धाभ्यास की कुल अवधि 14 दिन (24 फरवरी से 9 मार्च तक) की होगी। पूर्व में धर्म गार्डियन फरवरी और मार्च के महीने में भारत के राजस्थान में आयोजित किया गया था।

मद्रास रेजिमेंट की अहम भूमिका

युद्धाभ्यास में भाग लेने के लिए जापान रवाना हुई 120 कर्मियों वाली सैन्य टुकड़ी का नेतृत्व मुख्य रूप से मद्रास रेजिमेंट की एक बटालियन के सैनिक करेंगे। उनके साथ अन्य सेनाओं की टुकड़ियों और सैन्य सहायता इकाइयों के सैनिक भी शामिल हैं। जबकि जापान का प्रतिनिधित्व ग्राउंड सेल्फ डिफेंस फोर्स (जेजीएसडीएफ) की 120 सैनिकों वाली 34 वीं इन्फेंट्री रेजिमेंट करेगी। धर्म गार्डियन युद्धाभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र के अधिदेश के तहत संयुक्त शहरी युद्ध और आतंकवाद विरोधी अभियानों को अंजाम देते हुए दोनों सेनाओं के बीच अंतर-संचालन को बढ़ावा देना है। अभ्यास में उच्च-स्तर की शारीरिक फिटनेस, संयुक्त योजना और सामरिक अभ्यास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर प्रतिबद्ध भारत-जापान

इस अभ्यास के जरिए भारत और जापान के बीच द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को और अधिक मजबूती मिलेगी। साथ ही यह क्षेत्रीय सुरक्षा, शांति और स्थिरता को लेकर दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगा। यह एक स्वतंत्र, खुले हुए और समावेशी हिंद-प्रशांत क्षेत्र के दोनों देशों के साझा दृष्टिकोण को भी आगे बढ़ाता है। धर्म गार्डियन सैन्य अभ्यास भारत-जापान संबंधों के क्षेत्रीय सहयोग की आधारशिला को मजबूत करता है। इसके अलावा परस्पर सैन्य संबंधों और सांस्कृतिक समझ को भी धर्म गार्डियन से बढ़ावा मिलता है।

अभ्यास में शामिल होंगी यह गतिविधियां

सामरिक-संयुक्त अभ्यास और आपदा प्रतिक्रिया रणनीतियां अभ्यास का हिस्सा होंगी। इन्हें परिचालन क्षमताओं को बढ़ाने, युद्ध कौशल दक्षता में सुधार करने और प्रभावी संयुक्त संचालन के लिए अंतर संचालन को मजबूत करने के लिए डिजाइन किया गया है। दोनों देशों के बीच यह युद्धाभ्यास मैत्री, विश्वास, सांस्कृतिक संबंधों के स्थायी बंधन का प्रमाण है। जो सार्थक व्यावसायिक जुड़ाव के लिए मंच तैयार करता है तथा व्यापक रक्षा सहयोग के लिए दोनों देशों की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भाजपा और कांग्रेस में तीखी नोकझोंक जारी

ट्रंप 'फंड' से भारत में हड़कंप

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लगातार तीसरे दिन 'वोटर टर्नआउट' के लिए कथित रूप से भारत को मिले 21 मिलियन डॉलर का मुद्दा उठाया है। मुद्दा अमेरिका में उठ रहा है। राष्ट्रपति स्वयं उठा रहे हैं। सियासी तूफान भारत में मचा है। भाजपा और कांग्रेस के बीच तीखी नोकझोंक चल रही है। ट्रंप ने पहले अपने विपक्षी पूर्व राष्ट्रपति बाइडन पर प्रहार करते हुए भारत को कथित रूप से 21 मिलियन डॉलर अनुदान देने पर सवाल उठाते हुए घेरा था। भाजपा ने उसे लपक कर कांग्रेस को घेरा था। कांग्रेस ने तुरंत प्रेस कांफ्रेंस कर पूरे मसले पर केंद्र से श्वेत पत्र लाने की मांग कर दी। ट्रंप का ताजा बयान उस रिपोर्ट के बाद आया है जिसमें दावा किया गया है कि 21 मिलियन अनुदान भारत के लिए नहीं बल्कि बांग्लादेश के लिए मंजूर किया गया था। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक प्रेस वार्ता में कहा, मेरे मित्र नरेंद्र मोदी और भारत के 'वोटर टर्नआउट के लिए 21 मिलियन डॉलर दिए जा रहे। हम भारत में मतदान बढ़ाने के लिए 21 मिलियन डॉलर दे रहे। हमारा क्या? मैं भी मतदान बढ़ाना चाहता हूं।

बांगलादेश में स्थिरता के लिए दिए फंड

डोनाल्ड ट्रंप ने इस प्रेस वार्ता में बांग्लादेश का भी मुद्दा उठाया। अमेरिका के द्वारा 29 मिलियन डॉलर बांग्लादेश में स्थिरता लाने के लिए दिया गया। वहां कैसी 'स्थिरता' आई कि प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपना मुल्क छोड़ कर भागना पड़ा! बहरहाल, कांग्रेस पार्टी के तेजतर्रार प्रवक्ता पवन खेड़ा शनिवार को फिर प्रेस कांफ्रेंस कर मांग दोहराते हुए कहा कि देश में फैल रहे कंफ्यूजन को दूर करने के लिए केंद्र सरकार को अमेरिकी फंडिंग पर 70 सालों का दस्तावेज श्वेत पत्र के रूप में देश के समक्ष रखे। जिससे देश भी देखे किसको कब, कितना यूएस-एड मिले।

यूएस-एड है क्या

युनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट एक अमेरिकी सरकारी एजेंसी है, जो अंतरराष्ट्रीय विकास और मानवीय सहायता के लिए काम करती है। इसका मुख्य उद्देश्य विकासशील देशों में सामाजिक और आर्थिक प्रगति को बढ़ावा देना है। यूएस-एड की स्थापना 1961 में अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी के द्वारा की गई थी।

डोज ने किया था खुलासा

एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग (डोज) ने 16 फरवरी को यह खुलासा किया कि अमेरिका की सहायता एजेंसी यूएस-एड ने 'भारत में मतदाता टर्नआउट' को बढ़ाने के नाम पर 21 मिलियन डॉलर आवंटित किए थे। इसने भारत की राजनीति में हलचल मचा दी।

जयशंकर ने तौहीद हुसैन को दी चेतावनी

विदेश मंत्री ने कहा-अब बांग्लादेश आतंकवाद को सामान्य न बनने दे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने बांग्लादेश के विदेश मामलों के सलाहकार तौहीद हुसैन से दो टूक शब्दों में कहा था कि ढाका आतंकवाद को सामान्य न बनने दे। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यह खुलासा किया। दोनों नेताओं की मुलाकात इस सप्ताह की शुरुआत में मस्कट में हुई थी। बैठक के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा था कि बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के विदेश मामलों के सलाहकार के साथ बातचीत द्विपक्षीय संबंधों और बिम्सटेक पर केंद्रित थी।

मोदी और यूनुस के मिलने पर चर्चा

बातचीत के दौरान अप्रैल में बैंकॉक में आयोजित होने वाले बिम्सटेक शिखर सम्मेलन के दौरान मुख्य सलाहकार प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच एक बैठक करने का विषय भी उठा। बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बंगाल की खाड़ी पहल' (बिम्सटेक) का छठा शिखर सम्मेलन 2-4 अप्रैल को बैंकॉक में होगा। बता दें बांग्लादेश शिखर सम्मेलन में बिम्सटेक के अगले अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभालेगा।

---

27 से 28 फरवरी तक होगी उनकी यह यात्री, पीएम के साथ होगी बैठक

अगले सप्ताह से भारत की यात्रा पर रहेंगी यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष लेयेन

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से बढ़ते वैश्विक सुरक्षा खतरे के बीच यूरोपीय संघ (ईयू) की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन 27 से 28 फरवरी तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगी। जो भारत और ईयू के बीच बढ़ते तालमेल को मजबूत बनाने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि भारत यात्रा के दौरान ईयू अध्यक्ष की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक प्रतिनिधिमंडल स्तर की अहम बैठक होगी। जिससे दोनों पक्षों के बीच प्रमुख क्षेत्रों में बढ़ते तालमेल को और अधिक प्रगाढ़ बनाने में मदद मिलेगी। यूरोपीय संघ की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन का यह तीसरा भारत दौरा है। इससे पहले उन्होंने 2022 और उसके बाद 2023 में जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री मोदी और ईयू अध्यक्ष बहुराष्ट्रीय मंचों पर भी अक्सर मुलाकात करते रहते हैं।

पीएम मोदी के निमंत्रण पर हो रही यात्रा

ईयू अध्यक्ष के साथ उच्च स्तरीय यूरोपीय संघ कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स भी भारत की यात्रा करेंगे। सभी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत यात्रा के लिए आमंत्रित किया है। मंत्रालय ने बताया कि ईयू कॉलेज ऑफ कमिश्नर्स की यह पहली भारत यात्रा होगी। जिसमें भारत और ईयू व्यापार एवं प्रौद्योगिकी परिषद (टीईसी) की दूसरी मंत्रिस्तरीय बैठक होगी। साथ ही यूरोपीय कमिशनरों और उनके भारतीय समकक्षों के बीच द्विपक्षीय मंत्रिस्तरीय बैठकें होंगी।

2004 से जारी सामरिक भागीदारी

भारत और यूरोपीय संघ के बीच वर्ष 2004 से सामरिक भागीदारी है और दोनों के द्विपक्षीय संबंध कई क्षेत्रों में लगातार बढ़ रहे हैं। अब दोनों सामरिक भागीदारी के तीसरे दशक में प्रवेश कर कर चुके हैं और उस दौरान हो रहे उर्सुला वॉन डेर लेयेन और ईयू कॉलेज कमिश्नरों की भारत यात्रा से दोनों पक्षों के द्विपक्षीय संबंधों को और अधिक मजबूती मिलेगी।

Authorised Dealers: South Delhi: Lajpat Nagar: Sapphire Hero: 9289923175, Adchini (Main Mehrauli Road)- Pashupati Hero- 9289922381, Pul Prahladpur Badarpur Singla Hero–9289922771, Okhla Phase II: A R C Hero - 9289922461, East Delhi: Durgapuri (Loni Road, Shahadra): Himgiri Hero: 9289922380, PushtaKartar Nagar - Aman Hero - 9289922735, Dilshad Garden - RK Hero- 9289923010, Patparganj Pandav Nagar: Singla Autoneeds Hero- 9289923222 North Delhi: Azadpur - Shraman Automobiles: 9289923185, Rithala (Rohini) - Metro Hero - 9289922597, Budh Vihar: JMD Automotives - 7838685858, Central Delhi: Karol Bagh (Faiz Road): EssAay Hero - 9289922382, Upper India Hero – 9717198198, West Delhi: ROSHAN VIHAR (Najafgarh): Avni Hero- 9289922671, Paschim Vihar (Peeragarhi): Shivganga Hero- 9289922796, Palam Dabri Road (Dwarka): Singla Hero– 9289922530, Tilak Nagar - Khanna Hero- 9289922383, Bali Nagar: Khanna Hero- 9289924309, Nawada: Khanna Hero- 9289924310, Faridabad: Sehgal Hero- 9289922419, Sehgal Hero, NIT – 7217627327. Authorised Dealers: Noida: Dhansri Hero, H-206A, Sector-63- 9289923044, Uppal Hero- B 124, Sector-5: 9289922462, Singla Hero, C-70, Sector-58: 9289923059; Ghaziabad: Globe Hero- Meerut, Delhi Road - 9289922073, Aman Hero- Shiv Puri, Vijay Nagar- 9289232123 Sahibabad: Sahib Hero- 9289922486 BulandShahr: Shri Durga Hero, Delhi Road, 9289922504; Krishna Hero, Raje Babu Road, 9289922410, Hapur: Globe Hero, 9289923209, Sub Dealers: Ghaziabad: Santosh Automobiles, Muradnagar – 9319199777, Globe Moto, Modinagar- 8791376340, Vasant Automobile, B183 Lohia Nagar Hapur Road – 9212385353, Globe Motors, 59 Harsha Enclave Govindpuram- 8958136986, Sahibabad: Pragati Automobile, Wazirabad Road - 9810698331, Heera Motors, Teela Mod Police Chowki – 9136729988, Sub Dealers: Noida: Shaurya Automobile, Jagat Farm - 9560034555, Shri Yash Motors, Surajpur Greater Noida- 9213191051. Authorised Dealers: Gurugram: Globe Agencies, Sec – 18, Noble Enclave – 9289233915, Himgiri Hero - 9289923046, Sharma Hero, Basai Road Sector 11- 9289923221, Autoneeds Hero - 9289922051, Jasodha Hero- 9289922495, Himgiri Hero (Wazirabad): 9289924247, Himgiri Hero (Railway Road): 9289924248; Sohna: Auto Links Hero, No.160/2 Delhi Road, Sohna- 9289924089.
FCB INTERFACE/6913/FEB25/ENG